हिन्दी साप्ताहिक

भारत निविदा लाईन समाचार पत्र

क्राइम की हर खबर....

वर्ष : 19 | अंक: 18 | नई दिल्ली 13 से 19 फरवरी 2026 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 02 रुपए

नो-फोन पॉलिसी, कोई सेलिब्रिटी गेस्ट नहीं

एक नजर

भारत-नीदरलैंड ने द्विपक्षीय सहयोग पर की बातचीत

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान नीदरलैंड्स के प्रधानमंत्री डिक स्कोफ से गुरुवार को मुलाकात कर द्विपक्षीय सहयोग पर बातचीत की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पोस्ट में बताया कि यहां हुई इस बैठक में दोनों नेताओं ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को आर्थिक और सामाजिक परिवर्तन का साधन बनाने पर विचार साझा किए। उन्होंने भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते की वाताओं के निष्कर्ष का स्वागत किया और इसके शीघ्र क्रियान्वयन के लिए प्रतिबद्धता जताई। दोनों नेताओं ने भारत-नीदरलैंड्स के बीच प्रौद्योगिकी और नवाचार में सहयोग को और मजबूत करने तथा आर्थिक साझेदारी में नए अवसरों का लाभ उठाने पर सहमति व्यक्त की। साथ ही, उन्होंने वैश्विक स्तर पर आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई को और सशक्त बनाने का संकल्प भी दोहराया।

मोदी सरकार ने एआई विश्व सम्मेलन को बना दिया है तमाशा: राहुल

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) शिखर सम्मेलन को लेकर मोदी सरकार पर बुधवार को हमला किया और कहा कि इस वैश्विक मंच का लाभ उठाने की बजाय मोदी सरकार अपने प्रचार के लिए इस्तेमाल कर इसका तमाशा बना रही है। श्री गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि सम्मेलन से भारतीय प्रतिभाओं को लाभ मिलना चाहिए था, लेकिन सरकार पूरे शिखर सम्मेलन को अव्यस्थित कर इसे जनसंपर्क का तमाशा बना दिया है और सम्मेलन में चीन अब इसका लाभ उठा रहा है। उन्होंने कहा, भारत की प्रतिभा और डेटा का लाभ उठाने के बजाय, एआई शिखर सम्मेलन एक अव्यवस्थित जनसंपर्क तमाशा बन गया है, भारतीय डेटा बिक्री के लिए पेश किया जा रहा है और चीनी उत्पादों का प्रदर्शन किया जा रहा है।

अब कार्यक्रम के दौरान गुलदस्ता और स्मृति चिह्न नहीं लेंगे केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सार्वजनिक कार्यक्रमों में अपने स्वागत के तौर-तरीकों को लेकर बड़ा फैसला लिया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि अब उनके स्वागत में माला, गुलदस्ता या स्मृति चिह्न भेंट न किए जाएं। इसके बजाय वे चाहते हैं कि लोग पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कदम बढ़ाते हुए पौधे लगाएं। मंत्री ने कहा कि यदि कोई उनका सम्मान करना चाहता है तो अपने क्षेत्र में एक पौधा लगाए और उसके साथ फोटो खिंचवाकर भेज दे। पौधा लगाकर उसकी तस्वीर लेकर आएं, वही मेरे लिए सबसे बड़ा स्वागत होगा। उन्होंने यह भी अपील की कि कार्यक्रमों में होने वाले अनावश्यक खर्च को कम कर पर्यावरण के हित में काम किया जाए। उनके अनुसार, स्वागत में खर्च होने वाली राशि का उपयोग पौधरोपण और उनकी देखभाल में किया जा सकता है, जिससे समाज को दीर्घकालिक लाभ मिलेगा।

पीएम मोदी ने भी की थी ये अपील

बता दें कि यह पहला मौका नहीं है, जब नेताओं ने इस तरह का फैसला लिया हो। इससे पहले देश के कई नेताओं ने ऐसी मंशा जाहिर की थी। पीएम मोदी ने भी लोगों से अपील की थी कि शुभकामनास्वरूप पुष्प गुच्छ यानि बुके देने के बजाय पुस्तक भेंट करने की अपील की थी और कहा था कि पढ़ने से ज्यादा आनंद किसी और काम में नहीं आता और ज्ञान से बड़ी कोई ताकत नहीं है।

एआई मानवता के कल्याण के लिए एक साझा संसाधन है: प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के दौरान नेताओं के पूर्ण सत्र में अपने विचार व्यक्त किए। भारत में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट में प्रतिभागियों का एक बार फिर स्वागत करते हुए, प्रधानमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि यह शिखर सम्मेलन मानव-केंद्रित और संवेदनशील वैश्विक एआई पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर कार्यक्रम से जुड़ा अपडेट जारी करते हुए कहा कि इतिहास गवाह है कि मानवता ने हमेशा व्यवधानों को अवसरों में बदला है, और आज व्यवधान को मानवता के सबसे बड़े अवसर में बदलने का एक और सुनहरा मौका है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि एआई इम्पैक्ट समिट में लीडर्स प्लेनरी में अपने संबोधन में मैंने मानव-केंद्रित और संवेदनशील वैश्विक एआई इकोसिस्टम के निर्माण की आवश्यकता पर बल दिया। आखिरकार, मानवता ने हमेशा ही व्यवधानों को अवसरों में परिवर्तित किया है और एआई का उदय एक और ऐसा ही महत्वपूर्ण अवसर प्रस्तुत करता है।

उन्होंने कहा कि आइए हम सब मिलकर एक ऐसा रोडमैप तैयार करें जो यह सुनिश्चित करे कि एआई सही प्रभाव डाले, और यह तभी संभव है जब हम सही समय पर, सही नीतियों के साथ, सही निर्णय लें।

पीएम मोदी ने कहा, 'मुझे विश्वास है कि यह समिट एक मानव केंद्रित, संवेदनशील वैश्विक एआई इकोसिस्टम के निर्माण में अहम भूमिका निभाएगा। हम इतिहास पर नजर डालें तो पता चलता है कि इंसान ने हर व्यवधान को एक नए अवसर में बदला है। आज हमारे सामने फिर ऐसा ही अवसर आया है। हमें मिलकर इस व्यवधान को मानवता के सबसे बड़े अवसर के रूप में बदल देना है। भारत बुद्ध की धरती है और भगवान बुद्ध ने कहा था, राइट एक्शन कम्स फ्रॉम राइट अंडरस्टैंडिंग इसलिए आवश्यक है कि हम साथ मिलकर ऐसा रोडमैप बनाएं, जिससे एआई का सही प्रभाव दिखे। और सही प्रभाव तभी आता है जब हम सही समय पर सही नियत से सही निर्णय लेते हैं।

उन्होंने कहा कि कोविड महामारी के समय दुनिया ने देखा है कि जब हम एक दूसरे के साथ खड़े होते हैं तो असंभव भी संभव हो जाता है। वैक्सीन विकास से लेकर सप्लाई चेन तक, डेटा साझा करने से लेकर जीवन बचाने तक सहयोग ने ही समाधान दिया। टेक्नोलॉजी कैसे मानवता की सेवा का माध्यम बन सकती है, ये हमने भारत में कोविड काल में देखा है। हमारे डिजिटल वैक्सीनेशन प्लेटफॉर्म ने करोड़ों लोगों को समय पर वैक्सीनेशन कराने में बहुत मदद की।

हमारे यूपीआई ने उन मुश्किल परिस्थितियों में सुनिश्चित किया कि लोग आसानी से ऑनलाइन ट्रांजेक्शन करते रहें। यूपीआई ने भारत में डिजिटल डिवाइड को दूर करने में भी बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। बीते वर्षों में भारत ने एक वाइब्रेंट डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर बनाया है। हम इसे दुनिया के साथ भी शेयर कर रहे हैं, क्योंकि हमारे लिए टेक्नोलॉजी पावर का नहीं, बल्कि सेवा का माध्यम है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अतीत में प्रौद्योगिकी ने विभाजन पैदा किया, लेकिन अब एआई सभी के लिए सुलभ और सुलभ होना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एआई के भविष्य पर चर्चा करते समय, वैश्विक दक्षिण की आकांक्षाओं और प्राथमिकताओं को एआई प्रशासन के केंद्र में रखा जाना चाहिए।

पीएम मोदी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि नैतिकता हमेशा से ही मानवीय प्रगति का केंद्र रही है, लेकिन कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के साथ अनैतिक व्यवहार की संभावनाएं असीमित हो गई हैं। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि एआई के लिए नैतिक मानदंड भी असीमित होने चाहिए। उन्होंने कहा कि एआई कंपनियों की यह बड़ी जिम्मेदारी है कि वे न केवल लाभ पर बल्कि उद्देश्य पर भी ध्यान केंद्रित करें, और उन्होंने मजबूत नैतिक प्रतिबद्धताओं की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने आगे कहा कि व्यक्तिगत स्तर पर, एआई पहले से ही मानव अधिगम, बुद्धि और भावनाओं को प्रभावित कर रही है।

नैतिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग के लिए, प्रधानमंत्री ने तीन सुझाव दिए:

पीएम मोदी ने कहा कि एआई प्रशिक्षण में डेटा संप्रभुता का सम्मान होना चाहिए और यह एक विश्वसनीय वैश्विक डेटा ढांचे पर आधारित होना चाहिए। उन्होंने ह्यजैसा इनपुट वैसा आउटपुट के सिद्धांत पर प्रकाश डाला और इस बात पर बल दिया कि यदि डेटा सुरक्षित, संतुलित और विश्वसनीय नहीं है, तो आउटपुट भरोसेमंद नहीं हो सकता।

एआई प्लेटफॉर्म को अपने सुरक्षा नियमों को स्पष्ट और पारदर्शी रखना चाहिए। उन्होंने 'ब्लैक बॉक्स' के बजाय 'ग्लास बॉक्स' दृष्टिकोण अपनाने की बात कही, जहां सुरक्षा नियम स्पष्ट और सत्यापित किए जा सकें। उन्होंने कहा कि इससे जवाबदेही सुनिश्चित होगी और व्यापार में नैतिक व्यवहार मजबूत होगा।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता को स्पष्ट मानवीय मूल्यों द्वारा निर्देशित किया जाना चाहिए। उन्होंने ह्यपेपर क्लिप समस्याह्ल का उदाहरण दिया, जिसमें एक मशीन को एक लक्ष्य दिया जाए तो वह उसे प्राप्त करने के लिए दुनिया के सभी संसाधनों का उपयोग कर सकती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यद्यपि प्रौद्योगिकी शक्तिशाली है, फिर भी दिशा का निर्धारण हमेशा मनुष्यों द्वारा ही किया जाना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि महत्वाकांक्षी भारत कृत्रिम बुद्धिमत्ता की वैश्विक यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है और इस जिम्मेदारी को समझते हुए भारत महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है। उन्होंने बताया कि भारत के एआई मिशन के तहत 38,000 जीपीयू पहले से ही उपलब्ध हैं और अगले छह महीनों में 24,000 और जीपीयू जोड़े जाएंगे। पीएम मोदी ने कहा कि भारत अपने स्टार्टअप्स को विश्व स्तरीय कंप्यूटिंग क्षमता अत्यंत किफायती दरों पर उपलब्ध करा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि भारत ने एआईकोश (राष्ट्रीय डेटासेट प्लेटफॉर्म) की स्थापना की है, जिसके माध्यम से 7,500 से अधिक डेटासेट और 270 एआई मॉडल राष्ट्रीय संसाधनों के रूप में साझा किए गए हैं।

प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के लिए भारत की दिशा और दृष्टिकोण स्पष्ट हैं–एआई मानवता के कल्याण के लिए एक साझा संसाधन है। उन्होंने नवाचार को बढ़ावा देने, समावेश को मजबूत करने और मानवीय मूल्यों को एकीकृत करने वाले एआई भविष्य के निर्माण की आवश्यकता पर बल दिया। मोदी ने निष्कर्ष निकाला कि जब प्रौद्योगिकी और मानवीय विश्वास साथ-साथ आगे बढ़ेंगे, तभी एआई का वास्तविक प्रभाव विश्व भर में दिखाई देगा।

'गगनयान' की तैयारियों में बड़ी सफलता, ड्रोग पैराशूट का सफल लोड टेस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के मानव अंतरिक्ष मिशन 'गगनयान' की तैयारियों को एक बड़ी सफलता मिली है। डीआरडीओ ने गगनयान कार्यक्रम के लिए ड्रोग पैराशूट का सफल क्वालिफिकेशन लेवल लोड टेस्ट पूरा किया है। यह परीक्षण चंडीगढ़ स्थित टर्मिनल बैलिस्टिक्स रिसर्च लेबोरेटरी की रेल ट्रैक रॉकेट स्लेज सुविधा में किया गया।

बता दें कि गगनयान भारत का पहला मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन है। इसे इसरो द्वारा पूरा किया जा रहा है। इस मिशन के अंतर्गत 3 सदस्यीय भारतीय दल को 400 किमी की निचली पृथ्वी कक्षा में 3 दिनों के लिए भेजने और फिर उन्हें सुरक्षित वापस लाने की योजना है।

दरअसल, ड्रोग पैराशूट अंतरिक्ष कैप्सूल की सुरक्षित वापसी में अहम भूमिका निभाता है। यह पहले खुलकर कैप्सूल की गति कम करता है और उसे स्थिर करता है। ऐसा इसलिए किया जाता है ताकि मुख्य पैराशूट सुरक्षित तरीके से खुल सके। इस बार इसे वास्तविक उड़ान में आने वाले अधिकतम भार से भी अधिक दबाव में परखा गया, जिससे इसकी अतिरिक्त सुरक्षा क्षमता सिद्ध हुई। यानी इस बार जो टेस्ट किया गया, उसमें पैराशूट को असली उड़ान से भी ज्यादा दबाव वाली स्थिति में परखा गया। ऐसे में अगर असली मिशन में हालात मुश्किल भी हों, तब भी यह पैराशूट सुरक्षित काम करेगा। यही कारण है कि डिजाइन में अतिरिक्त सुरक्षा रखी गई है। इस सफलता के बाद भारत ने साबित कर दिया है कि वह हाई-टेक और मजबूत पैराशूट खुद डिजाइन और बना सकता है।

किरेन रिजिजू ने निगरानी ऐप, हज रिस्टबैंड और एआई चैटबॉट लॉन्च किए

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने गुरुवार को प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम (पीएमजेवीके) के तहत अवसंरचना संबंधी कमियों को दूर करने के लिए निगरानी ऐप लॉन्च किया और साथ ही हज रिस्टबैंड और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) चैटबॉट का भी अनावरण किया।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने बिहार के नालंदा विश्वविद्यालय में आयोजित 'चिंतन शिविर' के लिए अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय की टीम की सराहना करते हुए कहा कि नालंदा भारत की प्राचीन सभ्यता की विरासत का प्रतीक और उत्कृष्टता का एक प्रमुख केंद्र है।

बयान में आगे कहा गया कि निगरानी ऐप को अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में अवसंरचना परियोजनाओं की पारदर्शिता, वास्तविक समय की निगरानी और कार्यान्वयन को बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है। इसका उद्देश्य विकास की कमियों को दूर करना, केंद्र-राज्य समन्वय में सुधार करना और विकसित भारत 2047 को आगे बढ़ाना है।

केंद्रीय मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि 'चिंतन शिविर' की चचाओं से केंद्र-राज्य समन्वय को सुव्यवस्थित करने, हितधारकों की भागीदारी बढ़ाने और जमीनी स्तर पर सफल कार्यान्वयन सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

इस कार्यक्रम में केंद्रीय और राज्य मंत्रियों, वरिष्ठ अधिकारियों और संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञों ने अल्पसंख्यक कल्याण और सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण के लिए नीति-आधारित रोडमैप पर विचार-विमर्श करने के लिए भाग लिया। मंत्रालय ने पीएमजेवीके, प्रधानमंत्री विरासत का संवर्धन (पीएम विकास), राष्ट्रीय अल्पसंख्यक विकास एवं वित्त निगम (एनएमडीएफसी), एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तिकरण, दक्षता एवं विकास (यूएमईईडी) केंद्रीय पोर्टल, हज आधुनिकीकरण और डिजिटल पहलों जैसी योजनाओं के माध्यम से अपनी प्रमुख उपलब्धियों को प्रदर्शित किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के अपने दृष्टिकोण को भी प्रस्तुत किया। अल्पसंख्यक मामलों के राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन ने कहा कि पीएमजेवीके योजना प्रधानमंत्री मोदी के 'विकसित भारत' के विजन को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

राज्य मंत्री कुरियन ने आगे कहा कि इस योजना ने देश भर के अल्पसंख्यक क्षेत्रों के अवसंरचनात्मक विकास में योगदान दिया है। पीएम विकास, एनएमडीएफसी, उम्मीद केंद्रीय पोर्टल और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय की हज संबंधी पहल अल्पसंख्यकों के कल्याण और विकास में योगदान दे रही हैं।

अल्पसंख्यक मामलों के सचिव चंद्र शेखर कुमार ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों का आभार व्यक्त किया और 'चिंतन शिविर' को सफल बनाने के लिए राज्य सरकार और नालंदा के अधिकारियों की सराहना की।

'चिंतन शिविर' का उद्देश्य 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के माध्यम से विकसित भारत के लिए नागरिक सहभागिता सुनिश्चित करना है।

होली के लिए रेलवे चला रहा है 30 अतिरिक्त स्पेशल ट्रेनें

नई दिल्ली, एजेंसी। होली के त्योहार पर यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे ने 30 अतिरिक्त स्पेशल ट्रेन सेवाएं शुरू करने का फैसला किया है। इनमें से 8 ट्रेनें लोकमान्य तिलक टर्मिनस मुंबई से सुल्तानपुर और वाराणसी के बीच चलाई जा रही हैं, जबकि 22 ट्रेनें रक्सौल, सहरसा और धनबाद के लिए पहले से चल रही सेवाओं का विस्तार हैं। यह व्यवस्था यात्रियों को बेहतर सुविधा देने और भीड़ कम करने के लिए की गई है।

लोकमान्य तिलक टर्मिनस मुंबई से सुल्तानपुर के बीच चार स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं। ट्रेन नंबर 04211 होली स्पेशल 27.02.2026 और 03.03.2026 को मुंबई से दोपहर 14:35 बजे रवाना होगी और अगले दिन रात 23:00 बजे सुल्तानपुर पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन नंबर 04212 26.02.2026 और 02.03.2026 को सुल्तानपुर से सुबह 04:00 बजे निकलेगी और अगले दिन दोपहर 12:20 बजे मुंबई पहुंचेगी।

इसी तरह वाराणसी के लिए चार स्पेशल ट्रेनें हैं। ट्रेन नंबर 04225 26.02.2026 और 02.03.2026 को मुंबई से दोपहर 14:35 बजे रवाना होगी और तीसरे दिन सुबह 02:05 बजे वाराणसी पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन नंबर 04226 25.02.2026 और 01.03.2026 को वाराणसी से सुबह 01:35 बजे निकलेगी और अगले दिन दोपहर 12:20 बजे मुंबई पहुंचेगी।

इन ट्रेनों में ठाणे, कल्याण, नासिक रोड, चालीसगांव, पचोरा, भुसावल, खंडवा, इटारसी जंक्शन, रानी कंपलपति, बीना, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, ओराई, कानपुर सेंट्रल और लखनऊ जैसे प्रमुख स्टेशन पड़ाव हैं। वाराणसी वाली ट्रेनों में सुल्तानपुर और जौनपुर सिटी भी शामिल हैं। प्रत्येक ट्रेन में 16 एसी थ्री-टियर इकोनॉमी कोच और 2 जनरेटर वैन हैं।

इसके अलावा रक्सौल, सहरसा और धनबाद के लिए पहले से चल रही ट्रेनों को होली स्पेशल के रूप में बढ़ाया गया है। मुंबई से रक्सौल के बीच ट्रेन नंबर 05558 पहले हर गुरुवार को चलती थी, अब इसे 12.03.2026 से 02.04.2026 तक बढ़ाया गया है। वापसी में ट्रेन नंबर 05557 10.03.2026 से 31.03.2026 तक चलेगी। कुल 8 स्पेशल सेवाएं हैं। इनमें 1 फर्स्ट कम एसी टू-टियर, 2 एसी टू-टियर, 6 एसी थ्री-टियर, 7 स्लीपर क्लास, 4 जनरल सेकंड क्लास, 1 सेकंड सीटिंग कम गार्ड ब्रेक वैन और 1 जनरेटर कार हैं।

मुंबई से सहरसा के बीच ट्रेन नंबर 05586 हर रविवार को चलती हैः अब इसे 08.03.2026 से 29.03.2026 तक बढ़ाया गया है। वापसी में ट्रेन नंबर 05585 06.03.2026 से 27.03.2026 तक चलेगी। कुल 8 स्पेशल सेवाएं हैं। इनमें 2 एसी टू-टियर, 6 एसी थ्री-टियर, 2 एसी थ्री-टियर इकोनॉमी, 6 स्लीपर क्लास, 4 जनरल सेकंड क्लास, 1 सेकंड सीटिंग कम गार्ड ब्रेक वैन और 1 जनरेटर कार हैं।

धनबाद के लिए ट्रेन नंबर 03380 हर गुरुवार को चलती है और अब 12.03.2026 से 26.03.2026 तक बढ़ाई गई है। वापसी में ट्रेन नंबर 03379 10.03.2026 से 24.03.2026 तक चलेगी। कुल 6 स्पेशल सेवाएं हैं। इनमें 2 एसी टू-टियर, 2 एसी थ्री-टियर, 6 एसी थ्री-टियर इकोनॉमी, 6 स्लीपर क्लास, 4 जनरल सेकंड क्लास, 1 सेकंड सीटिंग कम गार्ड ब्रेक वैन और 1 जनरेटर कार हैं।

इन ट्रेनों के समय और पड़ाव में कोई बदलाव नहीं किया गया है। आरक्षण की जानकारीः ट्रेन नंबर 05558, 05586 और 03380 के विस्तारित सफर के लिए बुकिंग 20.02.2026 से शुरू हो गई है।

एसी स्पेशल ट्रेन नंबर 04211 और 04225 के लिए बुकिंग 22.02.2026 से खुलेगी।

'वंदे मातरम' विवाद पर शशि थरूर, देशभक्ति दिल से होती, कानून बनाकर मजबूर नहीं करना चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस सांसद और पूर्व मंत्री शशि थरूर ने 'वंदे मातरम' को लेकर चल रही बहस पर साफ कहा कि किसी भी नागरिक को गाने के लिए मजबूर नहीं करना चाहिए। उन्होंने हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा जारी किए गए गाइडलाइंस की आलोचना कर कहा कि देशभक्ति दिल से होती है, और कानून बनाकर इस गाने को जबरन किसी की जुबान पर नहीं लाया जा सकता। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने आदेश दिए हैं कि राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' अब सभी आधिकारिक कार्यक्रमों में पूरा गाना अनिवार्य होगा।

कांग्रेस नेता थरूर ने इस दौरान 'वंदे मातरम' के इतिहास का उल्लेख किया। यह गीत बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा लिखा गया था और स्वतंत्रता संग्राम में क्रांतिकारियों और सत्याग्रहियों को प्रेरित करता था। उन्होंने कहा कि आज एक धर्मनिरपेक्ष गणराज्य के रूप में राज्य और व्यक्तिगत अंतरात्मा के बीच संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। स्वतंत्रता के समय भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस 'वंदे मातरम' गाती थी, लेकिन देश की धार्मिक विविधता को देखकर 'जन गण मन' को राष्ट्रगान चुना गया। संविधान सभा ने 'वंदे मातरम' को राष्ट्रीय गीत का समान दर्जा दिया, ताकि स्वतंत्रता संग्राम में इसकी भूमिका सम्मानित हो और किसी समुदाय को अलग-थलग न किया जाए। यह एक सोच-समझकर किया गया समझौता था।

कांग्रेस नेता थरूर ने रवींद्रनाथ टैगोर की भूमिका का भी जिक्र किया। टैगोर ने 1896 में गीत को संगीतबद्ध किया और 1937 में सुझाव दिया कि सार्वजनिक मंचों पर केवल पहले दो अंतरे गाए जाएं। शुरूआती पंक्तियां मातृभूमि की प्राकृतिक सुंदरता का प्रतीकात्मक वर्णन करती हैं, जिसे सभी स्वीकार कर सकते हैं। लेकिन बाद के अंतरों में दुर्गा और लक्ष्मी जैसी देवी-देवताओं का उल्लेख है, इससे कुछ धर्मों के लोग धार्मिक कारणों से नहीं गा सकते। कांग्रेस नेता थरूर ने कहा कि कई मुस्लिम नागरिकों की आपत्ति इसी कारण है, क्योंकि इस्लाम में तौहीद के सिद्धांत के अनुसार किसी अन्य ईश्वर या देवी-देवता को मानना या उसकी स्तुति करना स्वीकार्य नहीं है।

जिलाधिकारी ने 422 करोड़ परियोजनाओं की समय पर पूर्णता के दिए निर्देश

सूरज मौर्य

उत्तर प्रदेश: जनपद में एक करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली निमार्णाधीन परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी परियोजनाएं निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराई जाएं। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में उन्होंने सीएमआईएस पोर्टल पर प्रदर्शित परियोजनाओं के साथ ही सीएम डैशबोर्ड (विकास कार्य), पूर्वांचल विकास निधि, क्रिटिकल गैप्स तथा त्वरित आर्थिक विकास योजना की भी समीक्षा की। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार, परियोजना निदेशक डीआरडीए धरमजीत सिंह सहित संबंधित विभागों व कार्यदायी संस्थाओं के अधिकारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने कहा कि निर्माण कार्य में मानक अनुरूप सामग्री का ही प्रयोग किया जाए। संबंधित विभागों के अधिकारी अपनी परियोजनाओं का नियमित स्थलीय निरीक्षण करें तथा फोटोग्राफ सहित आख्या मुख्य विकास अधिकारी के माध्यम से उपलब्ध कराएं। पूर्ण परियोजनाओं को तकनीकी टीम से परीक्षण उपरांत ही हैंडओवर किए जाने के निर्देश भी दिए गए। जनहित से जुड़ी परियोजनाओं को प्राथमिकता देने पर विशेष बल दिया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिया कि जिन परियोजनाओं में धनावंटन शेष है, उनके लिए कार्यदायी संस्थाएं अपने मुख्यालय से समन्वय स्थापित कर समय सीमा विस्तार व धनराशि अवमुक्ति हेतु पत्राचार सुनिश्चित करें, जिससे कार्य समय पर पूर्ण हो सके। समीक्षा में बताया गया कि सीएमआईएस पोर्टल पर एक करोड़ से अधिक लागत की कुल 422 परियोजनाएं दर्ज हैं, जिनमें से 340 पूर्ण कर ली गई हैं। शेष 85 परियोजनाएं लंबित हैं, जिनमें 16 निर्धारित समय सीमा के बाद विलंबित तथा 69 समयावधि के भीतर प्रगति पर हैं।

कुल 7327.31 करोड़ रुपये स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष 6159.11 करोड़ रुपये अवमुक्त किए गए, जिनमें से 5795.59 करोड़ रुपये व्यय किए जा चुके हैं। जिलाधिकारी ने विलंबित परियोजनाओं में तेजी लाने तथा समयावधि में चल रही परियोजनाओं को भी निर्धारित समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। सीएम डैशबोर्ड (विकास कार्य) की समीक्षा में जिलाधिकारी ने कहा कि जिन विभागों की रैंकिंग कुछ प्रतिशत कार्य अपूर्ण रहने के कारण प्रभावित हो रही है, वे कार्य शीघ्र पूर्ण कर फोटो फीडिंग व अपलोड सुनिश्चित करें, ताकि जनपद की रैंकिंग में सुधार हो सके।

बैठक में जिला विकास अधिकारी रमाशंकर सिंह, उपायुक्त मनरेगा सुशांत सिंह, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग अशोक कुमार व जनार्दन यादव सहित जल निगम, सिंचाई व अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

मझवाँ विधायक शुचिस्मिता मौर्या ने योगी आदित्यनाथ से की शिष्टाचार भेंट

सूरज मौर्य

उत्तर प्रदेश: माननीय मुख्यमंत्री से शिष्टाचार भेंट। योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार मुलाकात करती हुईं। शुचिस्मिता मौर्या, विधायक – (397) मझवाँ विधानसभा क्षेत्र। मुलाकात के दौरान क्षेत्रीय विकास, जनसमस्याओं के समाधान एवं चल रही। परियोजनाओं पर चर्चा होने की संभावना है। यह भेंट मझवाँ विधानसभा क्षेत्र के समग्र विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

कुशवाह ने 2026-27 के बजट को समावेशी विकास और कृषि सशक्तिकरण में बताया अहम

सूरज मौर्य

उत्तर प्रदेश: नारायण सिंह कुशवाह सामाजिक न्याय दिव्यांगजन कल्याण, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री ने मध्यप्रदेश सरकार के वित्तीय वर्ष 2026झ27 के बजट को राज्य की विकास दिशा और प्राथमिकताओं को निर्धारित करने वाला बताया है।

उन्होंने कहा कि यह बजट सामाजिक समावेशन को सशक्त करने और कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूती देने की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। मंत्री श्री कुशवाह ने बताया कि सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण विभाग के लिए 4570 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इससे दिव्यांगजनों को शिक्षा, स्वरोजगार और पुनर्वास योजनाओं का व्यापक लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह कदम समाज के कमजोर वर्गों को मुख्यधारा से जोड़ने में सहायक सिद्ध होगा। उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के लिए 772 करोड़ रुपये के बजट प्रावधान को किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में अहम कदम बताया गया। मंत्री ने कहा कि आधुनिक तकनीक के उपयोग, प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना और मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देने से प्रदेश के उद्यानिकी उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार में नई पहचान मिलेगी। मंत्री श्री कुशवाह ने विश्वास व्यक्त किया कि यह बजट समावेशी विकास को गति देने, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के लक्ष्य की प्राप्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

अरुण कुमार पटेल बने एंटी करप्शन फाउंडेशन के जिला कार्यकारी सदस्य

अरुण कुमार पटेल

उत्तर प्रदेश: जनपद बलिया देशभर में भ्रष्टाचार उन्मूलन और जनजागरूकता के लिए सक्रिय संस्था एंटी करपसन फाउंडेशन ने जनपद बलिया में अपने संगठन को और सशक्त करते हुए श्री अरुण कुमार पटेल को District Ballia Executive Member के पद पर नियुक्त किया है। यह नियुक्ति संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजीव शर्मा जी की अनुशंसा एवं स्वीकृति से की गई। श्री संजीव शर्मा ने अपने संदेश में कहा कि एंटी करपसन फाउंडेशन का मूल उद्देश्य समाज में पारदर्शिता, जवाबदेही और ईमानदारी की भावना को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि संगठन देश के विभिन्न राज्यों और जनपदों में आम नागरिकों को भ्रष्टाचार के विरुद्ध आवाज उठाने के लिए एक सशक्त मंच प्रदान कर रहा है। जनपद बलिया में श्री अरुण कुमार पटेल की नियुक्ति इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। श्री अरुण कुमार पटेल लंबे समय से सामाजिक गतिविधियों और जनहित के मुद्दों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। उनकी कार्यशैली, समर्पण और ईमानदार छवि को देखते हुए संगठन ने उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी है। उनसे अपेक्षा की गई है कि वे जनपद में संगठन का विस्तार करते हुए अधिक से अधिक लोगों को भ्रष्टाचार विरोधी अभियान से जोड़ेंगे तथा सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता सुनिश्चित कराने में सहयोग करेंगे।

नवनियुक्त पदाधिकारी श्री अरुण कुमार पटेल ने अपने वक्तव्य में कहा कि यह जिम्मेदारी उनके लिए गर्व और उत्तरदायित्व दोनों है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि वे पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाएंगे तथा जनपद बलिया को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे। उन्होंने आम जनता से अपील की कि किसी भी विभाग में अनियमितता या भ्रष्टाचार की जानकारी निडर होकर साझा करें, ताकि उचित स्तर पर कार्रवाई सुनिश्चित हो सके।

पूर्व प्रेम विवाद में गोविन्द रावल की हत्या, चाकू और अवैध हथियार बरामद

योगेंद्र कुमार

उत्तर प्रदेश: सोशल मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस, पम्पलेट व सीसीटीवी फुटेज के अवलोकन आदि के माध्यम से प्रयास करने के उपरान्त शव की शिनाख्त गोविन्द रावल उर्फ भूरा पुत्र भूदेव निवासी ग्राम घोडी बछेडा, थाना दादरी, गौतमबुद्धनगर के रूप में हुई।

उक्त सम्बन्ध में वादी द्वारा दी गयी तहरीर के आधार पर अज्ञात अभियुक्त द्वारा वादी के भाई गोविन्द रावल उर्फ भूरा की हत्या कर देने के सम्बन्ध में मु0अ0सं0 0071/2026 धारा 103(1)/238 बीएनएस पंजीकृत कराया गया। उक्त घटना के अनावरण हेतु तत्काल 04 पुलिस टीमों का गठन किया गया। आज दिनांक 19-02-2026 को थाना दादरी पुलिस द्वारा हत्या की घटना का सफल अनावरण करते हुए 02 अभियुक्त 1-रोहित रावल पुत्र शैलेन्द्र उर्फ शीलेन्द्र रावल 2-नफीस पुत्र रफीक (घायल अवस्था में) को पुलिस मुठभेड़ के दौरान कोट नहर से ग्राम चक्रसेनपुर वाले रास्ते से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तों के कब्जे से हत्या की घटना में प्रयुक्त 01 बाका (आलाकत्ल), 01 अवैध देशी तंमचा .315 बोर मय 01 जिन्दा व 01 खोखा कारतूस व 01 मोटरसाइकिल बरामद की गई। थाना दादरी पुलिस टीम द्वारा घटना से संबंधित अभियुक्त 3-धर्मन्द्र पुत्र सुरेन्द्र रावल व अभियुक्ता 4-प्रीति देवी पत्नी गोविन्द रावल उर्फ भूरा को म्यू-2 से गिरफ्तार किया गया है।

पूछताछ का विवरण

पूछताछ के दौरान अभियुक्त रोहित द्वारा बताया गया कि गोविन्द रावल(मृतक) उसके ही गांव का रहने वाला था, वह अपनी पत्नी प्रीति देवी के साथ दारु पीकर मार-पीट करता था। लगभग दो वर्ष पूर्व अभियुक्त रोहित के प्रीति के साथ अवैध सम्बन्ध हो गये थे। कुछ दिन पूर्व प्रीति व रोहित ने मिलकर गोविन्द को रास्ते से हटाने की ठान ली। दिनांक 12.02.2026 को रोहित, गोविन्द को उसके घर से बुलाकर अपने मित्र धर्मेन्द्र की मोटरसाइकिल पर बैठाकर दादरी ले आया। पूर्व योजना के तहत अभियुक्त रोहित द्वारा अपने दोस्त नफीस पुत्र रफीक को चाकू लेकर जीटी रोड़ चिटहैरा पैट्रोल पम्प के पास शराब के ठेके पर बुलाया। वहां से शराब खरीदकर रोहित, नफीस व गोविन्द रावल(मृतक) द्वारा खाली पड़े प्लाट में बैठकर शराब पी गयी। जब गोविन्द शराब के नशे में धुत हो गया तो रोहित द्वारा गोविन्द के हाथ पकड़ लिये गये और नफीस द्वारा बांका से हमला करके गोविन्द को मौके पर ही मार दिया गया व शव को वही बाउन्ड्री के किनारे डाल दिया गया। घटना के बाद नफीस और रोहित अपने-अपने घर चले गये थे तथा दिनांक 15.02.26 को रोहित द्वारा अपने दोस्त धर्मेन्द्र के साथ पुनः घटनास्थल पहुँचकर डेडबॉडी को वहाँ से उठाकर छिपाने के उद्देश्य से थोडी दूर पास में ही छिपा दिया गया।

एक नजर

मायावती का संदेश लेकर बसपा कार्यकर्ता पहुंचे गांव, ग्रामीणों ने किया स्वागत

अनिल/हरियाणा: बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय बहन कुमारी मायावती जी का संदेश लेकर बहुजन समाज पार्टी के कार्यकर्ता गांव अरूनैचा व गढ़ी गुमथला पहुंचे। कार्यकताओं ने गांववासियों को पार्टी की नीतियों एवं विचारधारा से अवगत करवाते हुए पार्टी के साथ जुड़ने का आह्वान किया। ग्रामवासियों ने बहुजन समाज पार्टी के कार्यकताओं का गर्मजोशी से स्वागत किया तथा आश्वासन दिया कि वे पार्टी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलेंगे और संगठन को मजबूत करने में अपना पूरा सहयोग देंगे। इस अवसर पर जिला प्रभारी श्री महेंद्र पाल (लाडवा), हल्का प्रभारी पेहवा श्री गुरनाम सिंह, हल्का प्रभारी पेहवा श्री तीरथ मेहरा, हल्का प्रभारी लाडवा श्री राजकुमार ठेकेदार (उमरी), हल्का महासचिव श्री राजू मांगना (पेहवा) व अन्य सम्मानित साथी उपस्थित रहे।

जिला कलक्टर श्वेता चौहान ने मुंजासर में रात्रि चौपाल कर सुनी ग्रामीणों की समस्याएँ

महेश कुमार पुरोहित/राजस्थान: फलौदी जिला कलक्टर श्वेता चौहान ने शुक्रवार रात ग्राम पंचायत मुंजासर में रात्रि चौपाल का आयोजन कर आमजन की समस्याएँ सुनीं। चौपाल के दौरान ग्रामीणों ने बिजली, पानी, सड़क मरम्मत, ट्यूबवेल सुधार जैसे विभिन्न मुद्दों से संबंधित परिवेदनाएँ प्रस्तुत कीं।जिला कलक्टर ने सभी शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को शीघ्र समाधान के निर्देश दिए और कहा कि ग्रामीणों की समस्याओं के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही सहन नहीं की जाएगी।उन्होंने उपस्थित अधिकारियों से क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों एवं शासकीय सेवाओं की स्थिति की जानकारी ली। इस अवसर पर उपखंड अधिकारी पूनम चंद सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

सेपऊ रोड पर नाले में गिरी गाय, चंद्रशेखर शर्मा ने बचाई जान

अभिषेक/राजस्थान: खुल पड़े नालों की वजह से आए दिन हादसों का शिकार हो रही है। गाय यह हादसा सेपऊ रोड का है। करीब रात्रि 10 बजे का है । गाय नाले में गिरने से गंभीर रूप से घायल हो गई कुछ लोगों की मदद से गाय को बाहर निकला, जिसके बाद गौ सेवक चंद्रशेखर शर्मा जी के द्वारा इलाज कर गाय को बचाने का प्रयास किया गया। इस नेक काम के लिए सभी लोगों ने चंद्रशेखर जी का धन्यवाद व्यक्त किया।

स्वनेत्र हॉस्पिटल ने किया निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर आयोजित , सैकड़ों लोगों को मिला लाभ

गोपाल सोनी/राजस्थान: जयपुर जल महल स्वनेत्र चिकित्सा हॉस्पिटल की तरफ से नेत्र चिकित्सा एवं लैंप प्रत्यारोपण का निशुल्क आयोजन किया गया। इस आयोजन का लाभ लेने के लिए दूर-दूर से काफी संख्या में लोगों का आना-जाना लग रहा। आंखों की समस्या से पीड़ित व्यक्तियों को लाने ले जाने के लिए स्वनेत्र आई हॉस्पिटल ने एंबुलेंस की व्यवस्था भी कर रखी थी। हॉस्पिटल के शिविर में डॉक्टर स्वाति तोमर और डॉक्टर शालिनी गुप्ता के सानिध्य में सैकड़ो लोगों को इस निशुल्क उपचार की व्यवस्था करवाई गई।

सार्वजनिक बैंक पेंशन योजना में अपडेशन पर चर्चा, वित्तीय स्थिति हुई स्थिर

कमल पाटनी

मध्य प्रदेश: सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की पेंशन योजना को लेकर देशभर में चर्चा तेज है। पेंशन अपडेशन (8088 प्वाइंट मर्जर) के मुद्दे पर यह तर्क दिया जा रहा है कि यदि पेंशन बढ़ाई गई तो पेंशन फंड पर भारी वित्तीय बोझ पड़ेगा। परंतु जब हम उपलब्ध आंकड़ों और संरचनात्मक तथ्यों का विश्लेषण करते हैं, तो तस्वीर कुछ अलग दिखाई देती है। वर्तमान में सार्वजनिक क्षेत्र बैंकों का पेंशन कोष लगभग 4,28,000 करोड़ का है। इस पर औसतन 7% ब्याज दर से लगभग 30,000 करोड़ वार्षिक आय होती है। दूसरी ओर, वर्तमान वार्षिक पेंशन भुगतान लगभग ?27,600 करोड़ है। अर्थात अभी भी फंड में वार्षिक अधिशेष मौजूद है। यदि अपडेशन लागू होता है तो अनुमानित वार्षिक भुगतान लगभग 34,200 करोड़ तक जा सकता है। पहली दृष्टि में यह ब्याज आय से अधिक प्रतीत होता है, परंतु यहाँ दो महत्वपूर्ण तथ्य अक्सर अनदेखे रह जाते हैं।

बैंक हर वर्ष एक्चुरियल अंशदान (Actuarial Contribution) भी जमा करते हैं। यह योजना 2010 के बाद 'क्लोज्ड स्कीम' है – कोई नया सदस्य नहीं जुड़ सकता। घटती देनदारी का मॉडल। यह पेंशन योजना बढ़ती हुई देनदारी नहीं है। लाभार्थियों की संख्या हर वर्ष 3-4% कम हो रही है। जैसे-जैसे पेंशनर आयु के अंतिम चरण में पहुँचते हैं, अनेक मामलों में 30% फैमिली पेंशन लागू होती है, जिससे कुल मासिक भार स्वतः कम हो जाता है। सरल शब्दों में कहें तो यह "Declining Liability Model" है – समय के साथ इसका दायित्व स्वाभाविक रूप से घटता जाएगा। 25झ30 वर्षों के बाद यह योजना लगभग समाप्ति की ओर होगी। फंड में आय और योगदान बंद हो चुका होता

परंतु यहाँ स्थिति उलट है। फंड बड़ा है, ब्याज आय निरंतर है, बैंक अंशदान करते हैं, और लाभार्थी संख्या घट रही है। वास्तविक प्रश्न वित्तीय नहीं, बल्कि न्याय का है। 2008 में सेवानिवृत्त कर्मचारी और 2024 में सेवानिवृत्त कर्मचारी के बीच पेंशन में भारी अंतर है, जबकि सेवा और दायित्व समान रहे हैं। माननीय Supreme Court of India ने भी वर्ष-वार तुलनात्मक विवरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है, जो इस असमानता को स्पष्ट करेगा।

क्या पेंशन फंड को बजट में समाहित किया जा सकता है। आज अधिकांश सरकारी पेंशन सीधे केंद्र या राज्य बजट से दी जाती है। कुछ ही विभाग ट्रस्ट आधारित फंड मॉडल पर चल रहे हैं। यदि भविष्य में आवश्यक समझा जाए, तो केंद्र सरकार अंतिम गारंटी मॉडल या आंशिक बजटीय समावेशन पर विचार कर सकती है। परंतु वर्तमान आंकड़े यह संकेत नहीं देते कि तत्काल किसी आपात हस्तक्षेप की आवश्यकता है।

वैवाहिक विवाद में युवक ने की आत्महत्या, क्षेत्र में शोक

अरुण कुमार

उत्तर प्रदेश: घाटमपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव गोपालपुर घाटमपुर जनपद कानपुर नगर उत्तर प्रदेश में एक युवक द्वारा आत्महत्या किए जाने की घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना दिनांक 19-02-2026 की बताई जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अमित कुमार सचान पुत्र स्व. कल्याण सचान का अपनी पत्नी दीपाली उत्तम से वैवाहिक विवाद चल रहा था।

बताया जा रहा है कि दोनों के बीच कुछ समय से पारिवारिक मतभेद बने हुए थे। इसी तनाव के चलते अमित कुमार सचान ने आत्मघाती कदम उठा लिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है तथा परिजनों व संबंधित लोगों से पूछताछ की जा रही है। घटना के बाद से परिवार में कोहराम मचा हुआ है और गांव में शोक का माहौल है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच के बाद ही आत्महत्या के वास्तविक कारणों का स्पष्ट रूप से खुलासा हो सकेगा।

पति ने पत्नी की हत्या कर खेत में दफनाया शव, आरोपी गिरफ्तार

मुकेश सिंह

उत्तर प्रदेश: कासगंज थाना सिकंदरपुर वैश्य पुलिस ने एक गंभीर हत्या के मामले का खुलासा करते हुए आरोपी पति रवेन्द्र कुमार (ग्राम गंगपुर) को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक, रवेन्द्र ने अपनी पत्नी प्रियंका की हत्या कर उसे खेत में दफनाया था। दिनांक 18 फरवरी 2026 को वादिया श्रीमती सोमवती, निवासी ग्राम जिजपुरा, थाना कायमगंज ने पुलिस को सूचना दी कि उनकी पुत्री प्रियंका की शादी 14 दिसंबर 2024 को रवेन्द्र कुमार के साथ हुई थी। शादी के बाद प्रियंका को ससुराल से दहेज के लिए उत्पीड़ित किया जा रहा था। दिनांक 14 अप्रैल 2025 को प्रियंका और रवेन्द्र काम के सिलसिले में बाहर गए थे, लेकिन काफी समय तक उनसे कोई संपर्क नहीं हुआ। परिवार द्वारा कई प्रयासों के बावजूद प्रियंका का कोई पता नहीं चला। परिवार को संदेह हुआ कि प्रियंका के साथ कोई अप्रिय घटना हुई है। इस सूचना पर थाना सिकंदरपुर वैश्य में मुअसं-26/26 दर्ज किया गया। बता दे कि पुलिस अधीक्षक कासगंज सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन और अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार के पर्यवेक्षण में, क्षेत्राधिकारी पटियाली संदीप वर्मा के नेतृत्व में थाना सिकंदरपुर वैश्य पुलिस ने 18 फरवरी 2026 को आरोपी रवेन्द्र कुमार को गंगपुर से सनौड़ी जाते समय गिरफ्तार किया।

पूछताछ और आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने खेत में प्रियंका का शव बरामद किया। साथ ही आरोपी के घर के कमरे के टांड से एक आलाकत्ल कुल्हाड़ी भी बरामद हुई। 1. करीब एक साल पहले आरोपी और प्रियंका के बीच किसी पुराने मित्र से फोन पर बात को लेकर झगड़ा हुआ। 2. विवाद बढ़ने पर रवेन्द्र ने कुल्हाड़ी से अपनी पत्नी की हत्या कर दी। 3. शव को आरोपी ने अपने भाई राजेश और पिता की मदद से खेत में दफनाया। 4. अगले दिन रवेन्द्र घर से फरार हो गया, और उसके भाई ने ससुरालियों को बताया कि दोनों घर से चले गए हैं। 5. पुलिस की खुदाई में प्रियंका का शव सड़ी-गली अवस्था में मिला। 6. आरोपी की निशानदेही पर कुल्हाड़ी भी बरामद की गई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 80, 103(1) बीएनएस में मुकदमा दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

बीएचईएल यूनियनों का केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ हुआ विरोध प्रदर्शन

हरीश उपाध्याय

उत्तराखंडः केंद्र सरकार की श्रमिक विरोधी नीतियों का विरोध करने के लिये बीएचईएल हरिद्वार की केंद्रीय यूनियंस ने विशाल विरोध प्रदर्शन कर माननीय राष्ट्रपति महोदया को श्रीमान सिटी मजिस्ट्रेट के माध्य से ज्ञापन भेजा गया। फॉउंड्री गेट , बीएचईएल पर " विशाल विरोध प्रदर्शन " में जनसभा का संचालन बीएमकेपी , उपाध्यक्ष प्रशान्त दीप गुप्ता ने किया एवं अध्यक्षता एटक के संरक्षक श्री एम.एस.त्यागी ने की सभा को संबोधित करते हुए इंटक के महामंत्री श्री राजबीर सिंह ने कहा कि आज 12 फरवरी को देश की प्रमुख केंद्रीय ट्रेड यूनियंस इंटक , एटक , एचएमएस , सीटू , अन्य केंद्रीय श्रम संगठनों और भेल की स्थानीय यूनियन हेमू ने एकत्र होकर केंद्र सरकार द्वारा दिनांक 21 नवम्बर 2026 को 29 प्रमुख श्रम कानूनों के स्थान पर श्रमिक विरोधी चार श्रम संहिता को एकतरफा लागू

किये जाने, सार्वजनिक उपक्रमों की विनिवेशीकरण की नीति का विरोध एवं अन्य श्रमिक विरोधी नीतियों का विरोध 12 फरवरी 2026 को पूरे भारतवर्ष के श्रमिकों द्वारा एक दिवसीय हड़ताल एवं विरोध प्रदर्शन द्वारा किया जा रहा है । बीएचईएल , हरिद्वार की सभी केंद्रीय ट्रेड यूनियंस द्वारा फॉउंड्री गेट पर एकत्र होकर केन्द्र सरकार का जबरदस्त विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है । हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा बीएचईएल के पाँच प्रतिशत शेयर को बेचे जाने से श्रमिकों में भारी रोष वयाप्त है। जिसका हम पुरजोर विरोध करते हैं । एचएमएस के प्रेमचंद सिमरा ने कहा कि श्रीमान नगर मजिस्ट्रेट के कार्यालय हरिद्वार पहुँचकर माननीय राष्ट्रपति महोदया,भारत सरकार को ज्ञापन प्रेषित किया जायेगा हमारी माँग है कि मोटर वाहन अधिनियम 2023 को तत्काल प्रभाव से रद्द किया जाए , न्यूनतम वेतन ?26,000/- प्रतिमाह घोषित किया जाए तथा न्यूनतम वेतन बोर्ड है उत्तराखण्ड, कर्मचारी भविष्य निधि बोर्ड एवं ई.एस.आई. बोर्ड में केन्द्रीय ट्रेड यूनियनों इंटक, एटक एवं सीटू के प्रतिनिधियों को शामिल किया जाए। उन्होंने कहा कि बैंक, बीमा, रक्षा, डाक, रेलवे सहित अन्य सार्वजनिक उपक्रमों के निगमिकीकरण/निजीकरण पर रोक लगाई जाए। आयुध निर्माणियों को पूर्व की भांति पूर्णतः सरकारी नियंत्रण में लाया जाए तथा बीमा क्षेत्र में 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफ.डी.आई.) को निरस्त किया जाए।

किसानों के हित में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एम.एस.पी.) पर कानून बनाया जाए, केन्द्र एवं राज्य सरकार के संस्थानों में कार्यरत संविदा एवं ठेका श्रमिकों को नियमित किया जाए तथा ह्लसमान कार्य के लिए समान वेतनह्व का सिद्धांत लागू किया जाए, नई पेंशन योजना को समाप्त कर पुरानी पेंशन योजना को बहाल किया जाए , केन्द्र एवं राज्य सरकार के संस्थानों में कार्यरत संविदा एवं ठेका श्रमिकों को नियमित किया जाए तथा ह्लसमान कार्य के लिए समान वेतनह्व का सिद्धांत लागू किया जाए। सभा में मुकुल राज , प्रशान्त दीप गुप्ता , रविंद्र कुमार , अश्वनी चौहान , मोहम्मद इम्तियाज, विपिन केसला, संजय शर्मा, तेजवीर सिंह, संदीप चौहान, अमित सिंह, सुभाष त्यागी, प्रेमचंद सिमरा , मनीष सिंह , नरेश नेगी , नईम खान , परमाल सिंह, अजीत कुमार , अमृत रंजन, रजनीश कुमार, विरेंद्र सिंह , मोहित शर्मा ,अरूण नायक , अर्जुन कुमार सहित सैकड़ो कर्मचारी गण शामिल रहे।

8,033 परीक्षा केंद्रों में कड़ी निगरानी, विद्यार्थियों को दी शुभकामनाएं

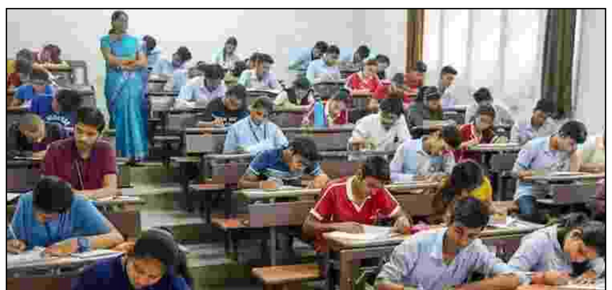

सूरज मौर्य

उत्तर प्रदेशः प्रदेशभर में परीक्षा के लिए 8,033 केंद्र बनाए गए हैं। प्रत्येक केंद्र पर स्टेटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है और लगभग 3,600 उउळश कैमरों के जरिए निगरानी की व्यवस्था की गई है, ताकि परीक्षा नकलविहीन और पारदर्शी तरीके से संपन्न हो सके। योगी आदित्यनाथ और गुलाब देवी ने परीक्षार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए मेहनत, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच के साथ परीक्षा देने की अपील की है। सभी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं।

संपत्ति कर वसूली अभियान, 70 से अधिक संपत्तियां सील, बकाया 4 करोड़ रुपये पर सख्त कार्रवाई

राजपूत रणजीत

गुजरातः मेहसाना नगर निगम क्षेत्र में संपत्ति कर की बकाया राशि की वसूली के लिए प्रशासन द्वारा एक सख्त अभियान शुरू किया गया है। अब तक मेहसाना शहर में 70 से अधिक संपत्तियों को सील किया जा चुका है और आने वाले दिनों में और भी सख्त कार्रवाई की धमकी दी गई है।

मेहसाना नगर निगम ने 22 करोड़ रुपये की मांग के मुकाबले 18 करोड़ रुपये सफलतापूर्वक वसूल कर लिए हैं। यानी, लगभग 80% राशि प्रशासन के खजाने में जमा हो चुकी है। हालांकि, 4 करोड़ रुपये की एक बड़ी राशि अभी भी बकाया है। न केवल चालू वर्ष का, बल्कि कई करदाताओं का पिछले कई वर्षों का कर भी अभी तक बकाया है। प्रशासन ने ऐसे 'दस्तावेजों' (बकाया) की सूची तैयार कर ली है। बार-बार निर्देश देने के बावजूद कर का भुगतान न करने वालों के खिलाफ अब सीधी कार्रवाई की जा रही है। अधिकारियों ने स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी है कि जिन दुकानों या व्यावसायिक संपत्तियों पर कर बकाया है, उन्हें तत्काल प्रभाव से सील कर दिया जाएगा। डिफॉल्टरों के पानी और सीवरेज कनेक्शन काटने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। जिन करदाताओं को नोटिस जारी किए गए हैं, यदि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर कर का भुगतान नहीं करते हैं तो उनके खिलाफ बिना किसी दया के कानूनी कार्रवाई की जाएगी। निगम ने शहर के नागरिकों से अपील की है कि वे शहर के विकास कार्यों में भाग लेने और कानूनी जटिलताओं से बचने के लिए अपने बकाया करें।

मेहसाना में पशु अत्याचार बढ़ने पर सख्त कार्रवाई की मांग की गई

राजपूत रणजीत

गुजरातः पिछले कुछ वर्षों में मेहसाना जिले में निर्दोष जानवरों और गायों पर अत्याचार की घटनाओं में चिंताजनक वृद्धि हुई है। शहर के विभिन्न पशु कल्याण संगठनों और गैर सरकारी संगठनों ने कलेक्टर को पत्र लिखकर इस संबंध में तत्काल कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

गायों का वध जिले में प्रतिदिन बड़ी संख्या में मादा गायों का वध किया जा रहा है। कुत्तों को जहर देना और उन पर अत्याचार करनाः शहरी क्षेत्रों में कुत्तों को जहर देकर मारने या बोरियों में भरकर फेंकने की घटनाएं सामने आई हैं। विशेष रूप से, एबीसी (पशु जन्म नियंत्रण) नियमों के अनुसार नसबंदी कराकर वापस छोड़े गए कुत्तों को भी निवासियों द्वारा निशाना बनाया जा रहा है। सोसाइटी के दो लोगों ने आवारा कुत्तों को पकड़ा और उन्हें कहीं और छोड़ दिया। यह बात सामने आई है कि इस मामले की जानकारी लेने वाली महिला जीवदया प्रेमी को भी धमकी दी गई थी।

पशु अधिकार कार्यकताओं का मुख्य आरोप यह है कि पुलिस व्यवस्था इन गंभीर मामलों में केवल आवेदन स्वीकार करती है, दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करके उचित कार्रवाई नहीं करती। सबूत और रिकॉर्ड होने के बावजूद, व्यवस्था की ढुलमुल नीति अत्याचारों को बढ़ावा दे रही है। इसके अलावा, पशुओं को चारा खिलाने वाले कुत्ते पालने वालों और गायों की रक्षा करने वालों को भी मानसिक यातना और धमकियों का सामना करना पड़ता है।उड़ान चैरिटेबल ट्रस्ट, एनिमल हेल्पलाइन मेहसाना और परशुराम गौरक्षक जैसे कई संगठनों ने धमकी दी है कि यदि निर्दोष जीवों पर अत्याचार करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं की गई, तो सभी पशु प्रेमी गांधी जी द्वारा सुझाए गए तरीके से विरोध प्रदर्शन करेंगे।

'प्रशासन आपके द्वार' सफल, डीएम ने मुखिया की करी सराहना

दिलीप कुमार

बिहारः नौतन प्रखंड के बैकुठवा पंचायत के हरदिया मन में प्रशासन आपके द्वार कार्यक्रम की सफलता पर डीएम तरनजोत सिंह ने मुखिया अफरोज नय्यर की सराहना की। इस कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों के स्टाल लगाकर लोगों की समस्याओं को सुनकर त्वरित समाधान किया गया। जिसमें बैकुठवा पंचायत के सैकड़ों लोगों को लाभ मिला। एवं अन्य लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए जिला अधिकारी ने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। मुखिया अफरोज नय्यर ने बताया कि कार्यक्रम के बाद डीएम ने उनकी सराहना की।और पंचायत में विकास की गति में रफ्तार दिलाने का आश्वासन दिया। मुखिया अफरोज नय्यर ने जिला अधिकारी तरनजोत सिंह को धन्यवाद व आभार जताया है।

बेटा ही निकला अपने पिता का हत्यारा, गिरफ्तार

फरुर्खाबाद, एजेंसी। थाना जहांनगंज क्षेत्र में 6 दिन पूर्व हुई हत्या में बेटा ही पिता का हत्यारा निकला। पुलिस ने उसे अपने पिता की हत्या के जुर्म में गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया है। अपर पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार ने बताया कि थाना जहानगंज के ग्राम बेहटा निवासी नेकसे की 13 फरवरी को खेत में आलू खोदते समय हत्या कर दी गई थी। इस मामले में बेटे अमन कुमार ने ही अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई थी। थाना पुलिस ने जाँच की बाद मृतक सुनील उर्फ नेक्से के पुत्र अमन कुमार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने अमन कुमार की निशादेही पर हत्या में प्रयुक्त किया गया एक डण्डा काली नदी के किनारे जंगल से बरामद किया है। पूंछताछ करने पर अमन ने पुलिस को बताया कि मेरे पिता सुनील कुमार मुझसे व मेरी माता से अलग मेरे चाचा अनिल कुमार के साथ रहते थे। वही खाते थे और उन्ही की खेती करते थे, जो पैदा होता था, वह सब चाचा को देते थे। मुझे शक था कि मेरे पापा मेरे हिस्से की जमीन मेरे चाचा व मेरे चचेरे भाई को लिख देंगे। मेरी माता व मेरे नाम कुछ नही करेगे। मेरी शादी के लिये मुझे देखने लोग आये थे, उन लोगों से भी मेरे पिता ने कह दिया था कि इस लड़के से मेरा कोई सम्बन्ध नही है। 13 फरवरी को मैं अपनी मोटर साइकिल से पापा के जाने से पहले खेत पर पहुंच गया था।

नंदसन पुलिस ने काडी फैमिली कोर्ट के वारंटी आरोपी को किया गिरफ्तार

राजपूत रणजीत

गुजरातः काडी तालुका के नंदसन पुलिस स्टेशन की टीम ने प्रभावी ढंग से काम करते हुए काडी परिवार न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश के दंडाज्ञा के एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस महानिरीक्षक वीरेंद्रसिंह यादव (गांधीनगर डिवीजन), पुलिस अधीक्षक हिमांशु सोलंकी और पुलिस उपाधीक्षक हार्दिक प्रजापति ने संपत्ति और व्यक्तिगत अपराधों का पता लगाने और फरार आरोपी को पकड़ने के लिए विशेष निर्देश दिए थे। इसी निर्देश के आधार पर,

नंदसन पुलिस स्टेशन के पी.आई.आर.जे. धाडुक के मार्गदर्शन में पुलिसकर्मी इलाके में गश्त कर रहे थे।

19/02/2026 को नंदसन पुलिस बल गश्त पर था, उसी दौरान सहायक कांस्टेबल राजेंद्रसिंह किरवतसिंह को राजपुर पटिया के पास एक गुप्त सूचना मिली। सूचना के अनुसार, काडी के प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय के कृ. 5.ए. संख्या 61/25 के सजा वारंट में आरोपी मालेक राजुमियां गजर्मियां राजपुर गांव में मौजूद है।

उसका निवास स्थान मातृधाम पीटीसी, कॉलेज के बगल में, राजपुर (टी. काडी, जी. मेहसाना) पाया गया। इसी जानकारी के आधार पर नंदसन पुलिस मौके पर पहुंची और जांच की तो आरोपी मालेक राजुमियां गजर्मियां वहां मौजूद मिला, जिसे पुलिस ने तुरंत गिरफ्तार कर लिया।

कान्हा उपवन गौशाला का गोमय गुलाल पीएम सहित देशभर की हस्तियों को भेजा जाएगा

घनश्याम दास

उत्तर प्रदेशः सहारनपुर होली के पावन पर्व को सतरंगी और सुरक्षित बनाने के लिए नगर निगम द्वारा संचालित कान्हा उपवन गौशाला ने इस वर्ष पांच रंगों में गोमय गुलाल तैयार किया है। गाय के गोबर से तैयार यह गुलाल इस वर्ष भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित देश की अनेक हस्तियों को भेजा जायेगा। महापौर डॉक्टर अजय कुमार ने बताया कि माँ शाकुंभरी कान्हा उपवन गौशाला प्रदेश की पहली ऐसी कान्हा गौशाला है जो गोमय गुलाल का व्यावसायिक उत्पादन कर रही है। उन्होंने बताया कि हमारा उद्देश्य श्रद्धा के साथ स्वच्छता और पर्यावरण को जोड़ना

तथा गौशाला को आत्म निर्भर बनाना है। उन्होंने बताया कि नगर निगम की ओर से यह गोमय गुलाल इस वर्ष भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन, प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राज्यपाल आनंदी बेन पटेल के अलावा हरियाणा, बिहार, दिल्ली और मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्रियों व अनेक केंद्रीय मंत्रियों को भेजा जायेगा। नगरायुक्त शिपू गिरि ने भी सभी शहर वासियों से अपील की है कि वे होली के पर्व को हर्षोल्लास से मनाने तथा सुरक्षित और सतरंगी बनाने के लिए इस ह्नगोमय गुलालह्न का उपयोग करते हुए नगर निगम द्वारा संचालित गौशाला की अनूठी पहल का हिस्सा बनें और अपनी खुशियों को दोगुना करें।

गौशाला प्रभारी व निगम के पशु चिकित्सा कल्याण अधिकारी डॉक्टर संदीप मिश्रा ने बताया कि गोबर से निर्मित इस गुलाल की शहर के अलावा बड़ी मात्रा में ऑन लाइन डिमांड को देखते हुए गौशाला में बडे. पैमाने पर गुलाल तैयार किया जा रहा है। यह गुलाल मुख्य रूप से पाँच रंगों-भगवा, पीला, गुलाबी, हरा तथा लाल रंगों में तैयार किया गया है। उन्होंने बताया कि गोमय गुलाल पूर्णतः केमिकल मुक्त और प्राकृतिक तत्वों से निर्मित होने के कारण त्वचा और आंखों के लिए सुरक्षित है तथा पूरी तरह से बायो-डिग्रेडेबल है, यानि इससे पर्यावरण पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता। डॉक्टर मिश्रा ने बताया कि लोगों की सुविधा और मांग को देखते हुए इसे 100 ग्राम और 200 ग्राम के आकर्षक पैकेट में पैक किया गया है। इसकी उपलब्धता को सुगम बनाने के लिए नगर निगम ने दोहरे इंतजाम किए हैं। यह गुलाल नगर निगम परिसर सहित शहर के प्रमुख स्थानों तथा गौशाला आउटलेट्स पर उपलब्ध है। इसके अलावा घर बैठे मंगाने के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से भी इसकी बिक्री की जा रही है।

एक नजर

ब्रह्माकुमारीज की 90वीं वर्षगांठ पर 24 फरवरी को होगा भव्य कार्यक्रम

घनश्याम दास/उत्तर प्रदेशः सहारनपुर महानगर सहारनपुर की पावन धरा पर दिन मंगलवार 24 फरवरी को ब्रह्माकुमारीज की 90 वीं वर्षगांठ पर महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में राज्य मंत्री लोक निर्माण विभाग उत्तर प्रदेश से माननीय कुंवर बृजेश सिंह रावत मुख्य अतिथि होंगे। ब्रह्माकुमारीज की 90 वीं वर्षगांठ पर आगामी 24 फरवरी 2026 प्रातःकाल 10-30 बजे से दोपहर 1-बजे तक ग्रैंड चमन पैलेस, जैल चुंगी रोड बेरी बाग के पास सहारनपुर में धूमधाम से उपरोक्त कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जिसमें राजयोगिनी चंद्रिका दीदी डायरेक्टर ब्रह्माकुमारीज महादेव नगर अहमदाबाद तथा चेयरपर्सन आर्ट एंड कल्चर विंग व यूथ विंग (ब्रह्माकुमारीज) का जिला सहारनपुर की पावन धरती पर आगमन हो रहा है। अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका के 60 वर्षों का अध्यात्मिक अनुभव देखकर व सुनकर धर्म लाभ अर्जित करने हेतू क्षेत्रांतर्गत समस्त श्रद्धालुओं को ब्रह्माकुमारीज की ओर से हार्दिक निमंत्रण प्रेषित किया जा रहा है। सहारनपुर नगर विधायक श्री राजीव गुंबर, श्री देवेंद्र निम विधायक रामपुर मनिहारान,श्री मुकेश चौधरी विधायक नकुड़ विधानसभा, डॉक्टर श्री अजय कुमार महापौर सहारनपुर, श्री शिपू गिरि आई ए एस नगरायुक्त सहारनपुर, श्री अभिनन्दन जी आई पी एस वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहारनपुर विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल रहेंगे।

25,800 अफीम के पौधे हुए बरामद, एक आरोपी को किया गया गिरफ्तार

महेश कुमार पुरोहित/राजस्थानः फलोदी जिले में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत फलोदी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 25,800 अफीम के हरे पौधे बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। बरामद अफीम का अनुमानित बाजार मूल्य करीब 6 करोड़ रुपये बताया गया है। कुंदन कंवरिया, पुलिस अधीक्षक फलोदी ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ब्रजराजसिंह चारण एवं वृताधिकारी अचलसिंह के सुपरविजन में जिला स्पेशल टीम और पुलिस थाना फलोदी ने संयुक्त कार्रवाई की। सूचना जिला स्पेशल टीम के गंगाराम द्वारा दी गई थी। दिनांक 18 फरवरी 2025 को सरहद ढढू क्षेत्र में दबिश दी गई, जहां उमाणी नगर ढढू निवासी मंगनाराम पुत्र बलवन्ताराम विश्नोई के खेत में सरसों की फसल के बीच अवैध रूप से अफीम की खेती पाई गई। मौके से कुल 25,800 हरे पौधे जब्त किए गए। पुलिस के अनुसार प्रति पौधा औसतन 5 ग्राम उत्पादन के आधार पर लगभग 125 किलोग्राम अफीम का अनुमान है। कार्रवाई में थाना फलोदी के थानाधिकारी भंवराराम सहित पुलिस टीम मौजूद रही। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस ऐक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने आमजन से मादक पदार्थों से दूर रहने और ऐसी गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की है।

रात 10 बजे के बाद डीजे पर रोक की मांग, नागरिकों ने सौंपा ज्ञापन

महेश कुमार पुरोहित/राजस्थानः फलोंदी शहर में देर रात तक तेज ध्वनि में बज रहे डीजे और अवैध साउंड सिस्टम को लेकर लोगों में रोष बढ़ता जा रहा है। इस संबंध में स्थानीय नागरिकों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर रात्रि 10 बजे के बाद ध्वनि प्रदूषण पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। प्रार्थना-पत्र में रमेश चन्द्र व्यास सहित कई नागरिकों ने बताया कि विवाह एवं अन्य आयोजनों के दौरान बिना अनुमति उच्च क्षमता वाले डीजे देर रात तक संचालित किए जा रहे हैं। इससे आमजन की दिनचर्या प्रभावित हो रही है और रात के समय शांति भंग हो रही है। नागरिकों ने विशेष रूप से उल्लेख किया कि 12 फरवरी 2026 से शुरू हुई बोर्ड परीक्षाओं के बीच विद्यार्थियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। तेज आवाज के कारण उनकी पढ़ाई और नींद प्रभावित हो रही है, जिससे परीक्षा परिणाम पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। इसके अलावा बीमार, बुजुर्ग और छोटे बच्चों के लिए भी यह स्थिति गंभीर समस्या बनती जा रही है। शिकायतकताओं का कहना है कि इस मुद्दे को पहले भी जनसुनवाई और स्थानीय पुलिस थाना में उठाया जा चुका है, लेकिन अब तक प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। इससे नियमों की अनदेखी करने वालों के हौसले बढ़ते जा रहे हैं। ज्ञापन में यह आरोप भी लगाया गया है कि कई आयोजनों में वाहनों को बिना अनुमति ऊंचा मॉडिफाई कर उन पर डीजे सिस्टम लगाए जा रहे हैं। ऐसे वाहन जब संकरी गलियों से गुजरते हैं तो बिजली, टेलीफोन और इंटरनेट के तारों को नुकसान पहुंचने का खतरा बना रहता है, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

सम्पादकीय

असम : चुनावी खेल में संविधान तार-तार

असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वासरमा मुस्लिम विरोधी अपने बयानों के लिए अक्सर सुर्खियों में आ जाते हैं। भाजपा ने उन्हें असम में मुख्यमंत्री क्यों बनाया है और क्यों वो मोदी-शाह की आंखों के तारे बने हुए हैं, यह समझना कठिन नहीं है। हिमंता बिस्वासरमा का बस चले तो असम को वे देश का पहला हिंदू राज्य घोषित कर दें, क्योंकि बार-बार लगातार उनके बयानों में यही संदेश सामने आता है कि मुसलमानों को राज्य से बाहर किया जाए। अभी कुछ दिनों पहले हिमंता बिस्वासरमा का एक वीडियो भी काफी वायरल हुआ था, जिसमें वो मुसलमान दिख रहे लोगों पर निशाना साध रहे थे। असम की भाजपा ईकाई ने यह वीडियो जारी किया था और इसमें ऊपरी तौर पर घुसपैठियों को बाहर करने का संदेश था, लेकिन असल निशाना अल्पसंख्यक समुदाय पर ही था। और जहां तक घुसपैठियों को बाहर करने या उन पर कार्रवाई करने का सवाल है, तो यह काम भी कानून के दायरे में होना चाहिए। अगर सत्ता पर बैठा शख्स हाथ में बंदूक लेकर इंसाफ करने निकल पड़े तो फिर देश में अदालतों की जरूरत ही क्या होगी। अफसोस इस बात का है कि सुप्रीम कोर्ट की राय इस बारे में अलग है।

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को हिमंत बिस्वासरमा के खिलाफ वायरल वीडियो पर कार्रवाई की मांग वाली याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। देश के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की बेंच ने याचिकाकताओं से गुवाहाटी हाई कोर्ट जाने को कहा। कोर्ट ने यह भी कहा कि चुनावों से पहले ऐसे कई मामले सामने आते हैं। यह एक चलन बनता जा रहा है। असम में आने वाले विधानसभा चुनावों का जिक्र करते हुए कोर्ट ने कहा कि समस्या यह है कि चुनाव का एक हिस्सा उससे पहले लड़ा जाता है।

इस बात पर कोई दो राय नहीं है कि चुनावों में विरोधी पर वार करने के लिए कई बार कानूनी लड़ाइयों का सहारा लिया जाता है। बल्कि मोदी के शासनकाल में तो जांच एजेंसियों का भी खुला इस्तेमाल होने लगा है। लेकिन असम का यह मामला कल्पना से उपजा आरोप नहीं है, बल्कि हिमंता बिस्वासरमा ने जिस तरह मुसलमान को बंदूक की नोक पर रखा है, वह बेहद गंभीर मामला है, क्योंकि इसमें न केवल कानून और संवैधानिक पद की मयार्दा का मखौल उड़ाया गया है, बल्कि भारत की धर्मनिरपेक्षता के चिथड़े-चिथड़े करने की मानसिकता झलकी है।

गौरतलब है कि 8 फरवरी को कांग्रेस ने दावा किया कि असम भाजपा के एक्स हैंडल से एक वीडियो पोस्ट किया गया जिसमें असम सीएम हिमंत बिस्वासरमा मुसलमानों को गोली मारते दिख रहे हैं। कांग्रेस ने कहा कि ये वीडियो अल्पसंख्यकों की टारगेटेड पॉइंट-ब्लैंक हत्या को बढ़ावा देने जैसा है। कांग्रेस का दावा है कि वीडियो डिलीट कर दिया गया है। लेकिन कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत के एक्स हैंडल पर दिख रहे वीडियो में नजर आ रहा है कि असम मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वासरमा कथित तौर पर एक राइफल से निशाना साधते और दो लोगों पर गोली चलाते हुए दिख रहे थे। निशाने में दिख रही तस्वीर में एक ने टोपी पहनी थी और दूसरे की दाढ़ी थी। इसका कैप्शन पॉइंट-ब्लैंक शॉट था।

चीन की नई कूटनीति या पुरानी चाल?

कांतिलाल मांडोत

हाल के वर्षों में उपग्रह तस्वीरों और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों में यह संकेत मिले हैं कि चीन अपने सामरिक ढांचे को तेजी से मजबूत कर रहा है। दक्षिण-पश्चिमी प्रांतों में पहाड़ों के भीतर बने बड़े-बड़े बंकर, भूमिगत सुरंगें और अत्याधुनिक सुविधाएं इस ओर इशारा करती हैं कि बीजिंग अपनी दीर्घकालिक रणनीति पर चुपचाप काम कर रहा है। ऐसे समय में जब वह भारत के साथ रिश्तों को सामान्य बनाने और सहयोग बढ़ाने की बात करता है, यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या चीन वास्तव में भरोसेमंद साझेदार बनना चाहता है या यह उसकी रणनीतिक नीति का हिस्सा है।

इतिहास गवाह है कि भारत और चीन के संबंधों में विश्वास की कमी की जड़ें गहरी हैं। वर्ष 1962 में चीन द्वारा भारत पर किया गया हमला दोनों देशों के रिश्तों में एक स्थायी अविश्वास की दीवार खड़ी कर गया। उसके बाद से सीमा विवाद, वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तनाव और समय-समय पर होने वाली झड़पों ने यह स्पष्ट किया कि संबंधों में गर्मजोशी और जमीनी हकीकत के बीच बड़ा अंतर है। चीन ने कई बार शांति और सहयोग की बात की, लेकिन समानांतर रूप से अपनी सैन्य और सामरिक ताकत को भी बढ़ाया।

चीन की विदेश नीति को समझने के लिए उसकी दीर्घकालिक रणनीतिक सोच को देखना जरूरी है। वह तात्कालिक भावनाओं के बजाय दशकों आगे की योजना बनाकर चलता है। उसकी प्राथमिकता अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा और विस्तार है। चाहे वह दक्षिण चीन सागर हो, ताइवान का मुद्दा हो या हिमालयी सीमा हर जगह उसकी नीति शक्ति संतुलन को अपने पक्ष में झुकाने की रही है। ऐसे में यदि वह भारत के साथ रिश्ते सुधारने की पहल करता है, तो यह केवल सद्भावना का परिणाम नहीं बल्कि एक सुविचारित रणनीति भी हो सकती है।

वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में चीन कई मोर्चों पर दबाव झेल रहा है। अमेरिका और पश्चिमी देशों के साथ व्यापारिक तनाव, तकनीकी प्रतिबंध और सामरिक प्रतिस्पर्धा ने उसे नए संतुलन की तलाश में डाल दिया है। भारत एक उभरती हुई आर्थिक और सामरिक शक्ति है। एशिया में स्थिरता और आर्थिक विकास के लिए भारत के साथ टकराव चीन के हित में नहीं है। इसलिए संभव है कि वह सीमित सहयोग और नियंत्रित प्रतिस्पर्धा की नीति अपनाए, ताकि वह एक साथ कई मोर्चों पर संघर्ष से बच सके।

लेकिन यह भी उतना ही सच है कि चीन की नीतियों में पारदर्शिता का अभाव रहा है। उसकी सैन्य तैयारियों और परमाणु ढांचे के विस्तार को लेकर अक्सर बाहरी दुनिया को सीमित जानकारी ही मिलती है। यदि उपग्रह तस्वीरों में दिखाई देने वाले निर्माण सचमुच सामरिक क्षमताओं के विस्तार का संकेत हैं, तो यह भारत सहित पूरे क्षेत्र के लिए चिंता का विषय है। एक ओर संवाद और व्यापार की बातें, दूसरी ओर पहाड़ों के भीतर बनते ठिकाने यह दोहरी तस्वीर सहज भरोसा पैदा नहीं करती।

भारत के लिए सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि वह चीन के इरादों को कैसे परखे। केवल बयानों के आधार पर विश्वास करना रणनीतिक भूल हो सकती है। भारत को अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए संवाद के द्वार खुले रखने होंगे। कूटनीति में संतुलन और सैन्य तैयारी में सतर्कता दोनों समान रूप से जरूरी हैं। चीन के साथ संबंधों को पूरी तरह टकराव की दिशा में ले जाना भी समझदारी नहीं होगी, क्योंकि दोनों देश एशिया की दो बड़ी अर्थव्यवस्थाएं हैं और परस्पर निर्भरता भी बढ़ी है।

चीन की नियति को समझने के लिए यह भी देखना होगा कि वह वैश्विक शक्ति बनने की महत्वाकांक्षा रखता है। उसकी बेल्ट एंड रोड पहल, तकनीकी निवेश और वैश्विक संस्थाओं में बढ़ती भूमिका इस दिशा का संकेत देती है। ऐसे में वह भारत को प्रतिस्पर्धी भी मानता है और संभावित साझेदार भी। यदि भारत उसकी क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं के लिए चुनौती बनता है, तो प्रतिस्पर्धा तीखी हो सकती है। लेकिन यदि भारत संतुलित और आत्मविश्वासी नीति अपनाता है, तो सहयोग के अवसर भी बन सकते हैं। भरोसे का निर्माण केवल शब्दों से नहीं, बल्कि व्यवहार से होता है। सीमा पर शांति, समझौतों का पालन और पारदर्शिता ये वे कसौटियां हैं जिन पर चीन को परखा जाएगा। यदि वह सचमुच स्थिर और सकारात्मक संबंध चाहता है, तो उसे ठोस कदम उठाने होंगे। अन्यथा, इतिहास का अनुभव यही बताता है कि रणनीतिक मित्रता के पीछे छिपी चालों को समझने में देर नहीं लगती।

भारत को भावनात्मक प्रतिक्रिया के बजाय यथार्थवादी दृष्टिकोण अपनाना होगा। चीन न तो पूरी तरह भरोसेमंद मित्र है और न ही अनिवार्य शत्रु। वह एक महाशक्ति बनने की राह पर अग्रसर राष्ट्र है, जिसकी प्राथमिकता उसके अपने हित हैं। भारत के साथ उसके संबंध भी इन्हीं हितों की कसौटी पर तय होंगे। आने वाले वर्षों में यह स्पष्ट होगा कि चीन सहयोग की राह चुनता है या प्रतिस्पर्धा और दबाव की नीति पर कायम रहता है।

गला घोटिया शिक्षा का विश्वगुरु बन चुका देश

सर्वमित्रा सुरजन

> पिछले 12 सालों से देश को विश्वगुरु बनाने का जो झूठ फैलाया जा रहा था, अब उसका गुबार ऐसा फूटा है कि दुनिया भर में शर्मिंदगी का सबब बन गया है। दिल्ली में चल रहे एआई इम्पैक्ट समिट में गलगोटिया यूनिवर्सिटी के स्टॉल में चीन में बने एक रोबो डॉग को अपना बनाकर पेश किया गया, लेकिन गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने इस बात पर शायद ध्यान नहीं दिया कि जमाना सोशल मीडिया का है, जहां झूठ अगर मिनटों में फैलता है, तो उसकी पोल भी उतनी ही जल्दी खुल भी जाती है। अब बड़े बेआबरू होकर तेरे कूचे से हम निकले वाले अंदाज में गलगोटिया वालों ने एआई समिट को अलविदा तो कह दिया है, लेकिन उनके कारण या यूं कहें कि मोदी सरकार के कारण दुनिया भर में जो थू थू देश की हुई है, उसे कैसे सुधारा जाएगा, ये चिंता ईमानदार नागरिकों को हो रही है।

इस सारे प्रकरण से एक बात और जाहिर हो रही है कि सरकारी विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों को बर्बाद करने का नतीजा देश भुगत रहा है। आईआईटी, आईआईएम, एम्स और ऐसे ढेरों उच्च स्तरीय संस्थान, जो नेहरूजी के काल में शुरू हुए या उनकी सोच को आगे बढ़ाते हुए आगे खोले गए, उन सब को सहेजने की कितनी सख्त जरूरत है।

पिछले 12 सालों से देश को विश्वगुरु बनाने का जो झूठ फैलाया जा रहा था, अब उसका गुबार ऐसा फूटा है कि दुनिया भर में शर्मिंदगी का सबब बन गया है। दिल्ली में चल रहे एआई इम्पैक्ट समिट में गलगोटिया यूनिवर्सिटी के स्टॉल में चीन में बने एक रोबो डॉग को अपना बनाकर पेश किया गया, लेकिन गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने इस बात पर शायद ध्यान नहीं दिया कि जमाना सोशल मीडिया का है, जहां झूठ अगर मिनटों में फैलता है, तो उसकी पोल भी उतनी ही जल्दी खुल भी जाती है। अब बड़े बेआबरू होकर तेरे कूचे से हम निकले वाले अंदाज में गलगोटिया वालों ने एआई समिट को अलविदा तो कह दिया है, लेकिन उनके कारण या यूं कहें कि मोदी सरकार के कारण दुनिया भर में जो थू थू देश की हुई है, उसे कैसे सुधारा जाएगा, ये चिंता ईमानदार नागरिकों को हो रही है।

पाठक जानते हैं कि दिल्ली के भारत मंडपम में 16 फरवरी से 20 फरवरी तक एआई समिट चल रहा है, जिसे अब तक का इस क्षेत्र में दुनिया में सबसे बड़ा आयोजन बताया जा रहा है। दिल्ली के चौक-चौराहों पर इस समिट का प्रचार करते पोस्टर्स लगे हैं, जिनमें असल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का प्रचार हो रहा है। इस समिट के पहले दिन ही छह घंटे तक आयोजन स्थल से प्रतिभागियों को बाहर कर दिया गया क्योंकि श्रीमान मोदी पधार रहे थे और उन्हें कई एंगल्स से रील बनवानी थी, ताकि सोशल मीडिया पर प्रभाव बढ़ाया जाए। इसमें जो अराजकता और अव्यवस्था फैली, उसकी पर्याप्त चर्चा वैश्विक मीडिया में हुई, जिसकी वजह से भारत की छवि पर बट्टा लगा। लेकिन इसमें इतना काफी नहीं था कि अब बौद्धिक और रचनात्मक कंगाली दिखाते हुए गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने चीन में बने और वहीं से खरीदे हुए एक रोबो डॉग को यूनिवर्सिटी में बनाया गया बताकर पत्रकारों को दिखाया। एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें यूनिवर्सिटी की शिक्षिका साफ-साफ कह रही हैं कि ये हमारे सेंटर पर बनाया गया रोबो डॉग हैं। इसमें पत्रकार से वो ये भी कह रही हैं कि ये काफी शरारती भी है। लेकिन असली शरारत कौन कर रहा है, ये चीन के मीडिया ने जाहिर कर दिया। उसने लिख दिया कि एक भारतीय यूनिवर्सिटी हमारे यहां बने रोबो डॉग को अपना बना कर पेश कर रही है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भेद खुल गया तो यूनिवर्सिटी ने अब स्पष्ट किया है कि उन्होंने कभी यह दावा नहीं किया कि रोबो डॉग उनकी टीम ने विकसित किया है, बल्कि यह चीनी रोबोटिक्स फर्म यूनिट्री से खरीदा गया है और छात्रों के लिए लर्निंग टूल के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। जानकारी के लिए ये भी बता दूं कि चीन ने इस रोबो डॉग का नाम यूनि ट्री जी ओ 2 दिया है। जबकि गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने इसे ओरियान नाम दिया था। अब गलगोटिया वाले चाहें तो ये तर्क दे सकते हैं कि जब चीन हमारे पहाड़, नदियों और अन्य इलाकों को अपना बताकर उनका नया नामकरण करता है, तो हम भी ऐसा करके बदला ले सकते हैं। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी को भी चेहरा बचाने में मदद मिलेगी और वो गलगोटिया को राष्ट्रसेवक विश्वविद्यालय की उपाधि भी दे सकते हैं। चीन से बदला लेने का ऐसा अनूठा मौका उन्हें और कब मिलेगा।

बहरहाल, अंतरराष्ट्रीय बेइज्जती होती दिखी तो सरकार ने गलगोटिया के प्रतिनिधियों को भारत मंडपम से सामान समेटने का आदेश दे दिया। हालांकि इसका जो वीडियो सामने आया है, उसमें गलगोटिया के छात्र कह रहे हैं कि हम लंच करने जा रहे हैं, समिट से नहीं जा रहे। हालांकि उनकी शिक्षिका ने बता दिया कि विश्वविद्यालय से आधिकारिक बयान आ जाएगा। खैर इस निजी विश्वविद्यालय ने कई तरह से मोदी की सेवा की है। दो साल पहले चुनावों के वक्त कांग्रेस के घोषणापत्र के विरोध में इस विश्वविद्यालय ने अपने छात्रों को सड़क पर उतार दिया था। भला इससे ज्यादा और सेवा क्या होगी कि बच्चों से भारी भरकम फीस लेकर उन्हें भाजपा के एजेंडे का प्रचार करने में लगाया जाए।

हमें नहीं पता कि अब इस प्रकरण के बाद गलगोटिया संस्थान अपने छात्रों पर इस बात की खीझ निकालेगा या संबंधित शिक्षकों पर कोई कार्रवाई होगी। हालांकि एएनआई से चर्चा में इस संस्थान की एक शिक्षिका ने साफ कहा कि यह सब गलतफहमी और शब्दों का सही चयन न करने के कारण हुआ है। उन्होंने कहा कि हमने जो कहा, उसे शायद सामने वाले ने ठीक से नहीं समझा और अब हम पर सारा आरोप डाला जा रहा है, जो सही नहीं है। बता दूं कि गलगोटिया के रोबो डॉग को दिखाकर एनडीटीवी और दूरदर्शन ने बाकायदा रिपोर्टिंग की थी। हालांकि दूरदर्शन से अब वो वीडियो डिलीट किया जा चुका है। इस शिक्षिका का कहना है कि इस रायते के फैलने के लिए कोई एक जिम्मेदार नहीं है। यानी वो केवल विश्वविद्यालय की नहीं, मीडिया और सरकार की भी गलती बता रही हैं। अब देखना होगा कि जिन चैनलों ने गलगोटिया के रोबो बनाने की खबरें चलाई थीं और इंटरव्यू लिए थे, वो अब इस आरोप पर प्रतिक्रिया देते हैं या नहीं, क्योंकि यहां सीधे-सीधे पत्रकारों की समझ पर सवाल उठाए गए हैं कि हमने तो कुछ और बताया था लेकिन आपने कुछ और समझ लिया। साथ ही शब्दों के चयन की जो नसीहत दी गई है क्या स्वाभिमानी पत्रकार उसे सुनकर चुप रहेंगे, ये भी देखना होगा।

वैसे इस सारे प्रकरण से एक बात और जाहिर हो रही है कि सरकारी विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों को बर्बाद करने का नतीजा देश भुगत रहा है। आईआईटी, आईआईएम, एम्स और ऐसे ढेरों उच्च स्तरीय संस्थान, जो नेहरूजी के काल में शुरू हुए या उनकी सोच को आगे बढ़ाते हुए आगे खोले गए, उन सब को सहेजने की कितनी सख्त जरूरत है। इस समिट में हिस्सा लेने के लिए फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों भी आए हुए हैं। और उन्होंने कम से कम सात भारतीयों की प्रशंसा की, जो वैश्विक स्तर पर अपनी तकनीकी और प्रबंधन क्षमता का लोहा मनवा चुके हैं। इनमें सुंदर पिचाई, अरविंद कृष्णा और निकेश अरोरा ने भारतीय आयकर संस्थानों (आईआईटी) में शिक्षा प्राप्त की। सत्या नडेला ने मणिपाल प्रौद्योगिकी संस्थान में अध्ययन किया, जिसकी स्थापना इंदिरा गांधी मंत्रिमंडल में रेल, भारी उद्योग और इस्पात एवं खान मंत्री रहे टी. ए. पाई के परिवार ने की थी। शांतनु नारायण ने उस्मानिया विश्वविद्यालय में अध्ययन किया, जिसकी स्थापना 1918 में हैदराबाद के पूर्व निजाम मीर उस्मान अली खान ने की थी। लीना नायर ने वालचंद इंजीनियरिंग महाविद्यालय में अध्ययन किया, जिसकी स्थापना 1947 में हुई थी और जिसे दशकों तक कांग्रेस की निरंतर सरकारों द्वारा संचालित किया गया। मैक्रों द्वारा प्रशंसित एक और भारतीय वसंत नरसिम्हन ही केवल अकेले हैं, जिन्होंने अपनी पूरी शिक्षा विदेश में पूरी की।

हाथ कंगन को आरसी क्या, मोदी समेत भाजपा से जुड़े वो सब नेता जो सवाल उठाते हैं कि कांग्रेस के शासनकाल ने आखिर देश को क्या दिया, उनका जवाब शायद इमैनुअल मैक्रों ने दे दिया है। सवाल ये है कि आज से 20-25 साल बाद ऐसे कितने होनहारों का नाम लिया जा सकेगा, जिन्होंने मोदी सरकार द्वारा शुरू किए गए शिक्षण संस्थानों में शिक्षा हासिल की होगी। क्योंकि अभी तो जो है उसे मिटाया जा रहा है और नया कुछ बन नहीं रहा है। बीते बरसों में सरकारी स्कूल, कॉलेज, यूनिवर्सिटीज को जानबूझकर बर्बाद कर शिक्षा में निजीकरण को खूब बढ़ावा मिला। नतीजा ये हुआ कि ऊंची-ऊंची फीस लेकर बच्चों को सेवन स्टार सुविधाएं तो दी जा रही हैं, लेकिन पढ़ाई का स्तर कहां पहुंचा है, ये अब नजर आ रहा है। मोदी सरकार का अतार्किक, अवैज्ञानिक और कई मौकों पर अंधविश्वासी नजरिया पहले ही देश में वैज्ञानिक चेतना को पूरी तरह दबा चुका था। नए अनुसंधान, शोधकार्य संघ की दकियानूसी सोच के चलते खत्म हो चुके हैं। सरकारी विश्वविद्यालयों को भाजपा ने अपनी राजनैतिक महत्वाकांक्षाएं पूरा करने का अड्डा बना लिया है, जिनमें धर्मांधता और जातिगत पूर्वाग्रह से संचालित लोग ऊंचे पदों पर बैठे है। दुनिया के श्रेष्ठ शिक्षण संस्थानों में तो भारत के संस्थानों का नाम आना बंद हो ही चुका है, जो थोड़ी बहुत साख बची हुई थी, वो गलगोटिया विश्वविद्यालय के इस प्रकरण ने मिट्टी में मिला दी है।

एप्सटीन फाइल्स : यही है शक्तिशाली पुरुष भेड़ियों की हकीकत

निर्मल रानी

इनदिनों एप्सटीन फाइल्स का भूत अमेरिका से लेकर भारत तक सड़कों पर नाच रहा है। अमेरिकी कांग्रेस के कानून के अन्तर्गत और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश पर हस्ताक्षर के बाद ही अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा यह फाइल्स जारी की गई हैं। इस आदेश के तहत अमेरिकी न्याय विभाग को एपस्टीन से जुड़े सभी अनक्लासिफाइड रिकॉर्ड्स, दस्तावेज, कम्युनिकेशन्स और जांच सामग्री सार्वजनिक करने का निर्देश प्राप्त है। हालाँकि यह कानून 2025 में कांग्रेस के दोनों सदनों (हाउस और सीनेट) से लगभग सर्वसम्मति से पास हुआ था, और राष्ट्रपति ट्रंप ने 19 नवंबर 2025 को इस पर हस्ताक्षर किए थे। इसी कानून के तहत अमेरिकी न्याय विभाग ने समय-समय पर फाइल्स जारी की। परन्तु इन फाइल्स का बड़ा हिस्सा गत 30 जनवरी 2026 को जारी किया गया, जिसमें 3.5 मिलियन से ज्यादा पृष्ठ , 2,000 से अधिक वीडियो और लगभग 1,80,000 फोटो शामिल थे। एप्सटीन फाइल्स के इसी खुलासे के बाद पूरी दुनिया में हड़कंप मच गया। दुनिया के जाने माने लोगों के चेहरे से नकाब हटने लगी। इन फाइल्स के सार्वजनिक होने के बाद एप्सटीन के यौन अपराधों, ट्रैफिकिंग नेटवर्क और शक्तिशाली व्यक्तियों के साथ उनके संबंधों की गहराई उजागर हुई।

गौरतलब है कि जेफरी एप्सटीन, एक अमीर फाइनेंसर और दोषी यौन अपराधी है। इसने अनेक नाबालिग लड़कियों और युवा महिलाओं का शोषण किया, और इन फाइल्स में राजनीतिक, व्यापारिक और सामाजिक हस्तियों के कई नाम सामने आए। इन खुलासों के बाद कई प्रमुख व्यक्तियों का भविष्य व जीवन प्रभावित हुआ। कई लोगों को इस्तीफे देने पड़े तो कई के विरुद्ध जांच बिठाई गयी। आपना नाम आने पर कई लोग शर्मिंदगी से जहाँ मुंह छुपाते घूम रहे हैं यहाँ तक कि इस नेटवर्क में नाम आने के बाद कई लोग भूमिगत हो चुके हैं और मीडिया से मुंह छुपाते फिर रहे हैं। वहीं भारत में केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी जैसे विशिष्ट भी हैं जो एप्सटीन फाइल्स के खुलासे के अनुसार तो जेफरी एपस्टीन से 14 बार मिले परन्तु वे स्वयं एपस्टीन से 8 सालों में केवल 3-4 बार की मुलाकात को ही स्वीकार करते हैं। इसके बावजूद वह इस सवाल से बच नहीं पा रहे कि 13 -14 बार या 3-4 बार नहीं बल्कि यदि एक सजायाफ़्ता बदनाम यौन अपराधी से हरदीप पुरी एक बार भी मिले तो उस मुलाकात की वजह क्या थी ? जो व्यक्ति खुद स्वीकार कर चुका है कि वह कम उम्र की बच्चियों से सैक्स करने का आदी था ऐसे भेड़िया मानसिकता वाले व्यक्ति से मुलाकात क्यों की गयी ? किसके कहने पर या किसके लिये की गयी ? बहरहाल उम्मीद की जा रही है कि अभी दुनिया के और भी अनेकानेक सफेदपोश भेड़ियों के नाम सामने आएंगे और इस्तीफों की भी झड़ी लग सकती है।

दुनिया में आये दिन घटित होने वाली तमाम घटनाएं ऐसी हैं जो पितृ सत्ता या पुरुष प्रधान समाज का बार बार एहसास कराती हैं। परन्तु इस घटना में तो जेफरी एप्सटीन पर 2019 में न्यूयॉर्क में संघीय अदालत ने उसपर सेक्स ट्रैफिकिंग ऑफ माइनर्स के आरोप लगाए, जिसमें दर्जनों नाबालिग लड़कियों यहाँ तक कि 14 साल से भी कम उम्र की कुछ बच्चियों का यौन शोषण शामिल था। यह उसकी स्वीकारोक्ति थी कि उसने नाबालिग लड़कियों से यौन संबंध बनाये व अवैध काम किए। इसलिये इस विश्वव्यापी नेटवर्क से पर्दा उठने के बाद अब यह सवाल भी उठने लगा है कि दुनिया के धनाढ्य और शक्तिशाली लोगों की नजर में महिलाओं, खासकर छोटी बच्चियों का क्या स्थान है ? महिलाओं को बराबरी का दर्जा देने का ढोंग रचने वाला सफेद पोश पुरुष प्रधान समाज जो कभी महिलाओं को आधी आबादी कहकर खुश करता है तो कभी बच्चियों को कंजक व देवी के रूप में पूजता भी है उन्हीं बच्चियों को अपने पैसे व सत्ता के बल पर अपनी हवस का निशाना बनाने वाले लोग नाबालिग लड़कियों और युवा महिलाओं का शारीरिक शोषण भी करते हैं ?

निश्चित रूप से एपस्टीन फाइल्स पितृसत्ता की एक गहरी तस्वीर पेश करती हैं, जहां धनाढ्य पुरुष विश्वव्यापी नेटवर्क बनाते हैं और एक दूसरे से जानकारी साझा करते हैं और महिलाओं को परिधि पर रखते हैं। वास्तव में आधी आबादी को प्रायः सहयोगी,या यौन सुख प्रदान करने वाली के रूप में ही देखा जाता है न कि समान भागीदार के रूप में। खासकर गरीब परिवारों की छोटी बच्चियों को तो कमजोर और आसानी से नियंत्रित करने योग्य माना जाता था। एप्सटीन के नेटवर्क में शामिल कुछ पुरुषों ने कथित तौर पर इन लड़कियों को उपहार के रूप में इस्तेमाल किया, जिससे व्यापारिक या राजनीतिक लाभ मिलते थे। यह दर्शाता है कि शक्तिशाली लोगों की नजर में, महिलाएं और लड़कियां अक्सर सत्ता और प्रभाव बनाए रखने का साधन बन जाती है न कि कोई सम्मानजनक मानव। महिलाओं को केवल प्रजनन उपकरण के रूप में देखना भी पितृसत्ता की ही एक गहरी साजिश है।

इसलिये एप्सटीन फाइल्स से प्राप्त हो रहे ब्यौरों के आधार पर यह कहा जा सकता है कि एप्सटीन जैसे मामलों में जहाँ कुछ शक्तिशाली व्यक्तियों द्वारा छोटी मासूम बच्चियों को मात्र अपनी यौन संतुष्टि के लिये या अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सौदेबाजी के साधन के रूप में अथवा किसी विशिष्ट व्यक्ति को ब्लैकमेल करने की गरज से इस्तेमाल किया गया।यह एक ऐसी व्यवस्थित समस्या है जहां धन, सत्ता के बल पर और जवाबदेही की कमी से ऐसी संस्कृति पनपती है। संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों के अनुसार, यह वैश्विक अपराध नेटवर्क का हिस्सा है, जहां महिलाओं और लड़कियों का वस्तुकरण नस्लवाद और भ्रष्टाचार से जुड़ा है। हालांकि, ऋइककी जांच में ट्रैफिकिंग रिंग के लिए पर्याप्त सबूत भले ही नहीं मिले परन्तु पीड़ितों की गवाहियां बताती हैं कि यह शोषण अत्यंत व्यापक था। ये फाइल्स यह भी दिखाती है कि सत्ता के शीर्ष पर मिसोगिनी (स्त्री-द्वेष) और यौन हिंसा कैसे सामान्यीकृत हो जाती है। यह एक ऐसी विकृत पुरुष प्रधान व्यवस्था का प्रतिबिंब भी है जहां पीड़ितों को न्याय मिलना मुश्किल रहता है। एप्सटीन फाइल्स ऐसे ही शक्तिशाली पुरुष भेड़ियों की हकीकत को उजागर करती है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

जब तक अंतिम व्यक्ति सुरक्षित नहीं, अधूरा है विकास

योगेश कुमार गोयल

किसी भी समाज की सच्ची प्रगति उसकी ऊंची इमारतों या तेज आर्थिक वृद्धि से नहीं बल्कि इस बात से मापी जानी चाहिए कि वह अपने सबसे कमजोर, वंचित और हाशिए पर खड़े नागरिकों को कितना न्यायपूर्ण, सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन प्रदान करता है। 20 फरवरी को मनाया जाने वाला सामाजिक न्याय का विश्व दिवस मानव सभ्यता की उस मूल चेतना का प्रतीक है, जिसके बिना न तो शांति संभव है और न ही टिकाऊ विकास। इस दिवस की स्थापना इसलिए की गई थी ताकि गरीबी, बेरोजगारी, सामाजिक बहिष्कार, असमानता और भेदभाव जैसी जटिल वैश्विक समस्याओं के समाधान के लिए देशों के बीच साझा प्रतिबद्धता को मजबूती मिल सके। यह एक चेतावनी भी है कि बढ़ती असमानताएं समाज की नींव को भीतर से कमजोर कर रही हैं और साथ ही एक अवसर भी है कि समय रहते ठोस नीतियों, संवेदनशील शासन और सामूहिक प्रयासों से इस प्रवृत्ति को बदला जा सकता है।

वर्ष 2026 में सामाजिक न्याय का विश्व दिवस की थीम है ह्यसमावेशन को सशक्त बनानाः सामाजिक न्याय के लिए अंतर को पाटनाह्व। यह थीम स्पष्ट करती है कि असमानताओं को कम करने के लिए केवल आर्थिक विकास पर्याप्त नहीं है। जरूरी यह है कि विकास की प्रक्रिया में समाज के हर वर्ग की वास्तविक भागीदारी सुनिश्चित हो। समावेशन का अर्थ केवल योजनाओं का लाभ पहुंचाना नहीं बल्कि निर्णय-निर्माण की प्रक्रिया में उन लोगों की आवाज को स्थान देना है, जो अब तक हाशिए पर रहे हैं। जब तक नीतियां केवल केंद्रों में बनती रहेंगी और उनका प्रभाव जमीनी स्तर तक नहीं पहुंचेगा, तब तक सामाजिक न्याय एक अधूरा लक्ष्य बना रहेगा।

यह दिवस विशेष प्रासंगिकता रखता है क्योंकि आज की दुनिया एक गहरे संक्रमणकाल से गुजर रही है। वैश्वीकरण, तकनीकी प्रगति, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जलवायु परिवर्तन और भू-राजनीतिक तनावों ने आर्थिक व सामाजिक ढ़ांचों को तेजी से बदला है। इन बदलावों का लाभ जहां कुछ सीमित वर्गों तक सिमट गया है, वहीं बड़ी आबादी, विशेषकर गरीब, असंगठित क्षेत्र के श्रमिक, महिलाएं, प्रवासी, दिव्यांगजन और अल्पसंख्यक समुदाय, और अधिक असुरक्षित होती जा रही है। ऐसे समय में सामाजिक न्याय केवल नैतिक आदर्श नहीं, नीति और शासन की अनिवार्य प्राथमिकता बन चुका है।

सामाजिक न्याय की अवधारणा अवसरों, संसाधनों और अधिकारों के निष्पक्ष वितरण से जुड़ी है। इसका मतलब यह नहीं कि सभी को समान परिणाम मिलें बल्कि यह है कि सभी को समान अवसर उपलब्ध हों। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आवास और कानूनी सुरक्षा तक समान पहुंच इसके मूल स्तंभ हैं। जब किसी व्यक्ति का भविष्य उसकी जाति, लिंग, धर्म, जन्मस्थान या आर्थिक स्थिति से तय होने लगे, तब यह स्पष्ट संकेत होता है कि समाज में न्याय का संतुलन बिगड़ चुका है। आज वैश्विक स्तर पर असमानताओं की खाई लगातार चौड़ी हो रही है। एक ओर अत्यधिक संपन्न वर्ग है, जिसके पास संसाधनों और अवसरों की प्रचुरता है, वहीं दूसरी ओर करोड़ों लोग बुनियादी आवश्यकताओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। बेरोजगारी, असुरक्षित रोजगार और कम वेतन ने विशेष रूप से युवाओं के सामने गंभीर संकट खड़े कर दिए हैं। इसी संदर्भ में सम्मानजनक कार्य और मजबूत सामाजिक सुरक्षा तंत्र की आवश्यकता सामने आती है। पेंशन, स्वास्थ्य बीमा, बेरोजगारी सहायता और खाद्य सुरक्षा जैसी व्यवस्थाएं केवल कल्याणकारी योजनाएं नहीं बल्कि सामाजिक स्थिरता और भरोसे की आधारशिला हैं।

भारत में सामाजिक न्याय का विचार गहरे संवैधानिक मूल्यों से जुड़ा है। संविधान की प्रस्तावना सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय की गारंटी देती है जबकि मौलिक अधिकार और राज्य नीति के निदेशक सिद्धांत असमानताओं को कम करने और कल्याणकारी राज्य की दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। स्वतंत्रता के बाद से आरक्षण नीति, सामाजिक कल्याण योजनाएं, शिक्षा और स्वास्थ्य में सार्वजनिक निवेश तथा कौशल विकास और सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों के माध्यम से महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। बावजूद इसके, क्षेत्रीय असमानताएं, शहरी-ग्रामीण विभाजन, डिजिटल डिवाइड और लैंगिक विषमता जैसी चुनौतियां आज भी बनी हुई हैं।

सामाजिक न्याय का विश्व दिवस हमें आत्ममंथन का अवसर देता है कि क्या हमारी नीतियां अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंच रही हैं, क्या शिक्षा और रोजगार के अवसर वास्तव में समान हैं, और क्या विकास का लाभ संतुलित रूप से बंट रहा है? यह दिवस यह भी याद दिलाता है कि सामाजिक न्याय की लड़ाई किसी एक देश या सरकार की नहीं बल्कि वैश्विक सहयोग और सामूहिक प्रयास की मांग करती है। सामाजिक न्याय का विश्व दिवस 2026 इस सत्य को दोहराता है कि सच्ची प्रगति तभी संभव है, जब कोई भी पीछे न छूटे। समावेशन और सशक्तिकरण केवल शब्द नहीं बल्कि रोजमर्रा के निर्णयों, नीतियों और सामाजिक व्यवहारों में उतारने योग्य जिम्मेदारी हैं। जब हर व्यक्ति को समान गरिमा, अवसर और सुरक्षा मिलती है, तभी न्याय कागजों से निकलकर जीवन की वास्तविकता बनता है और एक अधिक मानवीय, समावेशी तथा न्यायपूर्ण विश्व का निर्माण संभव हो पाता है।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

संक्षिप्त समाचार

वेनेजुएला में तेल बिक्री एक अरब डॉलर पार, अमेरिका में ही जमा होगी राशि

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट ने पुष्टि की है कि वेनेजुएला के कच्चे तेल की बिक्री से होने वाली आमदनी अब एक अरब डॉलर से अधिक हो चुकी है और आगे से यह रकम कतर में बनाए गए अस्थायी खाते में नहीं, बल्कि सीधे अमेरिका के ट्रेजरी डिपार्टमेंट द्वारा नियंत्रित खाते में जमा की जाएगी। यह बदलाव ऐसे समय आया है, जब ट्रंप प्रशासन ने एक सैन्य कार्रवाई में पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ने के बाद वेनेजुएला की तेल बिक्री पर सीधा नियंत्रण कर लिया है। क्रिस राइट ने एक साक्षात्कार में बताया कि शुरुआत में लगभग 500 मिलियन डॉलर की तेल बिक्री की राशि कतर में खोले गए एक खाते में जमा की गई थी, जिस पर पूरे समय अमेरिकी सरकार का नियंत्रण रहा। डेमोक्रेट सांसदों ने पूरी व्यवस्था की पारदर्शिता और वैधता पर सवाल उठाए हैं। सीनेटर चक शूमर (डी-न्यूयॉर्क) और एडम शिफ (डी-कैलिफोर्निया) ने गुरुवार को ऐसा कानून पेश किया है, जिसके तहत गवर्नमेंट अकाउंटेबिलिटी ऑफिस को कतर खाते का स्वतंत्र ऑडिट करने का निर्देश दिया जाएगा। जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंस के अनुसार, शुक्रवार को प्रशांत महासागर में स्थित वानुअतु के उत्तरी तट पर 6.32 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया। भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किमी की गहराई पर था। शक्तिशाली झटकों के बावजूद, प्रशांत सुनामी चेतावनी केंद्र ने राहत की खबर दी कि इस भूकंप से सुनामी का कोई खतरा नहीं है। भूकंप के कारण किसी भी जान-माल के नुकसान की तत्काल कोई सूचना नहीं मिली है। वानुअतु रिंग ऑफ फायर क्षेत्र में स्थित है।

इंडोनेशिया में 23 फीट का दुनिया का सबसे लंबा सांप, वजन 213 पाउंड, इंसान पर हमले के मामले दुर्लभ

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया के सुलावेसी द्वीप में मिले एक विशालकाय मादा रेटिकुलेटेड पाइथन ने वन्यजीव विज्ञान की दुनिया में नया अध्याय जोड़ दिया है। इस सांप का नाम रखा गया है इबु बैरान, जिसका स्थानीय अर्थ भव्य या महारानी जैसी मादा माना जाता है। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने इसे आधिकारिक तौर पर दुनिया की अब तक सत्यापित रूप से मापा गया सबसे लंबा जंगली सांप घोषित किया है। इसकी लंबाई 23 फीट 8 इंच और वजन 213 पाउंड दर्ज किया गया है। नेशनल ज्योग्राफिक की रिपोर्ट के अनुसार इस ऐतिहासिक खोज के पीछे है खोजकर्ता और नेचुरल हिस्ट्री फोटोग्राफर राडू फ्रेंतिउ, जो पिछले दो दशकों से बाली में रह रहे हैं। बड़े सांपों से उनका पहले भी सामना होता रहा है, लेकिन इबु बैरान ने उन्हें भी स्तब्ध कर दिया। उन्होंने कहा मैंने अपने जीवन में इतना बड़ा सांप कभी नहीं देखा। यह सांप आसानी से एक बछड़े को बल्कि शायद एक वयस्क गाय को भी निगल सकता है। पूरे इंडोनेशिया में जंगल कटने और शिकार घटने से बड़े सांप इंसानी इलाकों के करीब आ रहे हैं। रेटिकुलेटेड पाइथन जहरीले नहीं होते, लेकिन उनकी ताकत उन्हें खतरनाक शिकारी बना देती है। वे मवेशियों को मार सकते हैं और दुर्लभ मामलों में इंसानों पर भी हमला कर चुके हैं। डर के चलते उन्हें अक्सर मार दिया जाता है। स्थानीय संरक्षणवादी बुडी पुरवांतो ने खबर फैलते ही इबु बैरान को बिकने या मारे जाने से बचाया और अपनी जमीन पर अस्थायी शेल्टर बनाया। फिलहाल वह वहां अन्य बचाए गए सांपों के साथ रह रही है। उसे जंगल में वापस छोड़ना जोखिम भरा माना गया, क्योंकि बड़े शिकार अब दुर्लभ हैं।

युवराज पहलवी की अपील पर म्यूनिख में जुटे 2.5 लाख लोग, ईरान पर बढ़ रहा चौतरफा दबाव

म्यूनिख, एजेंसी। जर्मनी के म्यूनिख शहर में चल रहे सुरक्षा सम्मेलन के दौरान ईरान की सरकार के खिलाफ बड़ा प्रदर्शन हुआ। पुलिस के मुताबिक, इस विरोध प्रदर्शन में करीब 2,50,000 लोग शामिल हुए। ये रैली ईरान के निर्वासित क्राउन प्रिंस रेजा पहलवी की उस अपील का नतीजा थी, जिसमें उन्होंने तेहरान पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ाने की मांग की थी। म्यूनिख की सड़कों पर प्रदर्शनकारियों ने ढोल बजाकर और सरकार बदलने के नारे लगाकर विरोध किया। यह प्रदर्शन पहलवी के 'ग्लोबल डे ऑफ एक्शन' का हिस्सा था, जिसका मकसद ईरान में हो रहे विरोध प्रदर्शनों को अंतरराष्ट्रीय समर्थन दिलाना है। ऐसी ही रैलियों की अपील लॉस एंजिल्स और टोरंटो में भी की गई थी। प्रदर्शन में लोग 1979 की क्रांति से पहले वाले ईरान के झंडे लहरा रहे थे, जिन पर शेर और सूरज के निशान बने थे। एक मीडिया वार्ता में रेजा पहलवी ने चेतावनी दी कि अगर दुनिया के लोकतांत्रिक देश ईरान में हो रहे दमन पर चुप रहे, तो वहां और भी मौतें होंगी। उन्होंने सवाल किया कि क्या इस खतरे के समय में दुनिया ईरान के लोगों के साथ खड़ी होगी? उन्होंने कहा कि अगर ईरानी सरकार टिकी रहती है, तो यह दुनिया के हर तानाशाह को संदेश देगा कि लोगों को मारकर सत्ता बचाई जा सकती है।

आरोप- पुतिन ने अपने विरोधी को एपिबैटिडीन जहर देकर मारा

इससे पहले लकवा फिर दर्दनाक मौत होती है, दक्षिण अमेरिकी मेंढक में मिलता है

मॉस्को, एजेंसी। यूरोप के पांच देशों ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर उनके विरोधी एलेक्सी नवलनी को 'एपिबैटिडीन जहर' देकर मारने का आरोप लगाया है। ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, स्वीडन और नीदरलैंड ने कहा है कि यूरोप की लैब में नवलनी के शरीर के नमूनों की जांच में एपिबैटिडीन पाया गया। ये जहर रूस में प्राकृतिक रूप से नहीं मिलता। इन देशों ने कहा कि रूस के पास यह जहर देने के साधन, मकसद और मौका तीनों थे। उन्होंने रूस के खिलाफ केमिकल वेपन्स कन्वेंशन के उल्लंघन की शिकायत करने की बात कही है। नेशनल ज्योग्राफिक के मुताबिक, ये जहर दक्षिण अमेरिका में पाए जाने वाले जहरीले डार्ट मेंढकों की त्वचा में मिलता है। यह जहर पहले शरीर को लकवाग्रस्त करता है, फिर सांस लेने में दिक्कत पैदा करता है और आखिर में दर्दनाक मौत हो सकती है।

एक डार्ट मेंढक का जहर 10 लोगों को मार सकता है : डार्ट मेंढक करीब दो इंच लंबे होते हैं, लेकिन उनके शरीर में इतना जहर होता है कि वह लगभग 10 वयस्क लोगों को मार सकता है। इन मेंढकों की त्वचा से निकाले जाने वाले जहर को एपिबैटिडीन कहा जाता है। यह एक न्यूरोटॉक्सिन है, यानी ऐसा जहर जो सीधे नर्व सिस्टम पर असर करता है। इसे एक रासायनिक हथियार के रूप में भी जाना जाता है। डार्ट मेंढक का जहर धरती के सबसे घातक जहरों में गिना जाता है। यह मॉर्फीन से लगभग 200 गुना ज्यादा ताकतवर है। इससे शरीर को लकवा मार सकता है, सांस लेने में गंभीर दिक्कत पैदा हो सकती है और दर्दनाक मौत होती है। वैसे तो एपिबैटिडीन मेंढकों में प्राकृतिक रूप से मिलता है, लेकिन इसे लैब में भी बनाया जा सकता है। यूरोपीय वैज्ञानिकों को शक है कि इस मामले में इसे लैब में तैयार किया गया था।

नवलनी आर्कटिक की जेल में सजा कर रहे थे : नवलनी की 16 फरवरी 2024 को आर्कटिक की एक जेल में मौत हो गई थी, वो यहां 19 साल की सजा काट रहे थे। वे सरकारी भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाते थे और विरोध प्रदर्शन करते थे। ब्रिटेन की विदेश मंत्री यवेट कूपर ने कहा कि रूस नवलनी को खतरे के रूप में देखता था और इस तरह का जहर इस्तेमाल कर उसने दिखाया कि वह राजनीतिक विरोध से कितना डरता है। फ्रांस के विदेश मंत्री जीन-नोएल बैरो ने कहा कि यह घटना दिखाती है कि पुतिन सत्ता में बने रहने के लिए बायोलॉजिकल हथियार तक इस्तेमाल करने को तैयार हैं। नवलनी की पत्नी यूलिया नवलनाया ने कहा कि उन्हें पहले दिन से यकीन था कि उनके पति को जहर दिया गया था और अब इसका सबूत मिल गया है। उन्होंने पुतिन को हत्यारा बताते हुए जवाबदेह ठहराने की मांग की। वहीं रूसी अधिकारियों का कहना है कि नवलनी टहलने के बाद बीमार पड़े और उनकी मौत प्राकृतिक कारणों से हुई। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने भी इन आरोपों को खारिज किया है।

नवलनी को पहले भी जेल जहर देने की कोशिश हुई थी : नवलनी पहले भी 2020 में जहर देने की कोशिश की गई थी। उस वक्त उन्हें 'नोविचोक' नाम का नर्व एजेंट दिया गया था। उन्होंने इसका आरोप क्रेमलिन पर लगाया था, लेकिन रूस ने इससे इनकार किया था। इलाज के लिए उन्हें जर्मनी ले जाया गया था। ठीक होने के बाद जब वे रूस लौटे तो उन्हें तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया और अपनी जिंदगी के आखिरी तीन साल जेल में बिताए। ब्रिटेन पहले भी रूस पर ऐसे हमलों का आरोप लगाता रहा है। 2018 में इंग्लैंड के सैलिस्बरी शहर में पूर्व रूसी एजेंट सर्गेई स्क्रिपल पर 'नोविचोक' नर्व एजेंट से हमला हुआ था। वे और उनकी बेटी गंभीर रूप से बीमार हो गए थे। एक ब्रिटिश महिला डॉन स्टर्जेस की भी मौत हो गई थी। ब्रिटेन की जांच में कहा गया था कि इस हमले को हाई लेवल से मंजूरी मिली होगी। इसी तरह 2006 में लंदन में पूर्व रूसी एजेंट अलेक्जेंडर लिट्विनेंको की रेडियोएक्टिव पदार्थ पोलोनियम-210 से मौत हुई थी।

चीन का बड़ा कदम, 53 अफ्रीकी देशों पर मई 2026 से किया जीरो टैरिफ

बीजिंग, एजेंसी। चीन ने घोषणा की है कि वह 1 मई 2026 से अपने साथ राजनयिक संबंध रखने वाले 53 अफ्रीकी देशों से होने वाले आयात पर जीरो टैरिफ लागू करेगा। सरकारी मीडिया के अनुसार यह कदम अफ्रीका के साथ व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने और महाद्वीप में अपनी वरीयतापूर्ण व्यापार व्यवस्था का विस्तार करने के मकसद से उठाया गया है। अब तक चीन 33 अफ्रीकी अल्प-विकसित देशों (एलडीसी) के 97 से 98 प्रतिशत टैरिफ लाइनों पर शुल्क-मुक्त पहुंच देता था, जिसे 2024 में सभी उत्पादों तक विस्तारित किया गया। नया फैसला लगभग पूरे अफ्रीका पर लागू होगा। केवल इस्वातिनी को इससे बाहर रखा गया है, क्योंकि उसके ताइवान के साथ राजनयिक संबंध हैं। यह कदम ऐसे समय में आया है जब अमेरिका के अफ्रीकन ग्रोथ एंड ऑपर्च्युनिटी एक्ट के नवीनीकरण को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है और यूरोपीय संघ के साथ आर्थिक साझेदारी समझौतों पर तनाव जारी है।

दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति रामाफोसा ने की थी चीन यात्रा : हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने चीन की यात्रा कर व्यापार वार्ता को आगे बढ़ाया। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका के व्यापार मंत्री पार्क्स टाउ और चीन के वाणिज्य मंत्री वांग वेंटाओ के बीच एक गैर-बाध्यकारी रूपरेखा समझौते पर हस्ताक्षर हुए। मार्च 2026 तक 'अर्ली हार्वेस्ट एग्रीमेंट' को अंतिम रूप दिए जाने की उम्मीद है, जिससे दक्षिण अफ्रीकी निर्यात को चीनी बाजार में शून्य-शुल्क पहुंच मिलेगी। जनवरी से अगस्त 2025 के बीच चीन-अफ्रीका व्यापार 15.4 प्रतिशत बढ़कर 222.05 अरब डॉलर पहुंच गया। इस दौरान चीन का अफ्रीका को निर्यात 24.7 प्रतिशत बढ़कर 140.79 अरब डॉलर रहा, जबकि अफ्रीका से आयात केवल 2.3 प्रतिशत बढ़कर 81.25 अरब डॉलर हुआ। परिणामस्वरूप 2025 के पहले आठ महीनों में अफ्रीका का व्यापार घाटा 59.55 अरब डॉलर तक पहुंच गया। अफ्रीका मुख्यतः कच्चे तेल, तांबा, कोबाल्ट और लौह अयस्क जैसे कच्चे संसाधनों का निर्यात करता है, जुलाई 2024 से जून 2025 के बीच अफ्रीका ने चीन से 15,032 मेगावाट सौर पैनल आयात किए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 60 प्रतिशत अधिक है।

अल-फाशेर में तीन दिन तक हिंसा में मारे गए 6000 से अधिक लोग, अर्धसैनिक बल ने किए अत्याचार: यूएन की रिपोर्ट

काहिरा, एजेंसी। सूडान के दारफुर क्षेत्र में एक अर्धसैनिक समूह ने अक्तूबर के अंत में तीन दिनों तक अत्यधिक हिंसा की। इसकी भयावहता और क्रूरता हैरान करने वाली थी। इस हिंसा में छह हजार से अधिक लोग मारे गए थे। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) ने यह जानकारी दी है। यूएन का कहना है कि सूडान के अल-फाशेर में रैपिड सपोर्ट फोर्सेस (आरएसएफ) के हमले में तीन दिनों में कम से कम छह हजार लोग मारे गए। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने शुक्रवार को रिपोर्ट जारी की। इस रिपोर्ट में कहा गया कि अल-फाशेर शहर पर कब्जा करने के लिए हमले में आरएसएफ बड़े पैमाने पर ऐसे अत्याचारों में शामिल था, जो युद्ध और मानवता के खिलाफ अपराधों की श्रेणी में आते हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क ने कहा, अल-फाशेर पर आखिरी हमले में आरएसएफ और उसके सहयोगी अरब मिलिशिया की ओर से किए गए मनमाने अपरा दिखाते हैं कि अपराध के लिए सजा न देने से हिंसा के निरंतर चक्र को बढ़ावा मिलता है। अपराधियों को सजा न मिलने हिंसा को मिल रहा बढ़ावा आरएसएफ और उसके सहयोगी अरब समूहों ने 26 अक्तूबर को अल-फाशेर पर कब्जा कर लिया था। इन अरब समूहों को जनजावीद कहा जाता है। अल-फाशेर दारफुर में सूडानी सेना का आखिरी किला था। 18 महीनों की घेराबंदी के बाद आरएसएफ ने शहर और आसपास के इलाकों में लूटपाट की और जमकर हिंसा फैलाई। रिपोर्ट में सामूहिक हत्या और यौन हिंसा जैसे गंभीर अपराध का जिक्र संयुक्त राष्ट्र की 29 पन्नों की रिपोर्ट में कई खौफनाक अपराधों का विवरण दिया गया। इसमें सामूहिक हत्या, तुरंत फांसी, यौन हिंसा, फिरौती के लिए अपहरण, यातना और दुर्व्यवहार, हिरासत और गुमशुदगी शामिल हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि कई मामलों में ये हमले नस्ल या समुदाय के आधार पर किए गए थे। आरएसएफ ने इस मामले में ईमेल के जरिये पूछे गए सवालों का कोई जवाब नहीं दिया।

मादुरो को पकड़ने के लिए अमेरिका ने एआई का किया था इस्तेमाल, रिपोर्ट में दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ने के लिए एआई का इस्तेमाल किया था। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अपनी रिपोर्ट में यह दावा किया है। एंथ्रॉपिक पहला एआई मॉडल डेवलपर था जो गुप्त संचालन के लिए पेंटागन में इस्तेमाल किया गया। अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ने के लिए एआई का इस्तेमाल किया था। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अपनी रिपोर्ट में यह दावा किया है। एंथ्रॉपिक पहला एआई मॉडल डेवलपर था जो गुप्त संचालन के लिए पेंटागन में इस्तेमाल किया गया। सेना द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का इस्तेमाल, एआई कंपनियों के लिए बड़ी साख बढ़ाने वाला माना जाता है। हालांकि एंथ्रॉपिक के दिशा-निर्देशों में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि हिंसा को बढ़ावा देने, हथियार विकसित करने या निगरानी करने में इसका इस्तेमाल न किया जाए। इसके बावजूद इस ऑपरेशन में उपयोग किया गया। गौरतलब है कि मादुरो और उनकी पत्नी को कराकस से गिरफ्तार किया गया था। इस ऑपरेशन कई जगहों पर बमबारी के बाद अंजाम दिया गया। एंथ्रॉपिक के प्रवक्ता ने बताया कि 'क्लॉड का कोई भी इस्तेमाल, चाहे वह निजी क्षेत्र में हो या सरकार द्वारा हो, हमारी नीतियों के अनुसार होना चाहिए। हमारी नीतियां स्पष्ट हैं कि क्लॉड का उपयोग कैसे किया जा सकता है। हम अपने साझेदारों के साथ मिलकर अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए काम करते हैं।' क्लॉड को तैनात किया गया क्योंकि पेंटागन द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरणों की डेटा कंपनी पेलान्टिर टेक्नोलॉजीज का एंथ्रॉपिक के साथ साझेदारी है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक क्लॉड के उपयोग को लेकर एंथ्रॉपिक की चिंताओं के बाद अमेरिकी अधिकारी बड़ा फैसला ले सकते हैं। एंथ्रॉपिक के बयान के बाद अमेरिकी अधिकारी 200 मिलियन डॉलर तक के अनुबंध रद्द करने पर विचार कर रहे हैं। एंथ्रॉपिक के चीफ एग्जीक्यूटिव डारिओ अमोडेई ने कहाकि एआई के इस्तेमाल में नियम-निर्देशों का सख्ती से पालन होना चाहिए। ताकि एआई से किसी तरह का नुकसान न हो। एंथ्रॉपिक कंपनी के अधिकारियों द्वारा जारी बयानों ने पेंटागन के साथ कांट्रैक्ट की राह में बाधा खड़ी कर दी है। रक्षा सचिव पीट हेगसेठ ने जनवरी में कहा था कि पेंटागन उन एआई मॉडल्स के साथ कोलैबोरेट नहीं करेगा, जो युद्ध लड़ने की अनुमति नहीं देते। रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने एंथ्रॉपिक की चर्चाओं का हवाला देते हुए यह बात कही थी।

'भारत सफल उभरती अर्थव्यवस्था', संयुक्त राष्ट्र प्रमुख बोले-AI शिखर सम्मेलन के लिए सबसे सही जगह

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने भारत की सराहना करते देश को एक बेहद सफल उभरती अर्थव्यवस्था करार दिया है। उन्होंने अपने बयान में कहा कि वैश्विक मामलों में भारत का प्रभाव लगातार बढ़ रहा है। इसलिए एआई पर होने वाला आगामी शिखर सम्मेलन की मेजबानी के लिए भारत सबसे सही स्थान है। दरअसल, भारत-एआई इम्पैक्ट समिट 2026 से पहले संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में एक विशेष साक्षात्कार में गुटेरेस ने इस बात पर जोर दिया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता से पूरी दुनिया को फायदा होना चाहिए और यह सिर्फ विकसित देशों या दो महाशक्तियों के लिए आरक्षित विशेषाधिकार नहीं बनना चाहिए। इसी के साथ उन्होंने कहा है कि भारत वैश्विक मामलों में अधिक प्रभाव रखने वाली एक 'बेहद सफल' उभरती हुई अर्थव्यवस्था है और एआई शिखर सम्मेलन की मेजबानी के लिए सही जगह है। इंटरव्यू के दौरान एंटोनियो गुटेरेस ने कहा, 'मैं इस शिखर सम्मेलन के आयोजन के लिए भारत को हार्दिक बधाई देता हूं। यह अत्यंत आवश्यक है कि एआई का विकास हर किसी के लाभ के लिए हो और वैश्विक दक्षिण के देश भी एआई के लाभों का हिस्सा बनें।' बता दें कि 16 से 20 फरवरी तक आयोजित होने वाला यह उच्च स्तरीय कार्यक्रम ग्लोबल साउथ (वैश्विक दक्षिण) में आयोजित होने वाला पहला एआई शिखर सम्मेलन होगा और यह 'लोग, ग्रह और प्रगति' के तीन मार्गदर्शक सिद्धांतों पर आधारित है। गुटेरेस, जो एआई शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत की यात्रा करेंगे, उन्होंने जोर देकर कहा कि यह पूरी तरह से अस्वीकार्य होगा कि एआई केवल सबसे विकसित देशों का विशेषाधिकार हो या केवल दो महाशक्तियों के बीच का विभाजन हो, जो स्पष्ट रूप से उनका अमेरिका और चीन की तरफ इशारा था। गुटेरेस ने कहा कि यह बिल्कुल आवश्यक है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानव जाति के लाभ के लिए एक सार्वभौमिक उपकरण बनाया जाए।

एआई महाशक्तियों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए : गुटेरेस ने स्पष्ट किया कि एआई केवल सबसे विकसित देशों द्वारा नियंत्रित या दो वैश्विक महाशक्तियों के प्रभुत्व वाला उपकरण नहीं बनना चाहिए। सीधे तौर पर नाम लिए बिना, उन्होंने अमेरिका और चीन का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि एआई के लाभ कुछ ही देशों तक सीमित रहना अस्वीकार्य होगा। इसके बजाय, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वैश्विक दक्षिण के देशों को भी इस शक्तिशाली तकनीक के लाभों में हिस्सेदारी मिलनी चाहिए। उनके अनुसार, एआई एक सार्वभौमिक उपकरण बनना चाहिए जो विश्व स्तर पर विकास, नवाचार और प्रगति का समर्थन करे।

भारत-एआई इम्पैक्ट समिट 2026 : 16 से 20 फरवरी तक आयोजित होने वाला यह उच्च स्तरीय शिखर सम्मेलन वैश्विक दक्षिण में आयोजित होने वाला पहला एआई शिखर सम्मेलन होगा। इस आयोजन का मुख्य विषय होगाः लोग, ग्रह और प्रगति। विश्व के कई प्रमुख नेता और प्रौद्योगिकी क्षेत्र के अधिकारी इसमें शामिल होने की उम्मीद है, जिनमें फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन, ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज़ इनासियो लूला दा सिल्वा, गूगल और अल्फाबेट के सीईओ सुंदर पिचाई, एडोब के सीईओ शांतनु नारायण और एंथ्रोपिक के सीईओ डारियो अमोदेई शामिल हैं। गुटेरेस स्वयं चर्चाओं में भाग लेने के लिए नई दिल्ली की यात्रा करेंगे।

अमेरिका में लापता हुए भारतीय छात्र साकेत श्रीनिवासैया की मौत, 6 दिन बाद पाया गया शव

न्यूयार्क, एजेंसी। अमेरिका के बर्कली में लापता हुए भारतीय छात्र का 6 दिन बाद शव पाया गया है। 22 साल के साकेत श्रीनिवासैया यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफॉर्निया में पोस्ट ग्रैजुएशन के छात्र थे और वह अचानक 9 फरवरी को लापता हो गए थे। सैन फ्रांसिस्को में भारतीय कॉन्सुलेट ने उनके शव के पाए जाने की पुष्टि की है। मिशन की तरफ से कहा गया. हमें बेहद दुख है कि पुलिस ने बताया है कि साकेत श्रीनिवासैया की मौत हो गई है और उनका शव पाया गया है। हम साकेत के परिवार वालों के लिए संवेदना व्यक्त करते हैं। भारतीय मिशन ने कहा, हम साकेत के परिवार की हर संभव मदद करने को तैयार हैं। स्थानीय प्रशासन के साथ तालमेल के जरिए हम साकेत के पार्थिव शरीर को भारत भिजवाने का प्रबंध कर रहेहैं। हमारा कार्यालय परिवार के साथ सीधे संपर्क में है और सभी औपचारिकताओं के लिए भी हम परिवार के साथ खड़े हैं।

कहां से लापता हो गए थे साकेत : जानकारी के मुताबिक साकेत आखिरी बार बर्कली हिल्स इलाके में देखे गए थे। वह अंजा लेक के पास गए थे। स्थानीय मीडिया के मुताबिक उनका पासपोर्ट और लैपटॉप पास में ही पाया गया है। कर्नाटक के रहने वाले श्रीनिवासैया ने आईआईटी मद्रास से बीडटेक किया था और आगे की पढ़ाई के लिए वह अमेरिका गए थे। 2025 में ही उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफॉर्निया में ऐडमिशन लिया था। 13 फरवरी को कर्नाटक सरकार की मुख्य सचिव ने विदेश सचिव विक्रम मिसरी को पत्र लिखा था। इसमें कहा गया है कि साकेत के परिवार से मिली जानकारी के अनुसार, बर्कले पुलिस विभाग में औपचारिक शिकायत दर्ज कराए जाने के बावजूद उसका कोई पता नहीं चल सका है। स्थिति की गंभीरता और राज्य में रह रहे उनके परिवार की बढ़ती चिंता को देखते हुए, शालिनी ने विदेश मंत्रालय से इस मामले में हस्तक्षेप और सहायता का अनुरोध किया था। साकेत के रूममेट ने ही सबसे पहले उनके गायब होने की बात सोशल मीडिया पर बताई थी और पुलिस से मदद मांगी थी। साकेत के कमरे में साथ रहने वाले बिनीत सिंह ने कहा कि इस घटना से यहां रहने वाला हर भारतीय स्तब्ध है। उन्होंने कहा, हम प्रशासन के साथ मिलकर साकेत के परिवार को इमर्जेंसी वीजा पर अमेरिका बुलाने का प्रयास कर रहे हैं। बिनीत ने कहा कि 9 फरवरी को लापता होने से पहले साकेत ज्यादा कुछ खाते-पीते नहीं थे। वह अकसर चिप्स खाकर ही रह जाते थे। हालांकि इसके अलावा उनके चहरे पर कोई तनाव नहीं दिखता था। उन्होंने कहा कि 21 जनवरी को भी श्रीनिवासैया ने उन्हें झील के किनारे बुलाया था।

बांग्लादेश में नए पीएम का शपथ ग्रहण, भारत के अलावा 12 देशों को भी भेजा गया है न्योता

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के आम चुनवों में बीएनपी को बड़ी जीत मिलने के बाद प्रधानमंत्री समेत पूरे मंत्रिमंडल का शपथ ग्रहण 17 फरवरी को होने जा रहा है। इस समारोह का दिलचस्प पहलू यह है कि यह राष्ट्रीय संसद परिसर के साउथ प्लाजा में आयोजित किया जा रहा है जबकि अभी तक शपथ ग्रहण समारोह राष्ट्रपति भवन में आयोजित होते रहे हैं। समाचारपत्र 'प्रोथोम आलो' और 'इत्तेफाक' में प्रकाशित खबर के अनुसार, समारोह के बाद मुख्य निर्वाचन आयुक्त एएमएम नासिर उद्दीन नव-निर्वाचित सांसदों को पद की शपथ दिलाएंगे, जबकि संविधान के अनुसार यह शपथ अध्यक्ष शिरीन शरमिन चौधरी द्वारा दिलाई जानी चाहिए।

इन देशों को भेजा गया है न्योता : बांग्लादेश में प्रधानमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए भारत-पाकिस्तान समेत 13 देशों को न्योता भेजा गया है। इनमें चीन, सऊदी अरब, तुर्की, यूएई, कतर, मलेशिया, ब्रुनेई, श्रीलंका, नेपाल, मालदीव और भूटान शामिल हैं। बीएनपी चीफ तारिक रहमान प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। बता दें कि बांग्लादेश ने भारत को न्योता भेजा है लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ढाका जाना असंभव ही है। 17 तारीख को ही प्रधानमंत्री मोदी की फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ पूर्व निर्धारित बैठक होने वाली है। ऐसे में किसी प्रतिनिधि को ढाका भेजा जा सकता है।

पीएम मोदी का ढाका जाना मुश्किल : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तारिक रहमान को सबसे पहले बधाई देने वाले नेताओं में शामिल थे। उनके संदेश के बाद बीएनपी ने कहा, 'बांग्लादेश अपने सभी नागरिकों के लिए लोकतांत्रिक मूल्यों, समावेशिता और प्रगतिशील विकास को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। हम आपसी सम्मान, एक-दूसरे की चिंताओं के प्रति संवेदनशीलता और अपने क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि के प्रति साझा प्रतिबद्धता के मार्गदर्शन में, भारत के साथ रचनात्मक रूप से जुड़कर अपने बहुआयामी संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए तत्पर हैं।'

शपथ ग्रहण के दौरान कई चुनौतियां : तारिक रहमान के एक प्रमुख सहयोगी ने नाम न उजागर की शर्त पर बताया कि मौजूदा परिस्थितियों ने मामलों को थोड़ा जटिल बना दिया है। उन्होंने कहा, '' पिछली संसद की अध्यक्ष को सांसदों को शपथ दिलानी होती है, लेकिन उन्होंने इस्तीफा दे दिया है और अज्ञात स्थान पर रह रही हैं, जबकि उपाध्यक्ष जेल में हैं। इन परिस्थितियों में राष्ट्रपति संविधान में तय प्रावधान के अनुसार किसी और को शपथ दिलाने के लिए चुन सकते हैं।'' इससे पहले, कैबिनेट सचिव शेख अब्दुर राशिद ने कहा था कि संविधान के अनुरूप राष्ट्रपति नए मंत्रिमंडल को शपथ दिलाएंगे, लेकिन उन्होंने समारोह की तारीख नहीं बताई।

बांग्लादेश में राजनीतिक उथल-पुथल के बीच 13वें संसदीय चुनाव को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा था। अगस्त 2024 में छात्रों के नेतृत्व में हुए प्रदर्शनों के बाद 15 वर्ष से अधिक समय तक शासन करने वालीं शेख हसीना को सत्ता छोड़कर भारत भागना पड़ा था, जिसके बाद अल्पसंख्यकों पर व्यापक हमले भी हुए थे।

प्रल्हाद जोशी ने कहा-देश की गैर जीवाश्म बिजली क्षमता 272 गीगावाट के पार

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि भारत की गैर-जीवाश्म आधारित विद्युत उत्पादन क्षमता 272 गीगावाट से ज्यादा हो गई है, जिसमें 141 गीगावाट सौर तथा 55 गीगावाट पवन ऊर्जा शामिल है। नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के मुताबिक भारत और ब्रिटेन ने आज भारत-यूके अपतटीय पवन कार्यबल लॉन्च किया, जिसका मकसद विजन 2035 के तहत अपनी बड़ी स्वच्छ ऊर्जा साझेदारी के हिस्से के तौर पर अपतटीय पवन विकास में सहयोग को तेज करना है। इस अवसर पर ब्रिटेन के उप प्रधानमंत्री डेविड लैमी और भारत में ब्रिटिश उच्चायुक्त लिंडी कैमरून भी मौजूद थीं। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री ने भारत-ब्रिटेन अपतटीय पवन ऊर्जा कार्यबल की शुरुआत के मौके पर यह जानकारी दी। इस अवसर पर प्रल्हाद जोशी ने कहा कि अपतटीय पवन ऊर्जा देश के स्वच्छ, आत्मनिर्भर ऊर्जा भविष्य का मजबूत स्तंभ बन सकती है। कार्यबल की औपचारिक शुरुआत के मौके पर जोशी ने कहा कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत ने 35 गीगावाट से अधिक सौर तथा 4.61 गीगावाट पवन क्षमता जोड़ी है।

उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष भारत ने अपनी कुल स्थापित बिजली क्षमता का 50 प्रतिशत गैर-जीवाश्म स्रोतों से हासिल किया। यह उपलब्धिक निर्धारित लक्ष्य से पांच वर्ष पहले हासिल की गई। उन्होंने कहा कि ये आंकड़े स्पष्ट नीति, संस्थागत समन्वय तथा निवेशकों और उद्योग के भरोसे को दर्शाते हैं। यह उपलब्धि वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा तथा 2070 तक शुद्ध-शून्य उत्सर्जन के भारत के महत्वाकांक्षी लक्ष्य के लिहाज से महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

मंत्री ने कहा कि आज भारत की स्थापित गैर-जीवाश्म क्षमता 272 गीगावाट से अधिक है जिसमें सौर से 141 गीगावाट और पवन से 55 गीगावाट है...। हमारी व्यापकता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत दो साल से कम समय में करीब 30 लाख परिवारों को 'रूफटॉप सोलर' की सुविधा मिली। इसके अलावा प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान योजना के तहत 21 लाख पंपों का सौरकरण किया गया है।

मारुति सुजुकी विक्टोरिस ने भव्य 'मास डिलीवरी' समारोह के साथ मनाया सफलता का जश्न

एजेंसी
ग्वालियर। ऑटोमोबाइल जगत में अपनी धाक जमाते हुए मारुति सुजुकी एरिना (Maruti Suzuki Arena) द्वारा आज एक भव्य 'विक्टोरिस मास डिलीवरी' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस गौरवशाली समारोह की शुरुआत सुबह 11:30 बजे अतिथियों के आत्मीय स्वागत और स्थानीय डीलरों द्वारा गणमान्य व्यक्तियों के अभिनंदन के साथ हुई। इसके तुरंत बाद रीजनल मैनेजर श्री अनुराग असोपा ने अपने स्वागत भाषण में कंपनी की उपलब्धियों को साझा किया और ग्राहकों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान ग्राहकों ने विक्टोरिस की तकनीकी श्रेष्ठता की जमकर सराहना की। विशेष रूप से इसके अंडरबॉडी सीएनजी (nderbody CNG) विकल्प को ग्राहकों ने खूब सराहा, जो कि मिड-एसयूवी (Mid-SUV) सेगमेंट में अपने तरह की पहली विशेषता है और बूट स्पेस की समस्या को पूरी तरह खत्म करती है। साथ ही, ग्राहकों ने इसके स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड (Strong Hybrid) वेरिएंट्स के बेजोड़ माइलेज को भी सराहा, जो आज की पीढ़ी के लिए ईंधन दक्षता का एक नया मानक स्थापित कर रहा है। दोपहर तक चले इस कार्यक्रम में विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों के माध्यम से ग्राहकों को बांधे रखा गया, जिसके बाद ग्राहकों ने उत्साहपूर्वक रेफरेंस कूपन भरे।

कोटक ऑल्ट्स ने जीरोहार्म साइंसेज में किया 40 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली। वैकल्पिक परिसंपत्तियों में निवेश करने वाली कंपनी कोटक ऑल्टरनेट एसेट मैनेजर्स लिमिटेड (कोटक ऑल्ट्स) ने जीरोहार्म साइंसेज में 40 करोड़ रुपये का निवेश किया है। कोटक ऑल्ट्स ने बताया कि यह निवेश उसकी इकाई कोटक लाइफ साइंस फंड 1 के माध्यम से किया गया है। इस राशि का इस्तेमाल जीरोहार्म अपना कारोबार और ब्रांड विजिबिलिटी बढ़ाने तथा नये बाजारों में पांव फैलाने के लिए करेगी। कोटक ऑल्ट्स के निदेशक आशीष रंजन ने कहा, 'भारतीय न्यूट्रास्यूटिकल्स बाजार को अनुकूल व्यापक आर्थिक परिस्थितियों, मांग और आपूर्ति पक्ष के कारकों का समर्थन मिल रहा है। इसकी स्वीकार्यता अभी प्रारंभिक चरण में है और भविष्य में इसमें तीव्र वृद्धि की उम्मीद है। जीरोहार्म आयुर्वेद के कालातीत ज्ञान को उन्नत तकनीक के साथ सहज रूप से एकीकृत कर रोग निवारण और आरोग्य को नये रूप में परिभाषित कर रही है, और सुरक्षित, प्रभावी तथा विस्तार योग्य समाधान प्रदान कर रही है।' साल 2020 में सचिन दरबारवार द्वारा स्थापित जीरोहार्म एक पादप-आधारित न्यूट्रास्यूटिकल सीधे ग्राहक तक बिक्री करने वाला ब्रांड है। कंपनी के पास एक्सट्रैक्शन, फॉर्म्युलेशन अनुसंधान एवं विकास और विनिर्माण में पूरी तरह एकीकृत क्षमताएं हैं। वह देश में अपनी वेबसाइट के अलावा प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म और क्विक-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपने उत्पाद बेचती है।

रुपया चार पैसे मजबूत

मुंबई। अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 3.50 पैसे मजबूत हुआ और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 90.6850 रुपये का बोला गया। पिछले कारोबारी दिवस पर रुपया दो पैसे चढ़कर 90.72 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। रुपया 12 पैसे की मजबूती के साथ 90.60 रुपये प्रति डॉलर पर खुला। सीमित दायरे में रहते हुए यह ऊपर 90.5925 रुपये और नीचे 90.7150 रुपये प्रति डॉलर तक गया। भारतीय पूंजी बाजार में विदेशी संस्थागत निवेशकों के लिवाल रहने और दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं के बास्केट में डॉलर सूचकांक 0.2 प्रतिशत की तेजी से रुपया मजबूत हुआ है। हालांकि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में दो प्रतिशत से अधिक की तेजी से भारतीय मुद्रा की बढ़त सीमित रही।

चावल, गेहूं, चीनी मजबूत; दालों, खाद्य तेलों में घट-बढ़

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल के औसत भाव बढ़ गये। गेहूं और चीनी में भी तेजी रही जबकि दालों और खाद्य तेलों की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखा गया। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 13 रुपये बढ़कर 3,854 रुपये प्रति क्विंटल पर रही। गेहूं की कीमत नौ रुपये की बढ़त के साथ 2,862 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी। आटा कमोबेश गत दिवस के स्तर पर ही रहा। दाल-दलहनों में उड़द दाल की औसत कीमत 31 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ी। तुअर दाल नौ रुपये महंगी हुई जबकि मसूर दाल में 13 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट देखी गयी। चना दाल और मूंग दाल के दाम गत दिवस के स्तर पर ही रहे। विदेशों में चीनी नववर्ष के मौके पर मंगलवार और बुरसा मलेशिया बंद रहा। मई का अमेरिकी सोया तेल वायदा 1.85 प्रतिशत की बढ़त में 58.83 सेंट प्रति पौंड बोला गया। स्थानीय बाजारों में मूंगफली तेल की औसत कीमत 76 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। सरसों तेल 18 रुपये और पाम ऑयल 13 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। सूरजमुखी तेल की कीमत 12 रुपये बढ़ी। वनस्पति के भाव में टिकाव देखा गया। सोया तेल 34 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हुआ। मीठे के बाजार में आज गुड़ के औसत भाव 12 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गये। चीनी भी नौ रुपये महंगी हुई।

निसान ने भारत में लॉन्च की ऑल-न्यू ग्रेवाइट, शुरुआती कीमत 5.65 लाख रुपये

एजेंसी
नई दिल्ली। जापान की वाहन विनिर्माता कंपनी निसान मोटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एनएमआईपीएल) ने मंगलवार को भारत में अपनी नई कार 'ग्रैवाइट' लॉन्च की। इसकी शुरुआती कीमत 5.65 लाख रुपये से 8.49 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है। निसान मोटर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर सौरभ वत्स ने कहा कि ऑल-न्यू निसान ग्रेवाइट भारतीय परिवारों की विविधता, व्यापकता एवं महत्वाकांक्षाओं से प्रेरित है। कंपनी 2026 में ब्रांड के पुनरुत्थान के लिए कई नए वहान पेश करने और बिक्री ढांचे को मजबूत करने की तैयारी में है।कंपनी फिलहाल देश में केवल एक मॉडल 'मैग्नाइट' बेचती है। सौरभ वत्स ने बताया कि कंपनी ने अपना दूसरा मॉडल सात सीट वाली कार 'ग्रैवाइट' पेश की है। 'ग्रैवाइट' की (एक्स शोरूम) कीमत 5.65 लाख रुपये से 8.49 लाख रुपये के बीच है। उन्होंने कहा कि करीब 12 महीनों के भीतर हम तीन नए वाहन पेश करने जा रहे हैं। इसलिए यह पुनरुत्थान का वर्ष होगा, जो मुख्य रूप से स्पोर्ट यूटिलिटी वाहनों पर आधारित उत्पाद श्रृंखला पर टिका होगा। वत्स ने बताया कि 'मैग्नाइट' देश में कंपनी के उत्पाद खंड में अहम भूमिका निभाती रहेगी। उन्?होंने कहा कि कंपनी की योजना वित्त वर्ष 2025-26 के अंत तक बिक्री केंद्रों की संख्या बढ़ाकर 250 करने की है। फिलहाल देशभर में कंपनी के लगभग 160 डीलर हैं। वत्स ने कहा कि भविष्य में निर्यात हमारे बुनियादी एवं मजबूत स्तंभों में से एक बना रहेगा...वित्त वर्ष 2026-27 में हम भारत से एक लाख इकाई निर्यात का आंकड़ा पार कर जाएंगे। उन्होंने बताया कि 'ग्रैवाइट' के अलावा कंपनी इस वर्ष के दौरान एक 'टेकटन स्पोर्ट' यूटिलिटी वाहन और सात सीट वाले मध्यम श्रेणी का स्पोर्ट यूटिलिटी वाहन भी लाने की योजना बना रही है।

प्रल्हाद जोशी ने इंडिया एआई इंपैक्ट समिट में आईएसए पवेलियन का दौरा किया

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने भारत मंडपम के हॉल नंबर 14 में इंडिया एआई इंपैक्ट समिट में अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) के पवेलियन का दौरा किया। इस दौरान जोशी ने ग्लोबल मिशन ऑन एआई फॉर एनर्जी को आगे बढ़ाने वाली प्रौद्योगिकी आधारित नवाचारों की एक श्रृंखला की समीक्षा की। पवेलियन में ऐसे व्यावहारिक और स्केलेबल मॉडल प्रदर्शित किए गए हैं, जो ये दर्शाते हैं कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), डिजिटल प्लेटफॉर्म और भू-स्थानिक उपकरण किस प्रकार उपयोगिताओं को आधुनिक बना सकते हैं। नवीकरणीय ऊर्जा एकीकरण को तेज कर सकते हैं और आईएसए सदस्य देशों में ऊर्जा सुदृढ़ता ला सकते हैं। जैसे-जैसे वितरित नवीकरणीय ऊर्जा तेजी से विस्?तारित हो रही है, फोकस केवल नई क्षमता जोड़ने से हटकर लाखों विकेंद्रीकृत संसाधनों को स्थिर और विश्वसनीय ग्रिड में समेकित करने की दिशा में परवर्तित हो रहा है। इसके लिए मजबूत ट्रांसमिशन अवसंरचना, आधुनिक वितरण नेटवर्क और

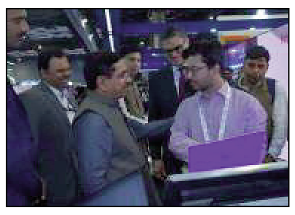

वास्तविक समय में निगरानी करने वाली प्रणालियों की आवश्यकता होती है। जोशी ने इस बात का उल्लेख किया कि ऊर्जा परिवर्तन के साथ-साथ ग्रिड परिवर्तन भी होना चाहिए, जिसमें डेटा-आधारित पूर्वानुमान और वास्तविक समय अनुकूलन से संचालित लचीले, डिजिटल और इंटेलिजेंट ग्रिड का निर्माण किया जाए। दिल्ली, राजस्थान और आंध्र प्रदेश जैसे राज्य डिजिटलीकरण, स्मार्ट मीटरिंग और डिजिटल नियंत्रण प्रणालियों को बढ़ावा दे रहे हैं, जिससे ऊर्जा हानि कम हो रही है और नवीकरणीय ऊर्जा का उच्च स्तर शामिल करना संभव हो रहा है। ये अनुभव उन विकासशील देशों के लिए मूल्यवान सबक प्रदान करते हैं जो अपने बिजली क्षेत्र को आधुनिक बनाने की कोशिश कर रहे हैं। भारत की सौर क्षमता 2014 में 3 गीगावाट से भी कम थी, जो आज 141 गीगावाट से अधिक हो गई है, जिससे देश विश्व के सबसे तेजी से बढ़ते सौर बाजारों में शामिल हो गया है। सौर ऊर्जा अब भारत की विकास रणनीति और ऊर्जा सुरक्षा ढाँचे का प्रमुख हिस्सा बन गई है। इस यात्रा की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि सौर ऊर्जा को सर्वसुलभ बनाना रही है।

मनोहर लाल ने एआई इंपैक्ट समिट में विद्युत मंत्रालय के मंडप का उद्घाटन किया

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय विद्युत मंत्री मनोहर लाल ने राजधानी नई दिल्ली के भारत मंडपम में एआई इंपैक्ट समिट में विद्युत मंत्रालय के मंडप का उद्घाटन किया। मंडप में दिखाया गया है कि डिजिटल प्रौद्योगिकियां किस प्रकार उत्पादन, पारेषण और वितरण प्रणालियों को नया आकार दे रही हैं। विद्युत मंत्रालय के मुताबिक यह मंडप 'मेगावाट से मेगाबाइट तकः भारत के विद्युत इको-सिस्टम का रूपांतरण' विषय के तहत विद्युत क्षेत्र का एक दूरदर्शी दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। यह मंडप बुनियादी ढांचे की विश्वसनीयता को मजबूत करने, दक्षता में सुधार करने और विद्युत क्षेत्र में सतत विकास को समर्थन देने के लिए अत्याधुनिक एआई प्रौद्योगिकियों को एकीकृत करने पर मंत्रालय के ध्यानाकर्षण को दर्शाता है। केंद्रीय मंत्री ने एआई इंपैक्ट समिट में दिल्ली मेट्रो रेल निगम द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का भी दौरा किया। डीएमआरसी के प्रबंध

निदेशक डॉ. विकास कुमार ने उन्हें डीएमआरसी द्वारा एआई के क्षेत्र में की गई पहलों के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर डीएमआरसी के अधिकारियों ने बताया कि एआई की मदद से ग्राहकों की शिकायतों और यात्रियों से सम्बंधित समस्याओं का तेजी से समाधान संभव हो सकेगा। ओवरहेड इलेक्ट्रिफिकेशन (ओएचई), पैंटोग्राफ-ओएचई इंटरैक्शन, व्हील ग्राइंडिंग, रोलिंग स्टॉक सबसिस्टम और सिग्नलिंग की निगरानी सहित रखरखाव के क्षेत्र में एआई का उपयोग किया जा रहा है।

अटल इनोवेशन मिशन ने अटल टिंकरिंग लैब के विद्यार्थियों के व्यावहारिक एआई नवाचार और विचार किए प्रदर्शित

एजेंसी
नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के भारत मंडप में आयोजित इंडिया एआई इंपैक्ट समिट 2026 में अटल इनोवेशन मिशन (एआईएम) ने अटल टिंकरिंग लैब के विद्यार्थियों के व?यावहारिक एआई नवाचार और विचार प्रदर्शित किए। इसने दिखाया कि कैसे भारत की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यात्रा को जमीनी स्तर और पॉलिसी लेवल पर एक साथ आकार दिया जा रहा है।

नीति आयोग ने जारी बयान में बताया कि अटल इनोवेशन मिशन ने इंडिया एआई इंपैक्ट समिट 2026 में अहम भूमिका निभाई। नीति आयोग के तहत संचालित हो रहे अटल इनोवेशन मिशन ने इंडिया एआई इंपैक्ट समिट में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए दर्शाया कि भारत की कृत्रिम बुद्धिमत्ता यात्रा जमीनी और नीतिगत स्तर पर एक साथ कैसे आकार ले रही है। मंत्रालय के मुताबिक इसमें मुख?य तौर पर एआई टिंकरप्रेन्योर का प्रदर्शन उल?लेखनीय रहा, जिसमें देशभर के अटल टिंकरिंग लैब्स (एटीएल) की 50 विद्यार्थियों की टीम ने स्वास्थ्य सेवा, कृषि, जलवायु परिवर्तन से निपटने, सेवा सुलभता, शिक्षा और सार्वजनिक सेवा वितरण जैसे क्षेत्रों में वास्तविक चुनौतियों के समाधान संबंधी एआई-आधारित नवाचार प्रस्तुत किए। इस प्रदर्शन से दिखा कि किस प्रकार विद्यालय स्तर पर एआई नवाचार भारत की राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के साथ तेजी से जुड़ रहा है। अटल टिंकरिंग लैब नीति आयोग के अटल इनोवेशन मिशन के तहत स्कूलों के छठीं से बारहवीं कक्षा में स्थापित व्यवस्था है, ये प्रयोगशालाएं रोबोटिक्स, थ्रीडी प्रिंटर और 'डू-इट-योरसेल्फ' जैसे इलेक्ट्रॉनिक्स किट द्वारा विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित शिक्षा को व्यावहारिक रूप से सीखने में मदद करती हैं।

अटल इनोवेशन मिशन की प्रमुख पहल एआई टिंकरप्रेन्योर को इंटेल के सहयोग से कार्यान्वित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य स्कूली छात्रों में एआई दक्षता, रचनात्मकता और उद्यमशीलता की सोच बढ़ाना है। यह कार्यक्रम युवा नवप्रवर्तकों को वास्तविक दुनिया की चुनौतियों की पहचान करने और एआई उपकरणों और पद्धतियों का इस?तेमाल कर मापनीय, प्रौद्योगिकी-आधारित समाधान विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करता है। नीति आयोग ने बताया कि इस वर्ष एआई टिंकरप्रेन्योर में देशभर से 12 हजार से अधिक विद्यार्थियों की टीम ने भाग लिया। इनमें इंडिया एआई इंपैक?ट समिट 2026 में नवाचार प्रस्तुत करने के लिए देशभर से शीर्ष 50 टीमों का चयन कठोर बहु-स्तरीय मूल्यांकन प्रक्रिया द्वारा किया गया। शिखर सम्मेलन का विशेष आकर्षण 'एआई बाय हर' खंड रहा, जहां विभिन्न अटल टिंकरिंग लैब्स (एटीएल) की युवा महिला नवप्रवर्तकों ने एआई समाधान विकसित करने, बाधाएं पार करने और भारत के एआई पारिस्थितिकी तंत्र में आत्मविश्वास से योगदान देने वाली महिला नवप्रवर्तकों के रूप में उभरने की अपनी यात्रा साझा कीं। उनके नवाचार में खाद्य सुरक्षा, सुलभ और किफायती स्वास्थ्य सेवा और स्वदेशी नवाचार एवं आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने में 'वोकल फॉर लोकल' की भावना जैसी प्रमुख राष्ट्रीय प्राथमिकताएं प्रदर्शित हुईं। इन नवप्रवर्तकों की आवाज़ ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के भविष्य को आकार देने में समावेशी भागीदारी के महत्व को रेखांकित किया।

सीतारमण ने नॉर्वे के प्रधानमंत्री से की मुलाकात, ईएफटीए-टीईपीए समझौतों और सहयोग बढ़ाने पर चर्चा

एजेंसी
ओस्लो। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने यहां नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गाहर स्टोरे से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत-ईएफटीए तथा टीईपीए समझौतों के क्रियान्वयन पर बातचीत की। दोनों देशों के बीच सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। वित्त मंत्रालय ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी बयान में बताया कि बैठक के दौरान उच्च तकनीक विनिर्माण, कार्बन कैप्चर और भंडारण, स्टार्टअप्स, सेमीकंडक्टर, नवीकरणीय ऊर्जा और वेस्ट मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में साझेदारी बढ़ाने की संभावनाओं पर जोर दिया गया। नॉर्वे के प्रधानमंत्री ने इस वर्ष प्रस्तावित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नॉर्वे दौरे को लेकर उत्साह जताते हुए विश्वास व्यक्त किया कि इस यात्रा से भारत-नॉर्वे सहयोग को और मजबूती मिलेगी। इससे पहले निर्मला सीतारमण ने नॉर्वे के जाने-माने मुख?य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) और निवेशकों के साथ गोलमेज बैठक में हिस्सा लिया।

बैठक में भारत के राष्ट्रीय निवेश और अवसंरचना कोष (एनआईआईएफ) के सीईओ और सीआईआई के अध्यक्ष ने भी हिस्सा लिया।नॉर्वे में व्यापार और निवेश समुदाय के 35 से ज?यादा सीईओ और टॉप लेवल के पार्टिसिपेंट्स के साथ बातचीत करते हुए वित?त मंत्री सीतारमण ने कहा कि नॉर्वे के उनके ऑफिशियल दौरे में इंडिया को एक निवेश गंतव्य और दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था के तौर पर दिलचस्प और सकारात?मक चर्चा हुई है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट 2026-27 भी नागरिकों और कंपनियों के लिए रेगुलेटरी और कम्प्लायंस का बोझ कम करने पर भारत सरकार के रिफॉर्म फोकस को दिखाता है।

आईआईसीए ने नल्सार विधि विश्वविद्यालय के साथ पांच साल एमओयू बढ़ाया

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय कॉरपोरेट मामलों के संस्थान (आईआईसीए) ने हैदराबाद के नल्सार विधि विश्वविद्यालय के साथ अपने समझौता ज्ञापन (एमओयू) को पांच वर्ष और बढ़ा दिया है।मंत्रालय ने कहा कि यह सहयोग संकाय और छात्रों के आदान-प्रदान, संयुक्त अनुसंधान और प्रकाशन, विशेषज्ञ सलाहकारी एवं परामर्श सेवाओं, तथा कार्यशालाओं, सेमिनारों और सम्मेलनों के आयोजन को भी सुगम बनाएगा। दोनों संस्थान आपसी सहयोग की भावना से संयुक्त प्रशिक्षण और अनुसंधान पहलों का सक्रिय रूप से पीछा करेंगे। इस सहयोग का एक प्रमुख हाइलाइट दिवालियापन एवं दिवाला विधियों में दो वर्षीय पूर्णकालिक आवासीय एलएलएम कार्यक्रम का सफल कार्यान्वयन रहा है। तीन बैचों में इस कार्यक्रम ने 138

छात्रों को प्रशिक्षित किया है और उद्योग हितधारकों द्वारा इसके शैक्षणिक कठोरता और व्यावहारिक प्रासंगिकता के लिए व्यापक रूप से सराहा गया है। कार्यक्रम का प्रथम वर्ष हैदराबाद के नल्सार विधि विश्वविद्यालय में आयोजित किया जाता है, जबकि द्वितीय वर्ष नई दिल्ली के आईआईसीए में होता है, जो छात्रों को शैक्षणिक उत्कृष्टता और उद्योग एक्सपोजर का समृद्ध मिश्रण प्रदान करता है। इस एमओयू का नवीनीकरण आईआईसीए और नल्सार की साझा प्रतिबद्धता को पुनः पुष्ट करता है, जो विधिक एवं कॉर्पोरेट शिक्षा में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने तथा क्षेत्र में उभरती चुनौतियों का सामना करने में सक्षम कुशल पेशेवरों के विकास में योगदान देने के लिए है। समझौते पर आईआईसीए के महानिदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी ज्ञानेश्वर कुमार सिंह तथा नल्सार विधि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीकृष्ण देव राव ने औपचारिक रूप से हस्ताक्षर किए हैं। इस समारोह में प्रो. (डॉ.) निमुषकावी वसंथी, रजिस्ट्रार, नल्सार; प्रो. वी. केसव राव, नल्सार के कॉर्पोरेट एवं प्रतिस्पर्धा विधि केंद्र के निदेशक; डॉ. पायला नारायण राव, एसोसिएट प्रोफेसर, आईआईसीए सहित अन्य प्रतिष्ठित अतिथियों ने भाग लिया।

शेयर बाजार लगातार तीसरे दिन बढ़त के साथ बंद, सेंसेक्स 283 अंक उछला

एजेंसी
नई दिल्ली। मजबूत वैश्विक रुझान के बीच हफ्ते के तीसरे दिन शेयर बाजार बढ़त के साथ हरे निशान पर बंद हुआ। बॉम्बे स्टॉक एक?सचेंज (बीएसई) का 30 शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 283.29 अंक यानी 0.34 फीसदी उछल कर 83,734.25 के स?तर पर बंद हुआ। वहीं, नेशनल स?टॉक एक?सचेंज (एनएसई) का 50 शेयरों वाला निफ्टी 93.95 अंक यानी 0.37 फीसदी की बढ़कर 25,819.35 पर बंद हुआ।

कारोबार के अंत में बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) बढ़कर 471.89 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जबकि पिछले कारोबारी सत्र में 470.11 लाख करोड़ रुपये रहा था। इस तरह बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का मार्केट कैप करीब 1.78 लाख करोड़ रुपये बढ़ा है, जिससे निवेशकों

की संपत्ति में लगभग 1.80 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 19 शेयरों में बढ़त रही। वहीं, निफ्टी के 50 शेयरों में से 31 शेयरों में बढ़त रही। इसमें शामिल टाटा स्टील के शेयरों में 2.90 फीसदी की सबसे ज्यादा की तेजी रही। इसके अलावा आईटीसी, एक्सिस बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर 1.18 फीसदी से लेकर 2.21 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए। हालांकि, आज कारोबार में मेटल, बैंकिंग और एफएमसीजी शेयर्स में बढ़त रही। वहीं, आईटी शेयर्स में गिरावट रही। उल?लेखनीय है कि एक दिन पहले मंगलवार को बीएसई का सेंसेक्स 173.81 अंक यानी 0.21 फीसदी उछल कर 83,450.96 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई का निफ्टी 42.65 अंक यानी 0.17 फीसदी चढ़कर 25,725.40 के स्तर पर बंद हुआ था।

इंडिगो ने एक्सिस बैंक के साथ पेश किये को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड

एजेंसी
नई दिल्ली। निजी विमानन सेवा कंपनी इंडिगो ने एक्सिस बैंक के साथ दो को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड पेश करने की घोषणा की है। दोनों कंपनियों की साझा प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि इंडिगो एक्सिस बैंक क्रेडिट कार्ड और इंडिगो एक्सिस बैंक प्रीमियम क्रेडिट कार्ड रुपे और वीजा नेटवर्क पर उपलब्ध हैं। ग्राहकों को इंडिगो के लॉयल्टी प्रोग्राम 'इंडिगो ब्लूचिप' का भी लाभ मिलेगा। विज्ञप्ति में कहा गया है कि ग्राहक रोजमर्रा की खरीदारी और यात्रा से संबंधित लेनदेन पर सुविधाजनक और बिना किसी झंझट के रिवॉर्ड प्वाइंट अर्जित कर सकेंगे। इंडिगो की उड़ानों के टिकट बुक कराने और संबंधित खर्चों पर अधिक रिवॉर्ड मिलते हैं। ग्राहकों को शुरुआती और नवीनीकरणीय लाभ, माइलस्टोन रिवॉर्ड्स तथा लाइफस्टाइल विशेषाधिकारों का एक व्यापक पैकेज भी मिलेगा जिसमें लाउंज एक्सेस, एंटरटेंमेंट के ऑफर, डाइनिंग पर छूट और कार्ड वेरिएंट के अनुसार विदेशी मुद्रा विनिमय में लाभ शामिल है। इंडिगो एक्सिस बैंक क्रेडिट कार्ड की कीमत 799 रुपये रखी गयी है और यह खुदरा ग्राहकों को ध्यान में रखकर बनाया गया है जबकि समृद्ध ग्राहकों को ध्यान में रखकर इंडिगो एक्सिस बैंक प्रीमियम क्रेडिट कार्ड की कीमत पांच हजार रुपये तय की गयी है।

2047 तक वैश्विक अर्थव्यवस्था में 26 ट्रिलियन डॉलर जोड़ेगा भारतः पीयूष गोयल

एजेंसी
मुंबई। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मुंबई में ग्लोबल इकोनॉमिक को-ऑपरेशन (जीईसी) 2026 कॉन्फ्रेंस के दूसरे दिन उपस्थित लोगों को संबोधित किया। उन्होंने अपने संबोधन में आर्थिक कूटनीति को लेकर भारत के रुख को सामने रखा और वैश्विक व्यापार एवं निवेश के क्षेत्र में भरोसेमंद एवं जरूरी सहयोगी के रूप में भारत के उभार पर चर्चा की। फ्रांस, यूनाइटेड किंगडम (यूके), संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, सेशेल्स, श्रीलंका, सिंगापुर समेत प्रमुख बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं के वरिष्ठ मंत्रियों एवं कारोबारी प्रतिनिधियों को एक मंच पर लाते हुए वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए बहुत महत्वपूर्ण समय में जीईसी 2026 की शुरुआत हुई है। बदलते व्यापारिक परिदृश्य और तेजी से बहुध्रुवीय होती दुनिया में इस फोरम का उद्देश्य एक मजबूत, समावेशी और भविष्य के लिए सजग आर्थिक गठजोड़ के लिए व्यावहारिक रूपरेखा तैयार करना है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने अपने मंत्री स्तरीय मुख्य संबोधन में भारत की रणनीति पर बात करते हुए कहा, 'अभी से लेकर 2047 तक भारत अपनी अर्थव्यवस्था में 26 ट्रिलियन डॉलर और जोड़ेगा। यह विकास की ऐसी तस्वीर है, जो इतिहास में बेमिसाल है और दुनिया में कहीं और ऐसा विकास दिखने की उम्मीद कम है। आर्थिक अलगाव का दौर खत्म हो गया है, इसीलिए हम अलायंस बना रहे हैं, दोस्ती गहरी कर रहे हैं और मजबूती के साथ व्यापार समझौते कर रहे हैं। चार साल में नौ समझौते हुए हैं। आगे और भी समझौते आएंगे। हर बातचीत में राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखा जाता है और किसानों, उद्यमियों, एमएसएमई, महिलाओं और उद्योगों के लिए अवसर सृजित करना तथा संवेदनशील सेक्टर्स को सुरक्षित रखना बातचीत के केंद्र में रहता है।'

उन्होंने आगे कहा, 'मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) हमारी तरफ से भारत के भविष्य का साझेदार बनने का न्योता है। यह एक ऐसे सफर का हिस्सा बनने का मौका है, जो भारत को दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था से 2027-28 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना देगा और 2047 तक 30 से 35 ट्रिलियन डॉलर वाली विकसित अर्थव्यवस्था में बदल देगा। दुनिया विकास की इस कहानी का हिस्सा बनना चाहती है। खुलेपन के साथ भरोसेमंद और कदम बढ़ाता हुआ भारत हर उस साझेदार का स्वागत करने के लिए तत्पर है, जो गंभीरता के साथ हमसे जुड़ना चाहता है।'

भारत सरकार के विदेश मंत्रालय और महाराष्ट्र सरकार के साथ मिलकर फ्यूचर इकोनॉमिक को-ऑपरेशन काउंसिल (एफईसीसी) द्वारा आयोजित जीईसी 2026 में दुनियाभर के वरिष्ठ मंत्रियों और व्यापार प्रतिनिधियों को एक मंच पर लाया गया है। इसका उद्देश्य मजबूत एवं भविष्य के लिए सजग आर्थिक गठजोड़ को आकार देने के लिए व्यावहारिक रूपरेखा तैयार करना है। इस फोरम का नेतृत्व विजय चौथाईवाले और एफईसीसी की डायरेक्टर प्रियम गांधी-मोदी द्वारा किया जा रहा है। फोरम को एक एडवाइजरी काउंसिल गाइड कर रही है, जिसमें आनंद महिंद्रा, चेयरमैन, महिंद्रा ग्रुप; बाबा कल्याणी, चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर, भारत फोर्ज लिमिटेड; सिरिल श्रॉफ, मैनेजिंग पार्टनर, सिरिल अमरचंद मंगलदास; और आदिल जैनुलभाई, चेयरमैन, नेटवर्क18 ग्रुप जैसी भारतीय उद्योग जगत की बड़ी हस्तियां शामिल हैं। भारत ने इस समय 38 विकसित देशों के साथ 16 एफटीए और 6 पीटीए को अंजाम दिया है।

अंतर महाविद्यालय शतरंज प्रतियोगिता में वर्धमान कॉलेज ने फहराया परचमा

एजेंसी

बिजनौर। गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय की अंतर महाविद्यालय शतरंज प्रतियोगिता में कई जनपदों के खिलाड़ियों को पछाड़ते हुए वर्धमान कॉलेज के खिलाड़ियों ने परचम लहराया। पुरुष वर्ग में सर्वज्ञ, जबकि महिला वर्ग में उनकी बहन श्रेया विजेता बनी। वर्धमान कॉलेज बिजनौर के शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद विभाग में गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय द्वारा प्रथम अंतर महाविद्यालय शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। महिला व पुरुष वर्ग में आयोजित प्रतियोगिता का शुभारंभ वर्धमान डिग्री कॉलेज बिजनौर की प्राचार्या डॉक्टर प्रीति खन्ना ने शतरंज की चाल चलकर किया। । प्रतियोगिता में बिजनौर जनपद के अलावा मुरादाबाद व रामपुर जनपद से आये खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। विश्वविद्यालय की ओर से डॉक्टर सनी कुमार (गुलाब सिंह डिग्री कॉलेज चांदपुर) को पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया। वहीं निर्णायक मंडल में सीनियर नेशनल आर्बिटर विवेक त्यागी, नूतन भारद्वाज, शोभित जैन एवं प्रीति त्यागी रहे। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने पूर्ण मनोयोग से शह और मात का खेल खेला। इनमें से पुरुष वर्ग में सर्वज्ञ भारद्वाज और महिला वर्ग में श्रेया भारद्वाज ने प्रथम स्थान हासिल किया। ये दोनों ही विजेता वर्धमान डिग्री कॉलेज बिजनौर के विद्यार्थी है और सगे भाई बहन है।

घरेलू टी-20 पंजाब प्रीमियर लीग में दिखेगा गिल, अभिषेक, अर्शदीप का जलवा

चंडीगढ़। पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) इस साल जून में पंजाब की घरेलू टी-20 प्रतियोगिता पंजाब प्रीमियर लीग (पीपीएल) का आयोजन करेगा। इस बार टूर्नामेंट नए नाम और नए प्रारूप के साथ आयोजित किया जाएगा। पंजाब प्रीमियर लीग 2026 में कुल छह टीमें भाग लेंगी और सभी टीमें फ्रेंचाइज़ी मॉडल पर आधारित होंगी। खिलाड़ियों की खरीद नीलामी प्रक्रिया के माध्यम से की जाएगी। इस लीग में केवल पंजाब में पंजीकृत खिलाड़ी ही हिस्सा ले सकेंगे। लीग में पंजाब के प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी आकर्षण का केंद्र होंगे। भारतीय टेस्ट और सीमित ओवरों के सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल, भारत के नंबर-1 टी-20 बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को मार्की खिलाड़ियों के रूप में शामिल किया जाएगा। इनके अलावा रामनदीप सिंह, नेहल वढेरा, नमन धीर, अनमोलप्रीत सिंह, प्रभसिमरन सिंह जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी मार्की सूची में शामिल हो सकते हैं। वर्तमान भारत अंडर-19 टीम के सदस्य युवा खिलाड़ी विहान मल्होत्रा भी इस लीग में खेलते नजर आएंगे। सीनियर खिलाड़ियों के साथ-साथ पंजाब की अंडर-23 टीम के खिलाड़ियों को भी अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा।

टी-20 विश्व कप के बाद संन्यास लेंगे नवनीत ढालीवाल, अफगानिस्तान में खेलेंगे आखिरी मुकाबला

नई दिल्ली। कनाडा के पूर्व कप्तान नवनीत ढालीवाल ने जारी आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप में कनाडा के अंतिम मुकाबले के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की है। कनाडा गुरुवार को अफगानिस्तान के खिलाफ अपना आखिरी मैच खेलेगा। ढालीवाल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ हार के बाद अपने फैसले की पुष्टि की। इस हार के साथ ही कनाडा की सुपर आठ चरण में पहुंचने की उम्मीदें समाप्त हो गईं। टी-20 विश्व कप 2026 में ढालीवाल अब तक 108 रन बना चुके हैं। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले मुकाबले में 49 गेंदों पर 64 रन की शानदार पारी खेली थी। इसके बाद यूएई के खिलाफ 34 रन बनाए। ढालीवाल टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कनाडा के सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज के रूप में संन्यास लेने जा रहे हैं। वर्ष 2015 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने के बाद उन्होंने 29 टी-20 और 4 एकदिवसीय मैचों में टीम की कप्तानी की। उनकी कप्तानी में कनाडा ने टी-20 प्रारूप में 21 जीत दर्ज कीं।ढालीवाल ने बताया कि उन्होंने विश्व कप में आने से पहले ही यह तय कर लिया था कि यह उनका अंतिम टूर्नामेंट होगा।

नॉर्वे शतरंज में छठी बार हिस्सा लेंगे वेस्ली सो, बोले- रोमांचक और चुनौतीपूर्ण होगा टूर्नामेंट

स्टावांगर (नॉर्वे)। विश्व शतरंज के दिग्गज खिलाड़ियों में शुमार वेस्ली सो ने नार्वे चेस 2026 में अपनी वापसी की पुष्टि कर दी है। यह उनका इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में छठा सहभाग होगा। महज 14 वर्ष की उम्र में ग्रैंडमास्टर का खिताब हासिल करने वाले वेस्ली सो ने जल्द ही अपनी पीढ़ी के अग्रणी खिलाड़ियों में स्थान बना लिया है। वेस्ली सो ने एक आधिकारिक बयान में कहा, 'मैं नॉर्वे शतरंज में फिर से खेलने को लेकर बेहद खुश हूं। शानदार धूप में यहां आना सुखद अनुभव है। एक मजेदार और चुनौतीपूर्ण प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं! ' पूर्व विश्व नंबर दो रह चुके वेस्ली सो पिछले एक दशक से अंतरराष्ट्रीय शतरंज के शीर्ष स्तर पर लगातार अपनी मौजूदगी दर्ज कराते रहे हैं। अपने करियर के शिखर पर उन्होंने 2800 से अधिक रेटिंग हासिल की और 2016 से 2017 के बीच क्लासिकल प्रारूप में 67 मुकाबलों तक अपराजित रहने का अद्भुत रिकॉर्ड बनाया। वेस्ली सो 2019 में फिडे विश्व फिशर रैंडम चैंपियन बने।

भारतीय महिला कबड्डी टीम को 'बीबीसी स्टार परफॉर्मर्स ऑफ द ईयर 2025' सम्मान

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय महिला कबड्डी टीम को विश्व कप में ऐतिहासिक जीत के बाद बीबीसी स्टार परफॉर्मर्स ऑफ द ईयर 2025 सम्मान से नवाजा गया। यह सम्मान बीबीसी इंडियन स्पोर्ट्स वूमेन ऑफ द ईयर अवॉर्ड्स समारोह में प्रदान किया गया, जिसने महिला कबड्डी की बढ़ती प्रतिष्ठा को राष्ट्रीय मंच पर नई पहचान दी। भारतीय महिला टीम की सदस्य ऋतु श्योराण ने कहा कि यह सम्मान न केवल टीम बल्कि पूरे खेल के लिए महत्वपूर्ण क्षण है। उन्होंने कहा, 'कबड्डी को इस तरह के बड़े मंच पर पहचान मिलना बेहद खास है। आमतौर पर कबड्डी को इतनी सुर्खियां नहीं मिलतीं, इसलिए पूरी टीम के साथ यहां होना गर्व का पल है। ' विश्व कप जीत को याद करते हुए उन्होंने कहा, 'कई वर्षों बाद विश्व कप जीतना हम सभी के लिए भावुक क्षण था। ऐसे पुरस्कार

अगली पीढ़ी की लड़कियों को प्रेरित करते हैं कि वे भी भारत का प्रतिनिधित्व करने का सपना देखें। ' उन्होंने महिला कबड्डी को और मजबूत समर्थन देने की आवश्यकता पर भी जोर दिया, ताकि युवा खिलाड़ियों को बेहतर अवसर मिल सकें टीम की अन्य खिलाड़ी पूजा काजला ने भी इस सम्मान को ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा, 'इस मंच पर आमंत्रित और सम्मानित होना हमारे लिए बेहद खुशी की बात है। पहली बार कबड्डी को इस तरह शामिल कर सम्मानित किया गया है, जो हमारे लिए बहुत मायने रखता है। ' काजला ने कहा कि इस तरह की पहचान का सामाजिक प्रभाव भी होता है। उन्होंने कहा, 'इससे लड़कियों में आत्मविश्वास बढ़ता है और परिवारों को भी गर्व महसूस होता है। यह युवा खिलाड़ियों को खेल को गंभीरता से अपनाने के लिए प्रेरित करता है। ' भारत की दमदार विश्व कप जीत ने न केवल टीम के दबदबे को साबित किया, बल्कि नई पीढ़ी की खिलाड़ियों को भी राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई। खिलाड़ियों का मानना है कि इस तरह के सम्मान महिला खेलों को आगे बढ़ाने और पारंपरिक भारतीय खेलों को व्यापक मंच देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

अयोध्या में 22 फरवरी को होने वाले 'रन फॉर राम' मैराथन की जर्सी का अनावरण

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में 22 फरवरी को होने वाले 'रन फॉर राम' मैराथन के चौथे संस्करण की आधिकारिक जर्सी का वर्चुअल माध्यम से अनावरण किया गया। 'रन फॉर राम 2026' में 10 हजार से अधिक प्रतिभागियों के शामिल होने की संभावना है। इस मैराथन में एथलीट, फिटनेस प्रेमी, परिवार, वरिष्ठ नागरिक, युवा और आध्यात्मिक प्रेरणा से जुड़े लोग समाज के विभिन्न वर्गों का प्रतिनिधित्व करते हुए भाग लेंगे। अयोध्या में यह आयोजन स्वास्थ्य, एकता और राष्ट्रीय गौरव के उत्सव के रूप में आयोजित किया जाएगा। भारत सरकार की 'नवरत्न' श्रेणी की कंपनी एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड इस मैराथन में साझेदार के रूप में जुड़ी हुई है, जो इस खेल पहल को सहयोग प्रदान कर रही है। इस अवसर पर क्रीड़ा भारती उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष अवनीश कुमार सिंह ने कहा कि रन फॉर राम जर्सी का अनावरण केवल एक और मैराथन की शुरुआत नहीं है, बल्कि यह उस सतत अभियान का प्रतीक है, जो आस्था, स्वास्थ्य को जोड़ता है। हम एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड, गोवा सरकार, छत्तीसगढ़ सरकार और अपने सभी सहयोगी भागीदारों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं, जिन्होंने इस यात्रा में लगातार सहयोग दिया है। उनका समर्थन हमें हजारों लोगों को भगवान श्रीराम के प्रति भक्ति और स्वस्थ व एकजुट भारत के संकल्प के साथ जोड़ने में मदद करता है।

बरेका में अखिल भारतीय रेलवे हैंडबॉल प्रतियोगिता का आगाज

एजेंसी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित बनारस रेल इंजन कारखाना (बरेका) में 18वीं अखिल भारतीय रेलवे हैंडबॉल प्रतियोगिता (पुरुष-महिला) का भव्य आगाज हुआ। बतौर मुख्य अतिथि प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर, एवं अध्यक्ष, बरेका खेल संघ सुशील कुमार श्रीवास्तव ने शांति, एकता और खेल भावना का प्रतीक रंग- बिरंगे गुब्बारों को आकाश में उड़ाकर प्रतियोगिता का शुभारम्भ किया। इसके बाद उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया एवं उनका उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता में उद्घाटन मैच बनारस रेल इंजन कारखाना और दक्षिण मध्य रेलवे के बीच खेला गया । जिसमें बनारस रेल इंजन कारखाना की टीम ने दक्षिण मध्य रेलवे की टीम को 19-13 से हराकर शानदार विजय प्राप्त किया। महिला वर्ग में पहला मैच उत्तर रेलवे और दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की टीमों के बीच खेला गया । जिसमें दक्षिण

पूर्व मध्य रेलवे की टीम ने उत्तर रेलवे की टीम को 24-16 से हरा कर शानदार जीत दर्ज किया। दोनों मैचों के दौरान मैदान पर उपस्थित दर्शकों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। बरेका के जनसम्पर्क कार्यालय के अनुसार प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग में उत्तर रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे, बनारस रेल इंजन कारखाना, पश्चिम रेलवे, दक्षिण मध्य रेलवे, रेलवे सुरक्षा बल,उत्तर पश्चिम रेलवे, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रेलवे बोर्ड, पटियाला लोकोमोटिव वर्क्स की टीम भाग ले रही है।

महिला प्रो गोल्फ टूर: वाणी कपूर और त्वेसा मलिक संयुक्त बढ़त पर

एजेंसी

पुणे। महिला प्रो गोल्फ सर्किट के चौथे चरण में रोमांचक मुकाबला देखने को मिल रहा है। वाणी कपूर ने शानदार खेल दिखाते हुए दो राउंड के बाद शीर्ष स्थान पर त्वेसा मलिक की बराबरी कर ली है। दोनों खिलाड़ी महिला प्रो गोल्फ टूर (डब्ल्यूपीजीटी) के इस चरण में खिताब की प्रबल दावेदार बनकर उभरी हैं। प्रतियोगिता पूना क्लब गोल्फ कोर्स में खेली जा रही है।

2025 की ऑर्डर ऑफ मेरिट विजेता वाणी कपूर ने संतुलित खेल दिखाया। फ्रंट नाइन में बर्डी और बोगी का मिला-जुला दौर रहा, लेकिन नौवें होल की बर्डी ने उन्हें अंडर-पार में पहुंचाया। बैक नाइन में एक बर्डी और एक बोगी के साथ उन्होंने 70 का कार्ड खेलकर बढ़त साझा कर ली।त्वेसा मलिक ने पहले होल पर बर्डी से शुरुआत की, हालांकि आठवें होल के डबल-बोगी से उनका स्कोर प्रभावित हुआ। बाद में 11वें, 14वें और 16वें होल पर बर्डी लगाकर उन्होंने वापसी की और इवन-पार पर राउंड खत्म किया। दिन की सर्वश्रेष्ठ पारी स्नेहा सिंह के नाम रही, जिन्होंने

बिना किसी बोगी के 67 का स्कोर बनाया। वह अब रिद्धिमा दिलावारी के साथ संयुक्त तीसरे स्थान पर हैं। रिद्धिमा, जो पहले दिन सह-लीडर थीं, दूसरे राउंड में 72 खेलकर एक स्थान खिसक गईं।तीसरे राउंड के बाद प्रतिस्पर्धा और कड़ी हो गई है। नेहा त्रिपाठी, लावन्या गुप्ता और अनुराधा चौधरी 3-ओवर कुल स्कोर के साथ पांचवें स्थान पर हैं। जैसमिन शेकर आठवें स्थान पर काबिज हैं। नौवें स्थान पर नयनिका सांगा, जहान्वी बख्शी, लावन्या टंडन, विधात्री उर्स और दुर्गा नित्तुर संयुक्त रूप से मौजूद हैं। कट 156 पर लगा और 32 खिलाड़ी अंतिम राउंड में पहुंचीं। 49 खिलाड़ियों के बड़े फील्ड और 17 लाख रुपये की इनामी राशि वाले इस चरण का फैसला अब अंतिम दिन होगा, जहां वाणी, त्वेसा और स्नेहा खिताब के लिए सीधी टक्कर में नजर आएंगी।

टी-20 विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका ने यूएई को हराया, ग्रुप डी में जीते अपने चारों मैच

एजेंसी

नई दिल्ली। आईसीसी टी-20 विश्व कप 2026 में दक्षिण अफ्रीका ने ग्रुप डी में अपना विजय अभियान जारी रखते हुए यूएई को छह विकेट से हराया। इस जीत के साथ दक्षिण अफ्रीका ने ग्रुप चरण के चारों मुकाबले जीतकर अपराजित रहते हुए सुपर आठ में प्रवेश किया। यहां अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए मैच में बारिश की आशंका के बीच पहले बल्लेबाजी करते हुए यूएई ने आक्रामक शुरुआत की। मुहम्मद वसीम ने कगिसो रबाडा के एक ओवर में लगातार तीन चौके जड़ दिए। हालांकि जॉर्ज लिंडे के आक्रमण में आते ही रनगति पर अंकुश लग गया।इसके बाद कॉर्बिन बॉश ने अतिरिक्त उछाल का फायदा उठाते हुए आर्यांश शर्मा और सोहैब खान को पवेलियन भेजा। एनरिक नॉर्टजे और क्वेना मफाका की तेज गेंदों ने भी यूएई बल्लेबाजों को परेशान किया। यूएई के लिए अलीशन शराफू ने संघर्षपूर्ण 45

रन बनाए, लेकिन टीम 20 ओवर में 122/6 तक ही पहुंच सकी। बारिश के कारण दक्षिण अफ्रीका की पारी में थोड़ी देरी हुई। लक्ष्य का पीछा करते हुए कप्तान एडेन मार्करम और क्विंटन डी कॉक को स्पिन गेंदबाजों ने शुरुआत में रोके रखा। हालांकि मार्करम ने एक ओवर में 18 रन बटोरकर दबाव कम किया, लेकिन उसी ओवर की आखिरी गेंद पर बोल्ड हो गए। रयान रिकेल्टन और डेवाल्ड ब्रेविस ने तेज बल्लेबाजी कर रनगति बनाए रखी। ब्रेविस ने 36 और रिकेल्टन ने 30 रन बनाए। अंत में ट्रिस्टन स्टब्स और जेसन स्मिथ ने 13.2 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया। कॉर्बिन बॉश ने 3 विकेट लेकर टी20 करियर के 100 विकेट पूरे किए और उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। उन्होंने कहा कि शुरुआती ओवरों में गेंद में हल्की हरकत थी और गेंदबाजों के बीच शानदार तालमेल देखने को मिला। सुबह हुई बारिश ने भी पिच को थोड़ी मदद पहुंचाई। दक्षिण अफ्रीका अब सुपर आठ के ग्रुप 1 में 22 फरवरी को अहमदाबाद में भारत से भिड़ेगा।

संक्षिप्त स्कोर:

यूएई 122/6 (अलीशन शराफू 45, मुहम्मद वसीम 22; कॉर्बिन बॉश 3/12, एनरिक नॉर्टजे 2/28)।

दक्षिण अफ्रीका 123/4 (डेवाल्ड ब्रेविस 36, रयान रिकेल्टन 30) - 13.2 ओवर में जीत।

तीस से अधिक खिलाड़ियों ने उत्तीर्ण की ताइक्वांडो कलर बेल्ट परीक्षा

एजेंसी

मुरादाबाद। जिला ताइक्वांडो स्पोर्ट्स एसोसिएशन के तत्वावधान में आकांक्षा विद्यापीठ इंटर स्कूल, मिलन विहार, मुरादाबाद स्थित आकांक्षा ताइक्वांडो क्लब में ताइक्वांडो कलर बेल्ट टेस्ट का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। 30 से अधिक खिलाड़ियों ने ताइक्वांडो कलर बेल्ट परीक्षा उत्तीर्ण की। इस बेल्ट परीक्षा में मुख्य परीक्षक के रूप में राष्ट्रीय रेफरी प्रियांशु रस्तोगी रहे, जिन्होंने खिलाड़ियों की तकनीक, अनुशासन, फिटनेस और प्रदर्शन का मूल्यांकन किया। संचालन कोच सुमित शर्मा के मार्गदर्शन में किया गया। कोच ने सभी खिलाड़ियों को निरंतर मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। जिला ताइक्वांडो स्पोर्ट्स एसोसिएशन सचिव शाहवेज़ अली ने बताया कि पीली बेल्ट परीक्षा दिशा सारस्वत, धारिया मेहरा, अंकुश नायक, जिया सागर, लकी मटियाल, दीपिका मटियाल, हंसराज गौतम, सिद्धार्थ गौतम, यश कुमार, शिवम कश्यप, यश श्रीवास्तव, अक्षत सिंह आदि ने उत्तीर्ण की। हरी बेल्ट परीक्षा रुद्र प्रताप सिंह, ध्रुव प्रताप सिंह, नंदनी कश्यप, करुण्या यादव, रुद्र प्रताप सिंह, कार्तिक भारद्वाज आदि ने उत्तीर्ण की।

ग्रीन वन परीक्षा कृष्णा यादव, राघव सिंह, आर्ना कश्यप ने एवं नीली बेल्ट परीक्षा मयंक सिंह, आशी ठाकुर ने उत्तीर्ण की। ब्लू वन शिविका पसान, शिखर सिंह लाल बेल्ट प्रथम सक्सेना ने तथा रेड वन अनिका सैनी ने उत्तीर्ण की। सीनियर ब्लैक बेल्ट खिलाड़ियों का विशेष प्रदर्शन किया ।

कार्यक्रम के दौरान अकादमी के सीनियर ब्लैक बेल्ट खिलाड़ियों में कामिया सैनी, अभिषेक कुमार, यश सक्सेना, रश्मि राज, तनिष्क जैन, युवराज, मयंक तथा अन्य सीनियर्स ने अपने जूनियर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन कर उन्हें प्रेरित किया।

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गई भारतीय महिला फुटबॉल टीम पर्थ में दो मैत्री मैच खेलेगी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय महिला राष्ट्रीय फुटबॉल टीम ऑस्ट्रेलिया के पर्थ में दो मैत्री मैच खेलेगी। भारतीय टीम 19 फरवरी को पर्थ रेडस्टार फुटबॉल क्लब और 23 फरवरी को पर्थ अज़्ज़ुरी फुटबॉल क्लब के खिलाफ मैदान में उतरेगी। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के अनुसार तुर्किये में प्रशिक्षण शिविर समाप्त करने के बाद भारतीय महिला टीम 11 फरवरी को पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया पहुंचीं। टीम अगले महीने होने वाले एशियाई महिला फुटबॉल कप की तैयारियों में जुटी है। 19 फरवरी, दोपहर 2 बजकर 30 मिनट (भारतीय समयानुसार) - भारत बनाम पर्थ रेडस्टार फुटबॉल क्लब, डालमाटिनैक पार्क, पर्थ 23 फरवरी, शाम 4 बजे (भारतीय समयानुसार) - भारत बनाम पर्थ अज़्ज़ुरी फुटबॉल क्लब, मैसेडोनिया पार्क, पर्थ दोनों मुकाबले बंद दरवाजों के पीछे, बिना दर्शकों की उपस्थिति में खेले जाएंगे। भारत ने तुर्किये दौरे के दौरान यूक्रेन, रूस, स्विट्जरलैंड, जर्मनी और रोमानिया के क्लबों के खिलाफ कुल छह अभ्यास मुकाबले खेले, जिनमें तीन में जीत, एक मुकाबला बराबरी पर और दो में हार का सामना करना पड़ा। हालिया मुकाबले में भारतीय टीम को रोमानिया के क्लब एफके चिकसेरेडा मिएरकुरिया चिउक फुटबॉल क्लब के खिलाफ 0-1 से पराजय झेलनी पड़ी। इससे पहले भारतीय टीम ने रूस के क्लब ज़्वेज्दा-2005 पर्म फुटबॉल क्लब को 2-0 से हराया था। ले के चार खिलाड़ियों का हुआ चयन भारतीय टीम ने जर्मनी के क्लब हर्था बीएससी महिला फुटबॉल टीम को भी 1-0 से मात दी थी। ऑस्ट्रेलिया में होने वाले ये दोनों अभ्यास मुकाबले एशियाई महिला फुटबॉल कप से पहले भारतीय टीम के लिए महत्वपूर्ण तैयारी साबित होंगे।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर 8 में पहुंची टीमों को 2028 टी20 विश्व कप का सीधा टिकट

एजेंसी

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने स्पष्ट किया है कि टी20 विश्व कप 2026 के सुपर 8 स्टेज में जगह बनाने वाली सभी टीमों ने 2028 में होने वाले अगले टी20 विश्व कप के लिए स्वतः क्वालीफाई कर लिया है। अगला टूर्नामेंट आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2028 ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की संयुक्त मेजबानी में खेला जाएगा। सुपर 8 की तस्वीर तब पूरी हुई जब पाकिस्तान ने नामीबिया को हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। ग्रुप ए से पाकिस्तान के साथ भारत आगे बढ़ा। ग्रुप बी से श्रीलंका और जिम्बाब्वे, ग्रुप सी से वेस्टइंडीज और इंग्लैंड, जबकि ग्रुप डी से साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड ने जगह बनाई। 2028 संस्करण के सह-मेजबान होने के कारण ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड

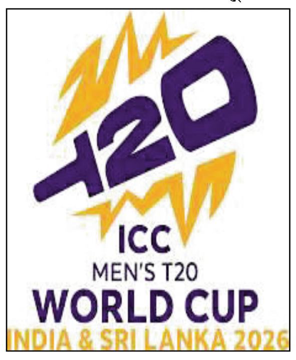

को पहले ही स्वतः प्रवेश मिल चुका था। अब नियमों के तहत सुपर एट्स में पहुंची सभी टीमें भी सीधे क्वालीफाई कर चुकी हैं। 12 स्वतः क्वालीफायर टीमों की सूची आईसीसी रैंकिंग के आधार पर पूरी होगी। तय कट-ऑफ तारीख तक रैंकिंग में शीर्ष पर रहने वाली अगली तीन टीमें भी जगह बनाएंगी। मौजूदा स्थिति में बांग्लादेश, अफगान्तिान और आयरलैंड इन स्थानों के प्रबल दावेदार हैं, क्योंकि कट-ऑफ से पहले उनके कोई अंतरराष्ट्रीय मैच निर्धारित नहीं हैं। शेष आठ स्थान क्षेत्रीय क्वालीफिकेशन के जरिए भरे जाएंगे, जहां अलग-अलग क्षेत्रों की प्रतिस्पर्धात्मक मजबूती के आधार पर कोटा तय होगा। इस तरह 20 टीमों वाला 2028 टी20 विश्व कप एक बार फिर वैश्विक प्रतिस्पर्धा का बड़ा मंच बनने जा रहा है।

एक साल बाद भारतीय हॉकी टीम में लौटे अंगद बीर सिंह ने कहा, 'इस बार दिखेगा बड़ा बदलाव'

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के युवा फॉरवर्ड अंगद बीर सिंह की लगभग एक वर्ष बाद राष्ट्रीय टीम में वापसी हुई है। उन्हें एफआईएच प्रो लीग 2025-26 के होबार्ट चरण के लिए 24 सदस्यीय भारतीय टीम में शामिल किया गया है। 23 वर्षीय हमलावर खिलाड़ी ने पिछली बार 2024-25 सत्र में भुवनेश्वर में आयरलैंड के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था। इसके बाद से वह सीनियर टीम का हिस्सा नहीं थे। होबार्ट में होने वाले मुकाबले उनके करियर का पहला विदेशी दौरा भी होगा। अंगद ने वापसी को खास बताते हुए हॉकी इंडिया के हवाले कहा, 'मैं इस अवसर को लेकर बेहद उत्साहित हूं। लंबे समय से प्रशिक्षण कर रहा था और मौके का इंतजार कर रहा था। अब मैं खुद को साबित करना चाहता हूं और भारत के लिए अच्छा प्रदर्शन करना चाहता हूं। 'होबार्ट चरण में भारत का सामना ऑस्ट्रेलिया और स्पेन जैसी मजबूत टीमों से होगा। अंगद का मानना है कि टीम ने इन प्रतिद्वंद्वियों की शैली को ध्यान में रखते हुए तैयारी की है।उन्होंने कहा, 'राष्ट्रीय शिविर से ही हमारी तैयारी काफी अच्छी रही है। ऑस्ट्रेलिया और स्पेन की मजबूत 'मैन-टू-मैन' शैली को ध्यान में रखते हुए अभ्यास सत्र तैयार किए गए हैं। फिटनेस और मैच के लिए तैयार रहने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। ' हाल ही में राउरकेला चरण में भारतीय टीम का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा था।

अजेय भारत : नीदरलैंड्स को 17 रन से हराया, शिवम दुबे और वरुण चक्रवर्ती बने जीत के महानायक

एजेंसी

अहमदाबाद। नीदरलैंड्स के खिलाफ भारत की जीत केवल एक मैच का नतीजा नहीं, बल्कि टीम इंडिया की उस गहराई का प्रमाण है जहाँ मुश्किल वक्त में नए सितारे उभरकर सामने आते हैं। 194 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए नीदरलैंड्स ने कड़ी टक्कर दी, लेकिन भारतीय गेंदबाजों, विशेषकर वरुण चक्रवर्ती की फिरकी के आगे उनकी रफ्तार थम गई। शिवम दुबे का 'सिक्सर शो': संकटमोचक बनी 66 रनों की पारी टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी टीम इंडिया की शुरुआत किसी बुरे सपने जैसी रही। युवा ओपनर अभिषेक शर्मा लगातार तीसरे मैच में शून्य पर आउट हुए, जिससे ड्रेसिंग रूम में खामोशी छा गई। ईशान किशन (18) और सूर्यकुमार यादव (34) ने पारी को संभालने की कोशिश की, लेकिन असली धमाका शिवम दुबे के बल्ले से हुआ। प्लेयर ऑफ द मैच : दुबे ने महज 31 गेंदों में 66 रन कूटे, जिसमें 6 गगनचुंबी छक्के शामिल थे। पंड्या का साथ: हार्दिक

पंड्या (30 रन) और शिवम दुबे के बीच हुई 76 रनों की साझेदारी ने भारत को 193 के मजबूत स्कोर तक पहुँचाया। वरुण चक्रवर्ती : स्पिन का वो मायाजाल जिसने जीत पक्की की भले ही शिवम दुबे को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, लेकिन जीत की स्क्रिप्ट वरुण चक्रवर्ती ने लिखी। जब नीदरलैंड्स के बल्लेबाज हाथ खोलने की कोशिश कर रहे थे, वरुण ने अपनी 'मिस्ट्री स्पिन' से मैच का रुख मोड़ दिया। स्पेल ऑफ द मैच : वरुण ने 3 ओवरों में सिर्फ 14 रन देकर 3 महत्वपूर्ण विकेट चटकाए। उन्होंने एक ही ओवर में एकरमैन और आर्यन दत्त को आउट कर नीदरलैंड्स की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह ने भी शुरुआत में कसी हुई गेंदबाजी कर दबाव बनाए रखा।

बदलाव और बेंच स्ट्रेंथ की मजबूती

सुपर-8 से पहले भारत ने अपनी प्लेइंग-11 में दो अहम बदलाव किए। कुलदीप यादव की जगह अर्शदीप सिंह और अक्षर पटेल की जगह वाशिंगटन सुंदर को मौका दिया गया। हालांकि नीदरलैंड्स के आर्यन दत्त ने भारतीय टॉप ऑर्डर को अपनी कसी हुई गेंदबाजी (2/19) से काफी परेशान किया, लेकिन भारत के मध्यक्रम ने मैच बचा लिया।

अब आगे क्या?

ग्रुप स्टेज की बाधा पार करने के बाद अब असली परीक्षा शुरू होगी। रविवार को सुपर-8 के मुकाबले में भारत का सामना दक्षिण अफ्रीका से होगा। यह मुकाबला तय करेगा कि सेमीफाइनल की रेस में भारत की दावेदारी कितनी मजबूत है।

बदली सनी देओल की 'गबरू' की रिलीज डेट

नई रिलीज डेट 8 मई 2026 तय की गई

अभिनेता सनी देओल इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'बॉर्डर 2' की कामयाबी का जश्न मना रहे हैं। 23 जनवरी को सिनेमाघरों में आई इस फिल्म ने दुनियाभर में 440 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार कर बॉक्स ऑफिस पर मजबूत प्रदर्शन दर्ज किया है। इसी बीच सनी ने अपनी अगली परियोजना को लेकर भी उत्सुकता बढ़ा दी है। उन्होंने अपने 68वें जन्मदिन के मौके पर नई फिल्म 'गबरू' की घोषणा की थी, जिसका निर्देशन शशांक उदापुरकर कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म 'गबरू' का निर्माण विशाल राणा और ओम छंगानी कर रहे हैं। पहले इस फिल्म को 13 मार्च 2026 को रिलीज करने की योजना थी, लेकिन अब इसकी नई रिलीज डेट 8 मई 2026 तय की गई है। निर्माता इसे बड़े पैमाने पर सिनेमाघरों में उतारने की तैयारी में हैं।

बताया जा रहा है कि 'गबरू' एक इमोशनल ड्रामा फिल्म होगी, जिसमें सनी देओल एक सशक्त और प्रभावशाली किरदार में नजर आएंगे। फिल्म में उनका अंदाज पावर और जोश से भरपूर होगा, जो उनके प्रशंसकों के लिए खास आकर्षण का केंद्र बनेगा। हालांकि, कहानी और अन्य कलाकारों से जुड़ी जानकारी फिलहाल गोपनीय रखी गई है, जिससे फिल्म को लेकर दर्शकों में उत्सुकता बनी हुई है।

नो-फोन पॉलिसी, कोई सेलिब्रिटी गेस्ट नहीं

दक्षिण भारतीय सिनेमा की सबसे पसंदीदा जोड़ी, विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना, आखिरकार शादी के बंधन में बंधने के लिए तैयार हैं। सूत्रों के अनुसार, यह जोड़ा 26 फरवरी को राजस्थान के उदयपुर में सात फेरे लेगा।

दक्षिण भारतीय सिनेमा की सबसे पसंदीदा जोड़ी, विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना, आखिरकार शादी के बंधन में बंधने के लिए तैयार हैं। सूत्रों के अनुसार, यह जोड़ा 26 फरवरी को राजस्थान के उदयपुर में सात फेरे लेगा। हालांकि, यह शादी किसी भव्य बॉलीवुड तमाशे के बजाय एक बेहद निजी और पारंपरिक समारोह होगी। एक्टर विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना 26 फरवरी को उदयपुर में अपने परिवार और दोस्तों की मौजूदगी में शादी करने वाले हैं, जैसा कि कपल के करीबी सूत्रों ने बताया है। उन्होंने सेरेमनी की फ़ोटो और वीडियो को फैलने से रोकने के लिए नो-फ़ोन पॉलिसी लागू की है।

इस डेवलपमेंट से जुड़े एक करीबी सूत्र ने बताया कि शादी बहुत प्राइवेट होगी, जिसमें सेलिब्रेशन 24 फरवरी से शुरू होंगे और 26 फरवरी को सेरेमनी के साथ खत्म होंगे। सूत्र ने बताया, गेस्ट लिस्ट बहुत छोटी है। फ़ोन अलाउड नहीं होंगे।

आम सेलिब्रिटी शादियों से हटकर, किसी भी एक्टर या इंडस्ट्री के साथियों को इनवाइट नहीं किया गया है। गेस्ट लिस्ट सिर्फ़ करीबी परिवार के सदस्यों और बहुत करीबी दोस्तों तक ही लिमिटेड है।

कपल ने शादी से पहले एक ट्रेडिशनल और सोच-समझकर किया गया तरीका भी चुना है। शादी से पहले की दो रस्में पहले ही अलग-अलग हो चुकी हैं, एक रश्मिका के मायके वालों ने उनके घर पर और दूसरी विजय के परिवार ने, जो उनके अपने-अपने पारिवारिक रीति-रिवाजों के हिसाब से शादी का निशान है।

> "शादी के बाद एक महीने का 'डिजिटल डिटॉक्स' ब्रेक"

अपने सादगी भरे नज़रिए को और दिखाते हुए, विजय और रश्मिका ने दोस्तों को हाथ से लिखे नोट लिखे हैं, जिसमें उन्होंने सिर्फ़ उनका आशीर्वाद मांगा है और कोई तोहफ़ा नहीं मांगा है।

कई फ़िल्म इंडस्ट्रीज़ में अपने मुश्किल प्रोफ़ेशनल कमिटमेंट्स के बावजूद, दोनों एक्टर्स शादी की प्लानिंग में बहुत ध्यान से शामिल रहे हैं। सोर्स के मुताबिक, उन्होंने सेरेमनी के बाद जानबूझकर अपने लिए भी समय निकाला है। अंदर के आदमी ने कहा, विजय और रश्मिका दोनों ने शादी के बाद एक महीने की छुट्टी ली है।

हालांकि शादी खुद प्राइवेट रहेगी, लेकिन जैसा कि पहले बताया गया था, कपल 4 मार्च को हैदराबाद में दोस्तों और इंडस्ट्री के साथियों के लिए एक बड़ा रिसेप्शन होस्ट करेगा।

विजय और रश्मिका के रिश्ते ने लंबे समय से लोगों का ध्यान खींचा है, हालांकि दोनों अपनी पर्सनल लाइफ़ को लेकर काफ़ी हद तक सावधान रहे हैं। गीता गोविंदम और डियर कॉमरेड में उनके ऑन-स्क्रीन कोलेबोरेशन ने उन्हें तेलुगु सिनेमा की सबसे पसंदीदा जोड़ियों में से एक बना दिया, और फ़ैन्स तब से उनके सफ़र को करीब से फ़ॉलो कर रहे हैं।

फरहान और रणवीर के बीच सुलह कराएंगे आमिर खान

एक्सेल एंटरटेनमेंट ने की है 40 करोड़ मुआवजे की मांग

'डॉन 3' को लेकर हुआ विवाद

फिल्म 'डॉन 3' को लेकर अभिनेता फरहान अख्तर और रणवीर सिंह के बीच विवाद गहराता नजर आ रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, रणवीर द्वारा प्रोजेक्ट बीच में छोड़ने के बाद फरहान की प्रोडक्शन कंपनी एक्सेल एंटरटेनमेंट ने 40 करोड़ रुपये मुआवजे की मांग की है।

बताया जा रहा है कि रणवीर ने यह कहते हुए मुआवजा देने से इनकार कर दिया कि फिल्म इंडस्ट्री में प्रोजेक्ट्स का बनना और रुक जाना आम बात है, इसलिए वे इसके लिए जिम्मेदार नहीं हैं। वहीं निर्माताओं का कहना है कि अभिनेता के पीछे हटने से उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हुआ है, क्योंकि फिल्म के प्री-प्रोडक्शन पर पहले ही बड़ी रकम खर्च की जा चुकी थी। इसी बीच खबर है कि आमिर खान ने दोनों पक्षों के बीच सुलह कराने की पहल की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आमिर के घर पर एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें फरहान, रितेश सिधवानी के प्रोडक्शन हाउस के प्रतिनिधि और रणवीर के बीच विवाद सुलझाने की कोशिश हुई। सूत्रों का कहना है कि आमिर दोनों पक्षों के बीच चल रहे अनसुलझे मुद्दों को बातचीत से सुलझाना चाहते हैं।

रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि रणवीर ने स्क्रिप्ट से असंतुष्ट होने के कारण फिल्म छोड़ी। उनका कहना था कि निर्माता कहानी में बदलाव के लिए तैयार नहीं थे। साथ ही यह भी सामने आया है कि उन्होंने इस प्रोजेक्ट के लिए कोई अग्रिम भुगतान नहीं लिया था। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या आमिर खान की पहल से यह विवाद सुलझ पाएगा और 'डॉन 3' की राह दोबारा साफ होगी या नहीं।

सलीम खान की तबीयत बिगड़ी अस्पताल में भर्ती

बॉलीवुड के दिग्गज लेखक सलीम खान की अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें मुंबई के बांद्रा स्थित लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह खबर सामने आते ही उनके प्रशंसकों और फिल्म इंडस्ट्री में चिंता का माहौल है। बताया जा रहा है कि 17 फरवरी को तबीयत खराब होने के बाद उन्हें लीलावती अस्पताल लाया गया। हालांकि, अब तक उनकी सेहत को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी शेयर नहीं की गई है।

पिता की तबीयत बिगड़ने की खबर मिलते ही अभिनेता सलमान खान तुरंत अस्पताल पहुंचे। अस्पताल परिसर से उनका वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें वे चिंतित नजर आ रहे हैं। सुरक्षा के कड़े इंतजामों के बीच सलमान अपने पिता से मिलने पहुंचे।

सलीम खान हिंदी सिनेमा के प्रतिष्ठित लेखकों में गिने जाते हैं और उन्होंने कई सुपरहिट फिल्मों की पटकथा लिखी है। हाल ही में नवंबर 2025 में उन्होंने अपनी पत्नी सलमा खान के साथ शादी की 61वीं सालगिरह मनाई थी। फिलहाल परिवार की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। प्रशंसक उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं।

सच के नए पहलू दिखाएगा 'द केरल स्टोरी 2', ट्रेलर रिलीज

> "आस्था और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के टकराव को दिखाया"

निर्माता विपुल अमृतलाल शाह और उनके बैनर सनशाइन पिक्चर्स के समर्थन से बनी फिल्म 'द केरल स्टोरी 2—गोज बियॉन्ड' का ट्रेलर जारी कर दिया गया है। यह फिल्म चर्चित फिल्म 'द केरल स्टोरी' का सीक्वल है और पहले भाग से अधिक व्यापक और गहन कहानी का दावा करती है।

ट्रेलर की शुरुआत एक चेतावनी भरे संवाद से होती है, जिसके बाद कहानी राजस्थान, मध्य प्रदेश और केरल जैसे राज्यों में घटित घटनाओं की ओर बढ़ती है। इसमें अलग-अलग परिवारों और युवतियों की व्यक्तिगत त्रासदियों को दर्शाया गया है, जहां कथित तौर पर धोखे, जबरन धर्म परिवर्तन और रिश्तों में विश्वासघात जैसे मुद्दों को उठाया गया है। एक हिस्से में राजस्थान का परिवार अपनी नाबालिग बेटी के मामले में पुलिस स्टेशन पहुंचता है, वहीं मध्य प्रदेश में एक युवती के साथ धोखे से शादी और दबाव की कहानी दिखाई गई है।

फिल्म का तीसरा आयाम केरल में स्थापित है, जहां एक अंतरधार्मिक रिश्ते के बहाने पहचान, आस्था और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के टकराव को दिखाया गया है। निर्देशक कामाख्या नारायण सिंह ने कहानी को तीन युवतियों, उल्का गुप्ता, अदिति भाटिया और ऐश्वर्या ओझा के नजरिए से प्रस्तुत किया है, जिनकी जिंदगी रिश्तों के चलते अप्रत्याशित मोड़ लेती है।

फिल्म के निर्माता विपुल अमृतलाल शाह हैं, जबकि आशिन ए. शाह सह-निर्माता के रूप में जुड़े हैं। मेकर्स के अनुसार, 'द केरल स्टोरी 2—गोज बियॉन्ड' 27 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'ओ रोमियो' का नया गाना 'जलवा' रिलीज

शाहिद कपूर का दिखा गुस्से और बदले वाला अंदाज

शाहिद कपूर की हालिया रिलीज फिल्म 'ओ रोमियो' सिनेमाघरों में दर्शकों का ध्यान खींच रही है। इसी बीच निर्माताओं ने फिल्म का नया गाना 'जलवा' जारी कर दिया है, जो अपने तीव्र संगीत और जोशीले अंदाज के कारण चर्चा में है।

इस गाने के बोल मशहूर गीतकार गुलजार ने लिखे हैं, जबकि इसे आवाज सोबा सिंह सितारा ने दी है। संगीत निर्देशन विशाल भारद्वाज का है। 'जलवा' की धुन दमदार और ऊर्जावान है, जो कहानी के भावनात्मक और तीखे मोड़ों को और प्रभावी बनाती है। गाने को टी-सीरीज के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है। इसे शेयर करते हुए शाहिद कपूर ने लिखा, शोले की तरह, फलक चूम के, जलवा मेरे आशिक का बड़ी धूम से निकला। वीडियो में शाहिद का किरदार गुस्से और बदले की भावना से भरा नजर आता है। अधिकतर दृश्य फिल्म के अहम पलों से लिए गए हैं।

13 फरवरी को रिलीज हुई इस फिल्म में तृप्ति डिमरी, अविनाश तिवारी, नाना पाटेकर, दिशा पाटनी, विक्रांत मैसी और तमन्ना भाटिया भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। 'जलवा' के रिलीज होने के बाद फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच उत्साह और बढ़ गया है।

'जलवा' के रिलीज होने के बाद फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच उत्साह और बढ़ा

मोहित रैना और प्रियामणि का अंतरराष्ट्रीय सिनेमा में बड़ा कदम

हर्ष महादेश्वर कर रहे हैं फिल्म का निर्माण

टीवी शो 'देवों के देव महादेव' से लोकप्रिय हुए अभिनेता मोहित रैना अब एक नई इंडो-हॉलीवुड फीचर फिल्म को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म का निर्माण हर्ष महादेश्वर कर रहे हैं और इसमें उनके साथ राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री प्रियामणि अहम भूमिका निभाती नजर आएंगी। प्रियामणि हाल ही में 'जवान' और वेब सीरीज 'द फेमिली मैन' में अपनी दमदार अदाकारी के लिए सराही गई थीं। बताया जा रहा है कि यह फिल्म एक सच्ची घटना से प्रेरित है, हालांकि इसका शीर्षक अभी तय नहीं किया गया है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, यह परियोजना अमेरिकी प्रोडक्शन कंपनी रेड बिसन प्रोडक्शंस और मुंबई स्थित एज़्योर एंटरटेनमेंट के बीच रचनात्मक सहयोग का परिणाम है। फिल्म की कहानी एक अप्रवासी परिवार की भावनात्मक और सांस्कृतिक यात्रा पर आधारित है, जो अमेरिका में अपनी पहचान और अपनेपन की तलाश में संघर्ष करता है। इसमें पारिवारिक मूल्यों, जड़ों से जुड़ाव और नए परिवेश में सामंजस्य जैसे विषयों को संवेदनशीलता के साथ प्रस्तुत किया जाएगा।

फिल्म की शूटिंग अप्रैल 2026 से शुरू होने की योजना है। इसका अधिकांश हिस्सा अमेरिका के 'न्यूयॉर्क' और 'न्यू जर्सी' में फिल्माया जाएगा, जबकि कुछ महत्वपूर्ण दृश्य दिल्ली और 'जम्मू-कश्मीर' में शूट किए जाएंगे। अंतरराष्ट्रीय पृष्ठभूमि और सशक्त कहानी के चलते इस परियोजना को लेकर फिल्म जगत में खास उत्सुकता देखी जा रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, **सुनील कुमार** द्वारा वी-22 खजूर वाली गली नम्बर-2 अरविंद नगर, घोंडा दिल्ली-110053 से प्रकाशित एवं कारे प्रिंटिंग प्रेस 574ए विजय पार्क गली नम्बर-2 मौजपुर दिल्ली-110053 से मुद्रित।
किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **सम्पादक : सुनील कुमार** RNI NO.- DELHIN/2007/22401